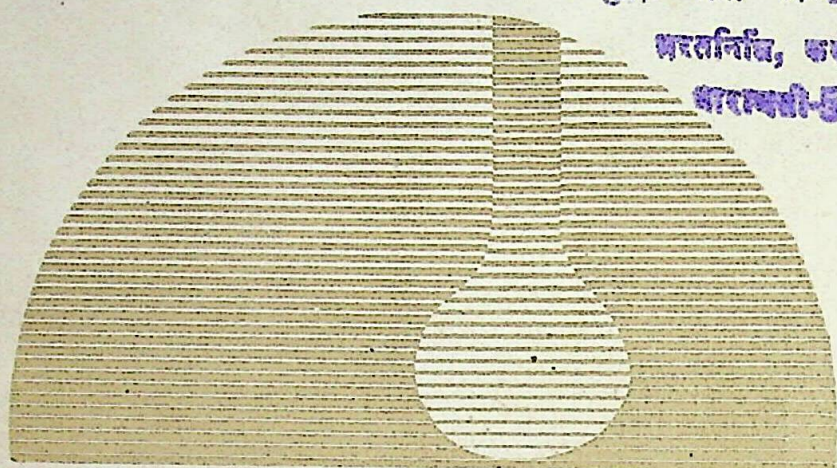


आर्य-शास्त्र-प्रवर्धक

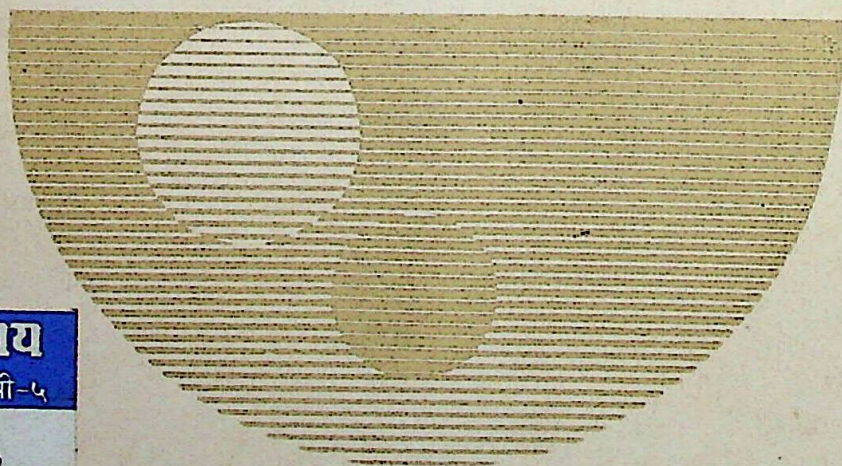
भारतनिधि, कलकत्ता

आर्यशास्त्र-५



# ध्रुवपद-समीक्षा

भारत व्यास



आर्य

शास्त्र-५

70



अः ५/51A

7.1

# अनूपराग विलास

भाग-२

आम्नाय-बन्ध्यालिन,

परतनिक, कपौली

धारापसी-५

थालय

धारापसी-५

51A







विष्णु-प्रबन्धालय,  
भारतविधि, करोदी  
वाराणसी-५





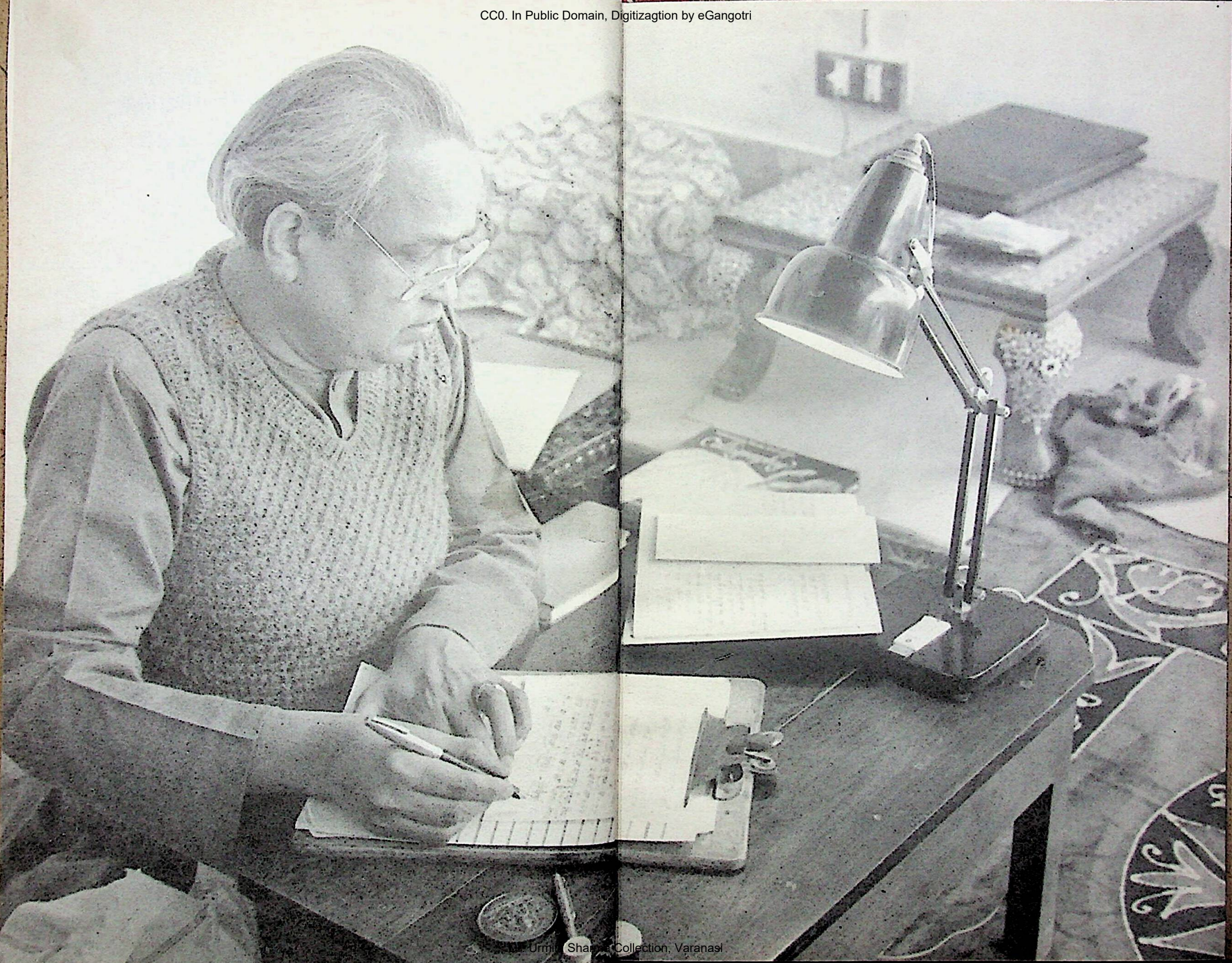


अः २/५१A  
आम्नाय-ग्रन्थालय,  
भारतनिधि, करौली  
वाराणसी-५

अनूपरागविलास : २

---











आम्नाय-ग्रन्थालय,  
सप्तमिधि, करौली  
पाराणसी-५

## अनूपरागविलास : २

---

कुमार गंधर्व

कुमार गंधर्व संगीत अकादमी



प्रथम संस्करण

३ जुलाई १९९३, गुरुपौर्णिमा शक १९१५

© १९९३, वसुंधरा कोमकाळी

आवरण : विनय जैन

आवरण चित्र : आम्र वस्त्र कोष

छायाचित्र : अविनाश पसरीचा

कीमत सौ रुपये

प्रकाशक

वसुंधरा कोमकाळी

प्रबन्ध न्यासी

कुमार गंधर्व संगीत अकादमी

'भानुकुल', माताजी का रस्ता

देवास, मध्य प्रदेश

लेझरसेटिंग

अक्षय फोटोटाइपसेटर्स

१, चित्रकूट सोसायटी,

न्यू शक्ती डाय वर्क्स के सामने,

डॉ. आंबेडकर रोड,

थाने ४०० ६०१

मुद्रक

प्र० पु० भागवत

मौज प्रिंटिंग ब्यूरो

खटाववाडी, गिरगाम

बम्बई ४०० ००४



आम्नाय-ब्रह्मालय,  
भरतनिधि, करौली  
वाराणसी-5

प्रिय वसुंधरा को...







## कृतज्ञता ज्ञापन

इस पुस्तक के प्रकाशन में मुझे जिन सब ने सहायता की उन में से कुछ का नामोल्लेख, जो महत्वानुक्रम के अनुसार नहीं है, करना मैं आवश्यक मानती हूँ। यथा, श्री० श्री० पु० भागवत, श्रीमती पूर्णिमा एवं श्री० लक्ष्मण राय, राहुलजी और श्री० अरुण फडके। श्री० फडके को छोड़कर शेष सब पुराने मित्र हैं, स्नेह-सम्बन्धों से जुड़े हुए। (आशा है कि श्री० फडके भी अब हमारे मित्र-परिवार के सदस्य बन जाएँगे और बने रहेंगे।)

श्री० श्री० पु० भागवत पुराने पारिवारिक मित्र तो हैं ही, साथ ही, सन १९६५ में 'अनूपरागविलास' (मराठी और हिन्दी) के प्रकाशन के लिए भी, मूलतः उत्तरदायी रहे हैं। इस बार भी विविध प्रकार की सहायत दे कर उन्होंने हमारा मनोबल बनाए रखा।

श्री० अरुण फडके, ठाणे के 'अक्षय फोटोटाइपसेटर्स' के स्वामी हैं। यों तो किसी भी पाण्डुलिपि को टाइप में जमाना एक नीरस किस्म का, कुछ उबाऊ काम होता है, पर, संगीत की पाण्डुलिपि की जमावट तो बहुत परिश्रमसाध्य और जटिल काम है, जो बड़े धीरज की माँग करता है। हमारे इस नए एवं युवा साथीने बड़ा रस लेकर यह काम बखुबी पूरा किया है।

आवरण-सज्जा के लिये हम श्री० विनय जैन के आभारी हैं।

श्रीमती पूर्णिमा राय और श्री० लक्ष्मण राय दिहड़ी के संगीतप्रेमी दम्पति हैं, जिन के उदार वित्तीय सहयोग से ही ये प्रकाशन संभव हो सका है।

राहुलजी के बारे में क्या कहूँ? 'अनूपरागविलास' (१९६५) में "अपनी बात" में कुमारजी ने राहुलजी के बारे में लिखा है : "मैं उन्हें धन्यवाद तो नहीं देता, क्यों कि वे मेरे बहुत निजी हैं, मगर वे ऐसे ही कर्तव्य निभाते रहें यह इच्छा (है)।" राहुलजी ने कुमारजी की उक्त इच्छा की पूर्ति की है।

इन सभी की मैं बहुत आभारी हूँ।

वसुंधरा कोमकाळी,

प्रबन्धन्यासी,

कुमार गंधर्व संगीत अकादमी,

देवास

दि० २८ जनवरी १९९३

कृतज्ञता ज्ञापन : नऊ



## भूमिका

कुमारजी की १३६ बंदिशों के प्रथम संग्रह 'अनूपरागविलास' का प्रकाशन सन १९६५ में हुआ। इस संग्रह की एक विशिष्टता थी (जो आज भी है और भविष्य में भी रहेगी, ऐसी मेरी विन्नग्र मान्यता है) : उक्त पुस्तक का वह हिस्सा जिसमें धुन-उगम राग दिए गए हैं। उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत की जड़ें लोकसंगीतों में हैं यह तथ्य सर्वमान्य है। लेकिन, इन जड़ों की ओर बारीकी और गहराई से ध्यान कुमारजी ने ही दिया। न सिर्फ ध्यान दिया बल्कि, लोकधुनों पर आधारित ग्यारह नए रागों का निर्माण किया। उन रागों के स्वरूप विशद किए और उनमें बन्दिशें भी रचीं। इन नए रागों में बाँधी गई अपनी बन्दिशों को उन्होंने शास्त्रीय संगीत की कसौटी (अर्थात्, उक्त बन्दिशों को अनेकानेक महफिलों में गा कर जानकार रसिकों की दाद अर्जित करना) पर कसा और परखा और उन्हें खरा सिद्ध कर दिखाया।

इस अनूठी उपलब्धि के लिए यों तो कई बातें उत्तरदायी हैं। जैसे यह की संयोगवश कुमारजी का देवास आकर, देवास के ही हो जाना। लेकिन, दरअसल, इस उपलब्धि के लिए दो बातें मुख्यतया उत्तरदायी हैं। उन में से एक तो जगजाहिर है : कुमारजी की असामान्य, उत्तुंग प्रतिभा। और दूसरी बात — जो विशेष ज्ञात नहीं है — है उनकी सदा जागरूक असीम जिज्ञासा। जो है वह तो है ही; पर वह क्यों है? किस अथवा किन कारणों से है? बल्कि, जो है वह दरअसल क्या है? इन तथा ऐसे ही प्रश्नों के उत्तर खोजने में वे निरन्तर लगे रहते थे। ऐसी मूलागामी जिज्ञासा व्यक्ति को चिन्तक की श्रेणी में स्थापित कर देती है। और वस्तुतः वे चिन्तक-दार्शनिक ही थे। यदि वे केवल प्रतिभा-सम्पन्न गायक ही होते, उनके अन्तर में इतनी तीव्र जिज्ञासाएँ नहीं होतीं तो उक्त अनूठी उपलब्धि हासिल न होती।

उपर कही गई बातों से लग सकता है कि कुमारजी की जिज्ञासा सिर्फ लोकसंगीतों तक ही सीमित थी। पर ऐसा नहीं है। परम्परा से चले आ रहे शास्त्रीय संगीत के प्रति भी वे उतने ही जागरूक थे। परम्परागत रागरूपों का (और स्वाभाविक ही उन में रची गई बन्दिशों का भी) उनका अध्ययन तलस्पर्शी था। प्रत्येक मूर्धन्य गायक की अपनी एक खास शैली होती है। कुमारजी की भी थी। लेकिन कुमारजी की शैली की खासियत यह थी कि वह परम्परागत प्रवाह की मर्यादाओं में होते हुए भी कुछ अलगसी महसूस होती थी। इस की जड़ में, संभवतः, उक्त जागरूकता, अध्ययन एवं मनन-चिन्तन था। बहरहाल कुमारजी की "कुछ अलगसी महसूस" होनेवाली खासियत के कारण स्वाभाविक ही था कि वह विवाद-ग्रस्त भी होती। यदि यह कहा जाए कि शीर्षस्थ शास्त्रीय गायकों में कुमारजी सर्वाधिक विवादग्रस्त थे तो वह अतिशयोक्ति नहीं होगी।

कुमारजी के लगभग अड़सठ वर्ष के जीवन में, प्रारंभिक कुछ वर्ष छोड़ दें तो, उनका सांगीतिक कृतित्व एवं व्यक्तित्व आजीवन विवादग्रस्त ही रहा। यों विवादग्रस्त होना, अपने दस : अनूपरागविलास



समकालीनों की दृष्टि में सराहनीय हो अथवा न हो, दीर्घकालीन परिप्रेक्ष्य में ऐसा व्यक्तित्व विशेष महत्व रखता है। इसलिए कि उसका कृतित्व वैचारिक आधारों पर टिका होता है। ऐसा नहीं है कि कुमारजी का पारम्परिक शास्त्रीय संगीत पद्धति पर प्रभुत्व नहीं था। बल्कि, शुरु शुरु में वे वैसा ही गाते थे। और, अत्यंत तीव्र बुद्धि एवं प्राकृतिक देन के परिणामस्वरूप उन्होंने, अपेक्षया कम आयु में ही अपना एक अलग स्थान बना लिया था। प्रबुद्ध संगीत-प्रेमियों के मानस में कुमारजी की स्वतंत्र छवि तेजी से उभर रही थी। फिर भी, ऐसा लगता है कि, कुमारजी के अन्तःस्तल में कहीं एक कचोटसी थी। और, हो सकता है कि, इस कचोट ने, अनजाने ही सही, उनकी तत्कालीन स्वतंत्र छवि, जो थी तो शास्त्रीय संगीत के मुख्य प्रवाह की परिधि में ही, के उद्भव एवं विकास में उत्प्रेरक की भूमिका निभायी हो। इसे मानवी जीवन के अनेकानेक विस्मयकारी एवं सर्वथा अप्रत्याशित मोड़ों तथा घुमावों में से ही एक मानना होगा कि अपनी इस छवि से भी, आगे चलकर, उन्हें संघर्ष करना पड़ा था। बहरहाल, मुद्दा यह है कि पारम्परिक शास्त्रीय संगीत उन्हें खूब अच्छी तरह अवगत था। इस पारम्परिक प्रवाह के विभिन्न घरानोंकी शैलियों एवं खूबियों से वे अच्छी तरह परिचित थे। लगभग इसी समय, यानी जब वे अपना स्वतंत्र स्थान बस बना ही चुके थे, वे गंभीर रूप से अस्वस्थ हो गए। तथा, स्वास्थ्य-लाभ हेतु देवास आकर टिके। उन का रोग कुछ इस किस्म का था कि उनका इलाज करनेवाले डाक्टरों ने कुमारजी को सख्त हिदायत दी थी कि पाँच वर्ष तक वे (कुमारजी) “आSSS” भी न करें और शैया-सेवन करें। पाँच वर्ष के इस प्रदीर्घ विश्राम-काल में उनका साविका लोक-संगीत से पड़ा, बल्कि उससे एक गहरा, निकट का रिश्ता कायम होगया। सांगीतिक विशिष्टताएँ सुनते ही उन्हें आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता तो कुमारजी में विलकुल बचपन से ही थी। अतएव लोकसंगीत में स्वरोके जो ‘लगाव’ एवं ‘ठहराव’ और लय के प्रकारोंमेंसे कुमारजी की प्रगल्भ एवं सूक्ष्म सांगीतिक चेतना को भा जानेवाले ‘लगाव’ तथा ‘ठहराव’ उनके मानसिक संग्रहालय में तत्काल जमा हो जाते थे। और उन्हें लेकर कुमारजी का गहरा विचारमंथन चला करता था। फलतः उनकी सांगीतिक सौन्दर्यदृष्टि में और गायन प्रस्तुत करने की शैली में, स्वाभाविक ही, शनैः शनैः परिवर्तन होने लगा। उन्हें यह अहसास प्रबलता के साथ होने लगा कि परम्परागत शास्त्रीय संगीत में जो सरसता एवं सौन्दर्य है उसके अलावा भी सौन्दर्य एवं सरसता के स्रोत हैं जो जानकार रसिकों के समक्ष, तथा अन्यत्र भी, प्रस्तुत किए जाने चाहिए। उक्त निष्कर्ष गहरे एवं व्यापक विचार-मंथन से उपजे थे। और कुमारजीने, स्वास्थ्य-लाभ करने के बाद, जब फिर से गाना शुरु किया तब, जिस प्रकार एक प्रामाणिक चिन्तक अपने सोच विचारों तथा विभिन्न कसौटियों पर परखे गए दर्शन को अभिव्यक्त करता है उसी आत्म-विश्वासपूर्ण साहस के साथ कुमारजी अपने श्रोताओं से मुखातिब हुए। यहाँ यह स्मरण रखना जरूरी है कि पाँच साल की अवधि कोई खास बड़ी नहीं होती; अतएव जब कुमारजी फिर से गाने लगे तो श्रोताओं में काफी संख्या में ऐसे रसिक भी थे कि जो

भूमिका : स्याह



बीमारी से पहले के कुमारजी को सुन चुके थे और कुमारजी के प्रशंसक थे। उनकी स्मृति में कुमारजी की पहलीवाली छवि अंकित थी। लेकिन इधर कुमारजी के सांगीतिक दृष्टिकोण और उनकी सांगीतिक शैली में परिवर्तन आ गया था। इस प्रकार, स्वयं की पूर्व छवि से ही एक स्पर्द्धा की सी स्थिति निर्माण हो गई थी। कुमारजी ही एक ऐसे गायक-संगीतकार हैं जिन्हें ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा। बहरहाल, जो जानकार रसिक परम्परागत शास्त्रीय संगीत सुनने के आदी थे, वे यदि कुमारजी की नई शैली से चकित एवं विचलित न होते तो ही आश्चर्य की बात होती! लिहाजा कुमारजी को भारी मात्रा में आलोचनाओं का लक्ष्य बनना पड़ा। यह तो कुमारजी का ही मादा था कि सारी आलोचना के बावजूद अपने विचारोंपर वे दृढ़ रहे और अपने कृतित्व से इन सारी आलोचनाओं का उत्तर देते हुए शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उन्होंने अपना मूर्धन्य स्थान अर्जित कर लिया। नए सिरे से अपने श्रोत-समुदाय का निर्माण किया। यह सारा कार्य कितना कठिन था इसकी कल्पना सहज ही की जा सकती है। शास्त्रीय संगीत में एक नया आयाम जोड़ने के कुमारजी के इस असामान्य कृतित्व का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके कारण शास्त्रीय संगीत के क्षितिज पहले की अपेक्षा अधिक विस्तृत हो गए। साथ ही, जो एक ढर्रासा बन गया था उससे हटकर भी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में कुछ किया जा सकता है इस की एक चमकीली मिसाल भी कायम हो गई है!

असीम एवं बहुमुखी जिज्ञासा एवं अलौकिक सांगीतिक प्रतिभा के साथ ही साथ कुमारजी की मानसिक बनावट में एक अन्य महत्वपूर्ण तत्व भी था : उत्कट एवं असीम सृजनात्मक ऊर्जा। शारीरिक दृष्टि से सामान्य से उन्नीस ही कद-काठी के तथा एक भयावने, जानलेवा रोग से ग्रस्त वे भले ही रहे हों पर सृजन की ऊर्जा उन में कूट कूट कर भरी थी। उनके द्वारा रचे गए और संयोजित ही नहीं, महफिलों में प्रस्तुत भी किए गए कार्यक्रमों की फेहरिस्त काफी बड़ी है। और, यह उनकी सृजनात्मक ऊर्जा का असंदिग्ध प्रमाण है। ऐसे कार्यक्रमों में ऋतु-संगीत है (गीत वर्षा, गीत हेमन्त, गीत वसंत), संत-संगीत है (त्रिवेणी : कबीर, सूरदास एवं मीरा की कतिपय कृतियों की कुमारजी द्वारा की गई स्वर-सज्जा), शास्त्रीय संगीत है (ठुमरी-टप्पा-तराना) और लोकसंगीत (मालवा की लोक-धुनें) तो खैर है ही। इन के अलावा अन्य कार्यक्रम भी हैं। इन “अन्य कार्यक्रमों” में एक है ‘गांधी मल्हार’। कुमारजी हमेशा कहा करते थे कि राग बनाए नहीं जाते, बन जाते हैं। किन्तु ‘गाँधी मल्हार’ एक अपवाद है, क्यों कि उक्त राग खूब सोचविचार कर बनाया गया है। लेकिन चूंकि उसका विशिष्ट व्यौरा इसी संग्रह में राग के साथ ही दिया गया है अतएव यहाँ उस के बारे में कुछ लिखना अनावश्यक है (जिज्ञासु पाठक स्वयं उस व्यौरे को पढ़ेंगे और अपने अपने निष्कर्षों पर पहुँचेंगे ही।) ऊपर जो विवरण दिया गया है वह कुमारजी की सृजनशीलता के विस्तीर्ण दायरे की ओर तो संकेत करता ही है, साथ ही साथ उनके स्वभाव की सहज रूझानों को भी प्रकट करता है। प्रकृति से उनका गहरा लगाव, उनका श्रद्धालु स्वभाव,

बारह : अनूपराग विलास



शास्त्रीय संगीत से उनका गहन, अध्ययनशील रिश्ता और लोकसंगीत के प्रति उनकी सजग आस्था — यह सभी कुछ उनकी रचनाओं से जिस सहजता से अभिव्यक्त होते हैं वह अनुभव करने की चीज है। उसका बखान नहीं किया जा सकता। इस सारे सृजन-कर्म के साथ कितना अधिक परिश्रम, कितना अधिक पठन-चिन्तन-मनन जुड़ा हुआ होगा इसकी कल्पना ही मन को हिला देनेवाली है। लेकिन कुमारजी ने यह सब सहर्ष किया। गोया यह सब काफ़ी नहीं था इसलिये, साथ ही साथ, बन्दिशों का सृजन भी जारी था। कुछ बन्दिशों 'अनूपरागविलास' में, जैसा कि प्रारंभ में कहा गया है, सन १९६५ में प्रकाशित हो चुकी हैं। शेष बन्दिशों अब, 'अनूपरागविलास' — दूसरा भाग के रूप में, संगीत के सुधी रसिकों को उपलब्ध हो रही हैं। 'अनूपरागविलास' — प्रथम भाग में जो बन्दिशें हैं वे सन १९६२-६३ तक की हैं। इस के बाद की, सन १९८७ तक की, इस द्वितीय भाग में हैं।

कुमारजी की बन्दिशों की भाषा के बारे में कुछ कहना आवश्यक है। उन्होंने अपने जीवन के अन्तिम चवालीस वर्ष मालवा में बिताए। स्वाभाविक ही था कि वे यहाँ की संस्कृति और भाषा से, खासकर भाषा से, बहुत अधिक प्रभावित होते। और मालवी बोली का यह प्रभाव उनकी बन्दिशों में स्पष्ट झलकता है। मिसाल के लिए, इसी संग्रह में उनकी एक बन्दिश है : "सागा रा सब बन फूल..." ("तोड़ी") "सागा रा" मालवी प्रयोग है, जिसका अर्थ होता है, "सागौन का"। यानी, "सागा रा सब बन फूल" का मतलब होता है, "सागौन का बन फूल"। जिस प्रकार "रा" का अर्थ "का" होता है उसी प्रकार मालवी में "नि" का मतलब होता है "नहीं" यह ज्ञात होने पर "संजा नी जाओ, नी जाओ..." ('पूरिया' की एक बन्दिश) का अर्थ "संध्या (के समय) नहीं जाओ, नहीं जाओ" है, यह सहज ही समझ में आ जाता है। ऐसे अनेक उदाहरण दिए जा सकते हैं, पर वैसा करना अनावश्यक है। यदि बन्दिश के शब्दों का अर्थ समझना किसी को आवश्यक हो तो सजगतापूर्वक सोच-विचार से काम लेने पर अर्थ समझने में खास कठिनाई महसूस नहीं होगी !

ऐसा लगता है कि कुमारजी 'अनूपरागविलास' का द्वितीय भाग प्रकाशित करने का मन बना चुके थे। और प्रत्येक अंगीकृत कार्य सुव्यवस्थित ढंग से करने की अपनी स्वाभाविक आदत के अनुसार उन्होंने अपनी ओर से लगभग सारी तैयारी भी करली थी। किन्तु, नियति कुछ और ही थी। अत्यंत अप्रत्याशित रूप से १२ जानेवारी १९९२ को उनका देहावसान हो गया। ऐसी विषम परिस्थिति में श्रीमती बसुंधराजीने और कुमारी कलापिनीने उक्त अधूरे कार्य को पूरा करने का बीड़ा उठाया और विभिन्न अडचनों को परिश्रमपूर्वक लौघते हुए सफलता अर्जित की यह संतोष की ही नहीं, सराहना की भी बात है।

— राहुल बारपुते

भूमिका : तेरह



## स्वरांकन संकेतों का परिचय

१. री ग ध नि इन स्वरों के नीचे [ \_ ] इस प्रकार ढंश का चिन्ह हो तो वे स्वर कोमल हो जाते हैं। जैसे : री ग ध नि। यदि यह चिन्ह न हो तो वे स्वर शुद्ध या तीव्र रहते हैं।
२. कोमल या शुद्ध मध्यम को कोई चिन्ह नहीं। तीव्र मध्यम के ऊपर [ ! ] ऐसी खड़ी रेखा का चिन्ह होगा। जैसे : मं।
३. मंद्र सप्तक के स्वरों के नीचे [ . ] इस प्रकार बिंदु का चिन्ह होगा। जैसे : नि ध प म।
४. तार सप्तक के स्वरों के ऊपर [ ° ] इस प्रकार बिंदु का चिन्ह होगा। जैसे : सां रीं गं मं पं।
५. मध्य सप्तक के स्वरों के ऊपर या नीचे कोई चिन्ह न होगा। जैसे : सा री ग म प ध नि।
६.  इस अर्धचंद्र या कमानी के चिन्ह के अंदर अंकित स्वर एक मात्रा की अवधि में होते हैं। जैसे : म प म प ध म प ध - म प ध नि, सां नि ध प।
७.  इस प्रकार उल्टा अर्धचंद्र या कमान का चिन्ह जिन स्वरों पर हो वहाँ एक स्वर से दूसरे स्वर पर 'मीड' लेकर या कमानी बनाकर जाना चाहिये।
८. स्वरों को अलंकारिक बनाने के लिए तथा रागरूप शुद्ध रखने के लिये जो स्वर होते हैं वो स्वर मुख्य स्वरों के ऊपर बाईं ओर दिखाये गये हैं। इन्हें 'कण' स्वर भी कहते हैं। जैसे : ग सां सां री ग और प ध सां।
९. जिस स्वर के आगे [ - ] इस प्रकार ढंश हो वह चिन्ह पीछे के स्वर को आगे बढ़ाने के लिए होता है। जैसे : म - - -।
१०. गीत के शब्दों के अक्षर का मात्रा-काल बढ़ाने के लिए [ S ] इस अवग्रह चिन्ह का उपयोग किया गया है। जैसे : आ S उं S रे S S।
११. ताल की पहली मात्रा जिसे 'सम्' कहते हैं वह [ x ] इस चिन्ह से दर्शाई गई है। इसी प्रकार ताल की खाली, याने ताल का आधा हिस्सा, होने के बाद जो दुसरा आधा हिस्सा शुरू होता है उसे [ o ] शून्य चिन्ह से सूचित किया गया है।



१२. जो ताल जितनी मात्राओं का होगा और उसका ताल विभाजन या खंड जैसे होंगे उसके अनुसार 'बंदिशें' या गीत स्वरबद्ध किये जाते हैं और लिखे जाते हैं।
१३. स्वरों के नीचे [ \_ ] इस प्रकार डेंश हो और ऊपर [ | ] ऐसी रेखा हो वह स्वर कोमल और शुद्ध स्वर के बीच का अंतर होगा।
१४. जिस स्वर के आगे [ ० ] शून्य का चिन्ह को वहाँ एक मात्रा स्तब्धता होगी। यदि दो [ ०० ] हों तो दो मात्रा स्तब्धता होगी जैसे : ग म म म प ० ०
१५. जिस स्वर के ऊपर [ → ] यह आघात का चिन्ह हो उस स्वर को उसके पीछे के स्वर से आघात देना है। जैसे :  $\overline{ग}$   $\overline{ग}$   $\overline{म}$   $\overline{म}$   $\overline{प}$   $\overline{प}$
१६. जिस तीव्र मध्यम पर एक अतिरिक्त खड़ी रेखा हो [ || ] वह तीव्र मध्यम अतितीव्र मध्यम होगा। जैसे :  $\overline{म}$

स्वरोंकन संकेतों का परिचय : पंधरह



## तालों का परिचय

### रूपक ताल

रूपक ताल सात मात्राओं का होता है। इस ताल में तीन खंड होते हैं। पहला खंड तीन मात्राओं का तथा दूसरा और तीसरा खंड दो-दो मात्राओं का होता है। पहली मात्रा पर सम है। चौथी और छठी मात्रा पर आघात है। इस ताल का स्वभाव ही मध्य लय है।

|      |      |    |    |    |    |    |
|------|------|----|----|----|----|----|
| १    | २    | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  |
| तिन् | तिन् | ना | धी | ना | धी | ना |
| ⏟    | ⏟    |    |    |    |    |    |
| x    |      | २  |    | ३  |    |    |

### केहरवा ताल

केहरवा ताल आठ मात्राओं का होता है। इस ताल में दो खंड होते हैं। प्रत्येक खंड में चार-चार मात्राएँ होती हैं। पहली मात्रा पर सम और पांचवी मात्रा पर खाली है। इस ताल का विशेष गुण मध्य, द्रुत लय है।

|    |      |      |      |    |      |      |      |
|----|------|------|------|----|------|------|------|
| १  | २    | ३    | ४    | ५  | ६    | ७    | ८    |
| धा | धिन् | धागे | त्रक | धा | तिन् | तागे | त्रक |
|    | ⏟    | ⏟    | ⏟    |    | ⏟    | ⏟    | ⏟    |
| x  |      |      |      | ०  |      |      |      |

### झपताल

झपताल दस मात्राओं का होता है। इस ताल में चार खंड होते हैं। पहले और तीसरे खंड में दो-दो मात्राएँ होती हैं। दूसरे और चौथे खंड में तीन-तीन मात्राएँ होती हैं। पहली मात्रा पर सम और छठी मात्रा पर खाली है। तीसरी तथा आठवीं मात्रा पर आघात है। इस ताल का विशेष गुण ठाय और मध्य लय है।

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० |
| धी | ना | धी | धी | ना | ती | ना | धी | धी | ना |
|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| x  |    | २  |    |    | ०  |    | ३  |    |    |

### एकताल

एकताल बारह मात्राओं का होता है। इस ताल में छः खंड होते हैं। प्रत्येक खंड दो मात्राओं का होता है। पहली मात्रा पर सम और सातवीं मात्रा पर खाली है। पांचवीं, नौवीं तथा बारहवीं मात्रा पर आघात है। विलंबित, ठाय, मध्य तथा द्रुतलय इस ताल का विशेष गुण है।

|      |      |      |        |    |    |   |    |      |        |      |    |
|------|------|------|--------|----|----|---|----|------|--------|------|----|
| १    | २    | ३    | ४      | ५  | ६  | ७ | ८  | ९    | १०     | ११   | १२ |
| धिन् | धिन् | धागे | तिरकिट | तू | ना | क | ता | धागे | तिरकिट | धिन् | ना |
| ⏟    | ⏟    | ⏟    | ⏟      |    |    |   |    | ⏟    | ⏟      | ⏟    |    |
| x    |      | ०    |        | २  |    | ० |    | ३    |        | ४    |    |

सोलह : अनूपराग विलास



### दीपचंदी ताल

दीपचंदी ताल चौदह मात्राओं का ताल है। इस ताल में चार खंड होते हैं। पहले और तीसरे खंड में तीन-तीन मात्राएँ होती हैं। दूसरे और चौथे खंड में चार-चार मात्राएँ होती हैं। पहली मात्रा पर सम और आठवीं मात्रा पर खाली है। चौथी और स्यारहवीं मात्रा पर आघात है। इस ताल का विशेष गुण मध्य लय है।

|    |      |   |    |    |      |   |    |      |    |    |    |      |    |
|----|------|---|----|----|------|---|----|------|----|----|----|------|----|
| १  | २    | ३ | ४  | ५  | ६    | ७ | ८  | ९    | १० | ११ | १२ | १३   | १४ |
| धा | धिन् | - | धा | धा | धिन् | - | धा | तिन् | -  | धा | धा | धिन् | -  |
| x  |      |   | २  |    |      |   | ०  |      |    | ३  |    |      |    |

### झुमरा ताल

झुमरा ताल चौदह मात्राओं का है। इस ताल में चार खंड हैं। पहले और तीसरे खंड में तीन-तीन मात्राएँ होती हैं। दूसरे और चौथे खंड में चार-चार मात्राएँ होती हैं। पहली मात्रा पर सम और आठवीं मात्रा पर खाली हैं। चौथी तथा स्यारहवीं मात्रा पर आघात है। इस ताल का विशेष गुण ठाय लय है।

|      |   |    |      |      |      |        |
|------|---|----|------|------|------|--------|
| १    | २ | ३  | ४    | ५    | ६    | ७      |
| धिन् | - | धा | धिन् | धिन् | धागे | तिरकिट |
| ५    |   |    | २    |      |      |        |

|      |   |    |      |      |      |        |
|------|---|----|------|------|------|--------|
| ८    | ९ | १० | ११   | १२   | १३   | १४     |
| तिन् | - | ता | धिन् | धिन् | धागे | तिरकिट |
| ०    |   |    | ३    |      |      |        |

### आडा चौताल

आडाचौताल चौदह मात्राओं का होता है। इस ताल में सात खंड होते हैं। प्रत्येक खंड दो मात्राओं का होता है। पहली मात्रा पर सम है। पांचवी, नौवीं तथा तेरहवीं मात्रा पर खाली है। तीसरी, सातवी तथा स्यारहवीं मात्रा पर आघात है। इस ताल का विशेष गुण ठाय लय है।

|      |        |    |    |    |    |   |    |
|------|--------|----|----|----|----|---|----|
| १    | २      | ३  | ४  | ५  | ६  | ७ | ८  |
| धिन् | तिरकिट | धी | ना | तू | ना | क | ता |
| x    |        | २  |    | ०  |    | ३ |    |

|        |      |    |      |      |      |
|--------|------|----|------|------|------|
| ९      | १०   | ११ | १२   | १३   | १४   |
| तिरकिट | धिन् | ना | धिन् | धिन् | नाना |
| ०      |      | ४  |      | ०    |      |

तालों का परिचय : सतरह



### त्रिताल

त्रिताल सोलह मात्राओं का ताल है। इस ताल में चार खंड होते हैं। प्रत्येक खंड चार मात्राओं का है। पहली मात्रा पर सम और नौवीं मात्रा पर खाली है। पांचवीं तथा तेरहवीं मात्रा पर आघात है। इस ताल का विशेष गुण विलंबित, ठाय, मध्य तथा द्रुत लय है।

|    |      |      |    |  |    |      |      |    |  |
|----|------|------|----|--|----|------|------|----|--|
| १  | २    | ३    | ४  |  | ५  | ६    | ७    | ८  |  |
| धा | धिन् | धिन् | धा |  | धा | धिन् | धिन् | धा |  |
|    | ⏟    | ⏟    |    |  |    | ⏟    | ⏟    |    |  |
| x  |      |      |    |  | २  |      |      |    |  |

|    |      |      |    |  |    |      |      |    |  |
|----|------|------|----|--|----|------|------|----|--|
| ९  | १०   | ११   | १२ |  | १३ | १४   | १५   | १६ |  |
| धा | तिन् | तिन् | ता |  | ता | धिन् | धिन् | धा |  |
|    | ⏟    | ⏟    |    |  |    | ⏟    | ⏟    |    |  |
| ०  |      |      |    |  | ३  |      |      |    |  |



## अनुक्रम

|                           | पृष्ठ | राग और बंदिशे      | पृष्ठ |
|---------------------------|-------|--------------------|-------|
| कृतज्ञता ज्ञापन           | नऊ    | ललित               |       |
| भूमिका                    | दस    | नैना भरायोरी       | २२    |
| स्वरांकन संकेतों का परिचय | चौदह  | अल्हैया बिलावल     |       |
| तालें का परिचय            | सोलह  | भोला रे बना        | २४    |
|                           |       | बाजे रे बाजे       | २६    |
| राग और बंदिशे             |       | कुकुभ बिलावल       |       |
|                           |       | बुहारू अंगनुबारी   | २८    |
| पारम्पारिक राग            |       | मैं तो लुभाय गयोरी | २९    |
|                           |       | देशकार             |       |
| तोडी                      |       | आ दिलवरा           | ३१    |
| ध्यान मना                 | ३     | चिड़िया चूं चूहानी | ३३    |
| आसान करो                  | ५     | चैती बरवा          |       |
| सागारा सब बन              | ७     | बारी जाऊं रे       | ३४    |
| बिलासखानी                 |       | हिंडोल             |       |
| आ जारे घर                 | ८     | सोहेना येरी        | ३६    |
| देरना देरना देरना         | १०    | मधमाद सारंग        |       |
| भैरव                      |       | अग्नि रंग फूला     | ३८    |
| शोभे जटा तेरो             | ११    | रितु बंदना         |       |
| रवि के करम                | १२    | शरद हेमंत          | ४०    |
| देम् दारा देम्            | १४    | भीमपलासी           |       |
| रति भैरव                  |       | उडाय दो पतंग       | ४२    |
| अरुण आके                  | १५    | मुलतानी            |       |
| रामकली                    |       | दिल बेकार है       | ४४    |
| सबु मैं कै जानुरी         | १७    | मारवा              |       |
| कलियन सोहायोरी            | १९    | सूझो ना कछु        | ४५    |
| बिभास                     |       | पुरिया             |       |
| है आन मेरो                | २१    | संजानी जावो        | ४६    |

अनुक्रम : उन्नीस



| राग और बंदिशे       | पृष्ठ | राग और बंदिशे     | पृष्ठ |
|---------------------|-------|-------------------|-------|
| पुरिया धनाश्री      |       | तिलक कामोद        |       |
| आजरा दिन डूबा       | ४८    | मोतीया गुलाबे     | ७६    |
| श्री                |       | चैती मांड         |       |
| पावा मैं दूरा से    | ४९    | पतिया न भेजे      | ७८    |
| रीसई काहे           | ५१    | मांड गारा         |       |
| कल्याण              |       | राम बिन सिया      | ८०    |
| दीप की बेल          | ५३    | शिव केदार         |       |
| ये मुरलियार         | ५५    | जोगी जाय्यो रे    | ८१    |
| दारा दीम् तनन       | ५६    | जो दिया सो लैरी   | ८३    |
| छाया कल्याण         |       | दिर दिर तनन्      | ८५    |
| मैं का चैन ना परेगो | ५७    | जलधर देसा         |       |
| मिश्र कल्याण        |       | मेघा कि रितु      | ८७    |
| कोयल कूके           | ५८    | बिहाग             |       |
| भूपाली              |       | ये मोरा मन        | ८९    |
| माई गुसैया का       | ६०    | ये का मुरझायो रे  | ९१    |
| अवीर गुलाल          | ६१    | देर ना देर ना     | ९२    |
| छंद मय भयो है       | ६३    | सावनी बिहाग       |       |
| दारा दीम् दीम् दीम् | ६५    | ले जा संदेसो      | ९४    |
| शुद्ध कल्याण        |       | सावनी             |       |
| रूप धरे रे          | ६७    | अब न बदा          | ९६    |
| शुद्ध शाम           |       | मालव बिहाग        |       |
| मोय बुल के          | ६९    | ये सब खेल         | ९८    |
| खमाज                |       | बिहागरी           |       |
| ओ दिलदारा           | ७१    | राधा संग खेलन     | १००   |
| सोरठ देसा           |       | मालव बिहागरो      |       |
| नयो नयो मेह         | ७३    | म्हारी कारी भूमरी | १०१   |
| सावन देसा           |       | लंकेश्री          |       |
| दीम् तादीम् देरना   | ७५    | मांग भरोरी        | १०३   |

बीस : अनूप राग बिलास



| राग और बंदिशे      | पृष्ठ | राग और बंदिशे      | पृष्ठ |
|--------------------|-------|--------------------|-------|
| खेमनाट             |       | अडाणा              |       |
| ॐ मैं फूला         | १०५   | बाहेल आजोरे        | १२८   |
| दुर्गा             |       | मालकौंस            |       |
| अमोना रे अब        | १०६   | आये हो जी          | १३०   |
| आनन्द झरायोरी      | १०७   | ये सब भये          | १३२   |
| काफी               |       | बागेश्री           |       |
| दीम् तनारे तन      | १०९   | सोहत हथमा बीन      | १३३   |
| छाया सिन्धुरा      |       | बरदायनी हो री      | १३५   |
| ये छोरा भायेना     | ११०   | तानन की तान        | १३६   |
| झिंझोटी            |       | कौशी कानडा         |       |
| ऊबो ना रे जाय      | १११   | आ जानु रे          | १३७   |
| मीठा बोला हाम      | ११३   | बादर छायो है       | १३८   |
| खंबावती            |       | बसंत               |       |
| मुझायोम्यो मोगेरो  | ११५   | अब सन काहे         | १४०   |
| मियाँ मल्हार       |       | आयो बसंत रितु      | १४२   |
| सावन झप्रियो       | ११६   | ये रीत है कैसोरी   | १४३   |
| शुद्ध मल्हार       |       | ताना देरना तन      | १४४   |
| रितु बरखाई         | ११८   | जलधर बसंती         |       |
| रामदासी मल्हार     |       | हीरा मोती नीबजे    | १४५   |
| ये बाजुरे लंगर     | १२०   | बसंता सोनी         |       |
| गौड मल्हार         |       | बनराई बौराय लाम्यो | १४६   |
| रितु बरखा आई       | १२१   | परज                |       |
| दीम् तानोम् तनन    | १२३   | कीतक समझाऊं        | १४७   |
| सुर मल्हार         |       | शिव भटियार         |       |
| नीको नीको लाम्योरी | १२४   | यो जोगी का         | १४८   |
| दरबारी             |       | दिर तान् दिर तान्  | १५०   |
| धरो रे मन धीर      | १२५   | देर देर दे तान     | १५१   |
| है दरबार में       | १२७   |                    |       |

अनुक्रम : इकीस



| राग और बंदिशे      | पृष्ठ | राग और बंदिशे                  | पृष्ठ |
|--------------------|-------|--------------------------------|-------|
| भैरवी              |       | धुन उगम राग                    |       |
| ताना ताना तान में  | १५२   | सहेली तोडी                     |       |
| जोगी राजा मेरा     | १५४   | करम जानो गुनी                  | १७५   |
| कुमारजी द्वारा     |       | भवमत भैरव                      |       |
| की गई स्वर रचनाएँ  |       | दे बता देरी                    | १७७   |
| मुलतानी            |       | मध सुरजा                       |       |
| मियाँ तुसी         | १५९   | ढोलिया बजाले                   | १७९   |
| मधुवंती            |       | अहिमोहिनी                      |       |
| बैरन बरखा रितु     | १६०   | वीनु वजाओ                      | १८१   |
| उतरा कल्याण        |       | नवनिर्मित राग                  |       |
| बैरन कैसा जादू     | १६२   | राग गांधीमल्हार की पार्श्वभूमी | १८५   |
| मिश्रकल्याण        |       | राग गांधीमल्हार                | १८७   |
| बरसाना में खेलत    | १६३   | राग गांधीमल्हार - ताना         | १९०   |
| मारू बिहाग         |       | गांधी मल्हार                   |       |
| सुनो सखि सैया      | १६५   | तुम हो धीर                     | १९२   |
| चंद्रकाँस          |       | तुम में सब रूप                 | १९४   |
| तम की करां         | १६६   | परिशिष्ट                       | १९५   |
| तिलंग              |       |                                |       |
| करुं कौन जतन       | १६७   |                                |       |
| भैरवी              |       |                                |       |
| जानेवाला वे सोणावे | १६९   |                                |       |
| कल्लु कहे न गये    | १७१   |                                |       |



# अनूपरागविलास

---

पारम्परिक राग



आसान कसा आसान  
सुख लय सुख कसा  
उलसत जायो विचम ॥  
शोक बढ्यो घोर  
उषान विना भव  
उठ्यो रह्यो विचम ॥

श्री गं - गं श्री सा - य - मं धुनि धं - धं  
 ओ सा ॐ नं नो ॐ ओ ॐ ॐ ॐ सा ॐ नं  
 नि धं - मं गं श्री रीगं - री - सा -  
 सु ॐ ॐ यं सं धूं ॐ ॐ नं ॐ नो ॐ  
 सा श्री गं गं - गं धुमं - धं मं धुनि सांरी  
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ  
 ओ सा नं करो ॥

अनुमति...

मं - ग - मं - धा नि सं - सां - सां  
गोठ ५ ६ कुठ ७ वं द्योठ ८ ङो ९ श्र  
धि धा - नि रीं रीं गं - रीं रीं सां सां  
व्या ५ ६ न् ७ वि ना ठ ८ ठ ९ वा वं  
सां सां - सारी गा गा धाम - धाम धा नि सां  
गा व ५ उयोठ ६ श्र लोठ ७ वि य मेठ ८

आशाएँ करो आशाएँ ॥



# राग तोड़ी, ताल झुमरा, लय विलंबित

ध्यान मना रहूं रे  
 तोर हि रूप, तोर हि करम,  
 तोर हि नाम लेत रत लागी रे॥  
 आन मै ठाडी तोर हि द्वार पै  
 नाम जाप करूं गाऊं रे॥

स्थायी

— नि — धु — — नि गी गी | गु गी — — — धु गी, —, —, — |  
 ऽ ऽ ध्या ऽ ऽ ऽ ऽ न ऽ म | ना ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ० ० र ऽ, ऽ, ऽ, ऽ |  
 ३ X

सा — — — धु नि, —, धु, — धु सा, —, —, नि गी — सा — |  
 हूं ऽ ऽ ऽ रे ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 २

धु प, म, —, — — धु — नि — धु — |  
 तो ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ र ऽ हि ऽ ऽ ऽ |  
 ०

सा — — — सा — — — नि — धु — नि — गी — | गी — — — गु गु गी — सा |  
 रू ऽ ऽ ऽ प ऽ ऽ ऽ तो ऽ ऽ ऽ र ऽ हि ऽ क ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ र ऽ म ऽ ऽ ऽ |  
 ३ X

सा — — — गी — गु — म, —, धु नि, — धु — — — |  
 तो ऽ ऽ ऽ र ऽ हि ऽ ना, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ म ऽ ऽ ऽ |  
 २

धु म, म गी, —, — गु गु, —, गी, — सा — नि — |  
 ले ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ त ऽ, ऽ, र, ऽ त ऽ ऽ ऽ |  
 ०

सा — — गी गी गु, —, गी, सा नि — धु — — नि गी गी |  
 ला ऽ ऽ गी रे ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ध्या ऽ ऽ ऽ ऽ न ऽ म |  
 ३

अनूपरागविलास : ३



## अंतरा

— — ग म, —, ग, — —, ध म, ध म, — |  
 S S आ S, S, S, S S, न S, मै S, S |  
 ३

ध नि, सां, —, — —, —, नि सां, — सां — — — |  
 ठ S, S, S, S S, S, S S, S S डी S S S |  
 x

नि — ध — नि — सां — रीं गुं, —, रीं, गुं रीं — सां — |  
 तो S S S र S हि S द्वा S, S, S, S र S पै S |  
 २

ध नि सां रीं, गुं, रीं, — सां, —, नि ध, — म, —, ध नि, ध |  
 ना S S S, S, म, S जा, S, S S, S प, S, क S, रुं |  
 ०

ध री, —, ग, री री गु, —, री, सा नि — ध — — नि री री |  
 गा S, S, S, ऊं रे S, S, S, S ध्या S S S S न S म |  
 ३



## राग तोड़ी, ताल एकताल, लय द्रुत

आसान करो आसान  
सुर लय सधूं कैसो  
उलझ गयो बिच में॥  
शोक बढ्यो घोर  
म्यान बिना अब  
ठढ्यो रह्यो बिच में॥

### स्थायी

री ग | - ग री | सा - | प - | म ध नि | ध - ध |  
आ सा | ऽ न क | रो ऽ | आ ऽ | ऽ ऽ ऽ | सा ऽ न |  
० ३ ४ x ० २

री ग | - ग री | सा - | सा - | नि री सा | ध - ध |  
आ सा | ऽ न क | रो ऽ | आ ऽ | ऽ ऽ ऽ | सा ऽ न |  
० ३ ४ x ० २

री ग री | री ग री | सा - | प - | म ध नि | ध - ध |  
आ सा ऽ | ऽ न क | रो ऽ | आ ऽ | ऽ ऽ ऽ | सा ऽ न |  
० ३ ४ x ० २

नि ध | - म | ग री | री ग - | री - | सा - |  
सु र | ऽ ल | य स | धूं ऽ ऽ | कै ऽ | सो ऽ |  
० ३ ४ x ० २

सा री | ग ग | - ग ध म - | ध म | ध नि सा री |  
उ ल | ऽ झ | ऽ ग यो ऽ ऽ | बि च | में ऽ ऽ ऽ |  
० ३ ४ x ० २

### अंतरा

म ग - | - ग ग | म म | ध नि सा | - सा | - सा |  
शो ऽ ऽ | ऽ क ऽ | ऽ ब ङो ऽ ऽ | ऽ ङो | ऽ र |  
० ३ ४ x ० २



|      |    |  |   |    |  |    |    |  |     |   |  |    |    |  |     |     |  |
|------|----|--|---|----|--|----|----|--|-----|---|--|----|----|--|-----|-----|--|
| नि   | धु |  | - | नि |  | री | री |  | गुं | - |  | री | री |  | सां | सां |  |
| म्या | S  |  | S | न  |  | S  | बि |  | ना  | S |  | S  | S  |  | अ   | ब   |  |
| ०    |    |  | ३ |    |  | ४  |    |  | X   |   |  | ०  |    |  | २   |     |  |

|     |    |  |   |      |    |   |    |    |   |    |   |  |   |    |   |   |     |    |     |  |
|-----|----|--|---|------|----|---|----|----|---|----|---|--|---|----|---|---|-----|----|-----|--|
| सां | सा |  | - | सा   | री |   | गु | गु |   | धु | म |  | - | धु | म |   | धु  | नि | सां |  |
| ठा  | S  |  | S | ड्यो | S  |   | S  | र  |   | हो | S |  | S | बि | च |   | मैं | S  | S   |  |
| ०   |    |  | ३ |      |    | ४ |    |    | X |    |   |  |   | ०  |   | २ |     |    |     |  |



# राग तोड़ी, ताल तीन ताल, लय द्रुत

सागरा सब बन फूला है गा॥

बाबूला भी फूला रे

धवलो भी अरु पीलो भी है गा॥

स्थायी

— सां — सां म | धु — — — | — — धु म — | धु नि सां सां रीं सां |  
 S सा S गा S | रा S S S | S S सा S S | गा S S रा S S |  
 ३ x २ ०

— सां — सां म | धु — — — | धु म धु म धु नि सां सां |  
 S सा S गा S | रा S S S | स ब ब न फू S S ल |  
 ३ x २

रीं गुं गुं रीं सां नि धु प म ग री सा | सा — सां — सां म |  
 है S गा S S S S S S S S | S S सा S गा S |  
 ० ३

अंतरा

— म धु म — धु नि सां | सां — रीं सां | — सां रीं | गुं रीं सां रीं नि |  
 S बा S S S बु S S | ल S भी S | S S फू ल | रे S S S S |  
 ३ x २ ०

सां नि सां नि सां रीं — रीं सां | नि धु — गुं रीं गुं |  
 S ध S S S S S व S | लो S S भी S S |  
 ३ x

रीं सां धु नि सां | रीं गुं गुं रीं सां नि धु प म ग री सा |  
 अ रु पि लो भी | है S गा S S S S S S S S |  
 २ ०

सा सां — सां म |  
 S सा S गा S |  
 ३



# राग बिलासखानी, ताल एकताल, लय विलंबित

आजा रे घर  
कितक दिन बाट जोवत मैं बढ़ूँ रे॥  
जोवन धन भार सह्यो ना जाय मोहे  
शोक रंग छाये पिया रे॥

स्थायी

-----, सा -, गी गु, प धु | म ----- गु गी, गु गी, म -, ---- |  
S S S S S S, आ S, S जा, S S | रे S S S S S S, S S, S S, S S |  
४ X

गु गी, गु गी, गु -, ---- गु गी, ----, सा -, ---- | नि -, सा -, - गी, गु गी धु सा - सा |  
S S, S S, S S, S S घ S, S S, र S, S S | कि S, त S, S क, दि न बा S S ट |  
० २

सा - - - गी गु - गी - | गु म, - -, - -, गु प प धु, म -, गु गी, गु - |  
जो S S ब त S S S | मै S, S S, S S, ब S ठू S, S S, S S, S S |  
० ३

गु गी, - -, सा -, - - - - -, सा -, गी गु, प धु |  
रे S, S S, S S, S S S S, आ S, S जा, S S |  
४

अंतरा

-----, गु प, धु नि, धु - | सा - - - सा - - - |  
S S S S S S, जो ब, न ध, न S | भा S S S र S S S |  
४ X

सा - - - गी गुं गी नि धु | धु गुं, - गी, गीं मं -, गीं गुं - - - गीं -, सा - - - |  
स S S ह्यो ना S S S | जा S, S S, S S S, S S य S S मो S, हे S S S |  
० २

गु -, - -, प -, धु सां नि नि धु, -, म, - म |  
शो S, S S, क S, रं S ग S छा S S S य |  
०

गु री, गु प, धु - , - -    म - , - - , गु री, गु - |  
 पि ऽ, या ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ    ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ  
 ३

गु री, - - , सा - , - -    - - , सा - , री गु, प धु . |  
 रे ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ    ऽ ऽ, आ ऽ, ऽ जा, ऽ ऽ  
 ४



# तराणा, राग बिलासखानी, ताल एकताल, लय द्रुत

देरना देरना देरना  
 तन दीम् तदीम् तनोम्  
 तनन देरना दानी ॥  
 यललोम् यललोम् यल  
 यललि यललि यलि यललले  
 यलले देरना दानी ॥

## स्थार्द्ध

|    |    |     |   |    |    |     |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|-----|---|----|----|-----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ग  | प  | - ध | म | -  | -  | री  | -  | ग  | री | सा | -  | सा | सा | री |
| दे | ५  | ५   | र | ना | ५  | ५   | दे | ५  | र  | ना | दे | ५  | र  | ना |
| ४  |    |     |   | X  |    | ०   | २  |    |    | ०  |    |    | ३  | ५  |
| ग  | प  | - ध | म | -  | -  | री  | -  | ग  | री | सा | -  | सा | सा | -  |
| दे | ५  | ५   | र | ना | ५  | ५   | दे | ५  | र  | ना | दे | ५  | र  | ना |
| ४  |    |     |   | X  |    | ०   | २  |    |    | ०  |    |    | ३  | ५  |
| री | नि | सा  | - | -  | सा | री  | ग  | -  | ग  | -  | ग  | ग  | म  | -  |
| त  | न  | दी  | ५ | ५  | म् | त   | दी | ५  | ५  | ५  | म् | त  | नो | ५  |
| ४  |    | X   |   | ०  |    | २   |    |    |    | ०  |    |    | ३  | ५  |
| -  | -  | म   | ग | प  | ध  | सां | नि | ध  | म  | -  | री | -  | सा |    |
| ५  | ५  | ५   | त | न  | न  | दे  | ५  | रे | ना | ५  | दा | ५  | नी |    |
| ४  |    |     | X |    | ०  |     | २  |    |    | ०  |    |    | ३  |    |

## अंतरा

|     |    |    |     |     |     |     |     |     |     |    |    |     |     |     |
|-----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|----|-----|-----|-----|
| ग   | प  | ध  | -   | ध   | नि  | ध   | सां | -   | सां | -  | -  | सां | सां | सां |
| य   | ल  | लो | ५   | म्  | य   | ल   | लो  | ५   | ५   | ५  | ५  | ५   | म्  | य   |
| ४   |    | X  |     | ०   |     | २   |     |     |     | ०  |    |     | ३   | ५   |
| रीं | नि | ध  | सां | सां | सां | रीं | गं  | रीं | नि  | ध  | म  |     |     |     |
| य   | ल  | लि | य   | ल   | लि  | य   | लि  | य   | ल   | ल  | ले |     |     |     |
| ४   |    | X  |     | ०   |     | २   |     | ०   |     | ३  |    |     |     |     |
| -   | -  | ग  | प   | ध   | सां | नि  | ध   | म   | -   | री | -  | सा  |     |     |
| ५   | ५  | य  | ल   | ले  | दे  | ५   | रे  | ना  | ५   | दा | ५  | नी  |     |     |
| ४   |    | X  |     | ०   |     | २   |     |     | ०   |    |    | ३   |     |     |

## राग भैरव, ताल सादरा, लय ठाय

शोभे जटा तेरो है, दानी महा तू भोला रे,  
नाम पुकारूँ भेरुजी॥  
घुंघरा बांधे झूमे हो,  
डमरू बजावो जोगी जी॥

### स्थायी

— ग — म म प, म — | प म, — — — | ग — म — ग री री सा | ग — री सा |  
३ शो ३ भे ३ ३, ज ३ | टा ३, ३ ३ ३ | ३ ३ ३ ३ ते ३ रो ३ | है ३ ३ ३ |  
३ x २ ०

—, नि ध्रु —, नि सा — री | ग — — — | ग म, — —, ग म प म | म — — — |  
३, दा ३ ३, नी ३ ३ म | हा ३ ३ ३ | तू ३, ३ ३, ३ ३ ३ भो ला | रे ३ ३ ३ |  
३ x २ ०

— ग — म ध्रु प | प ध्रु, — प म, — | म प, — म ग, — म ध्रु प ध्रु |  
३ ना ३ म ३ पु | का ३, ३ ३ ३, ३ | रु ३, ३ ३ ३, ३ भे ३ रु ३ |  
३ x २

म प म — ग री सा — |  
जी ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ |  
०

### अंतरा

— ग — म — नि ध्रु — | ध्रु नि सां — — — | सां — — — ध्रु नि | सां रीं रीं, सां — — |  
३ घुं ३ घ ३ रा ३ ३ | बां ३ ३ ३ ३ ३ ३ | धे ३ ३ ३ ३ झू मे | हो ३ ३, ३ ३ ३ |  
३ x २ ०

— सां ध्रु प — म | नि — ध्रु — | प — म ग, — म ध्रु प ध्रु |  
३ ड म रु ३ ब | जा ३ ३ ३ | बो ३ ३ ३, ३ जो ३ गी ३ |  
३ x २

म प म — ग री सा — |  
जी ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ |  
०



## राग भैरव, ताल झपताल, लय मध्य

रवि के करम है रे, मन घेज्यो है ज्यो है  
फिरे चक्र इतते उतते, कज्यो है आरोही रे॥  
खिल्यो है अब आजाये, वीरायेगा मेहेकायेगा  
वसंता रितु राजा यो, कज्यो है आरोही रे॥

### स्थायी

— — — सा | प — ग — | म — — ग म ध प — | प नि — — ध — |  
S S S र | वि S S S | के S S S क S S S | र S S S म S |  
३ X २ ०

म ग  
प — ग म री — सा, सा सा | ध नि — — ध — | सा — — नि री सा | ग — म — |  
है S S S रे S S, म न | धे S S S S S | ज्यो S S S है S | ज्यो S S S |  
३ X २ ०

री — सा — म म | म — — — | म — — ग ध प | नि — ध — |  
है S S S फि रे | च S S S | क्र S S S इ त | ते S S S |  
३ X २ ०

नि म म म  
सा सा — ध प म | नि — ध — | प — ग — ध — | प — ग, म प म |  
उ त S ते S क | ज्यो S S S | है S S S आ S | रो S S, S S S |  
३ X २ ०

ग ग  
री सा — री सा सा |  
ही S S रे S र |  
३

### अंतरा

— — — ग | म — — — | ध — प — नि ध | सा — — — |  
S S S खि | ल्यो S S S | है S S S अ ब | आ S S S |  
३ X २ ०

ध. सा - - - ध नि सां रीं, सां रीं | सां - सां नि रीं सां |  
 ये ङ ङ ङ गा ङ ङ ङ, मे हे का ङ ङ ङ ङ ङ |  
 ३ ०

नि ध - - प - ग | ध - प - | नि - ध - सां सां | नि - ध -  
 ये ऽ ऽ गा ऽ ब | सं ऽ ऽ | ता ऽ ऽ रि तु | रा ऽ ऽ  
 ३ x ३ ०

म प - म, ध्र प म ग, म लि - ध्र - प - ग - ध्र - प - ग, म प म  
जा ऽ ऽ, यो ऽ ऽ, क यो ऽ ऽ है ऽ ऽ आ ऽ रो ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ

ग                      ग

री सा - री सा, सा

ही ङ ङ रे ङ, र

३



## तराणा, राग भैरव, ताल एकताल, लय द्रुत

देम् दारा देम् दानी  
उदानी दानी देरे, नारे तारे दानी रे॥  
दे देना देरे ना दीम्, ताना तना रे  
दारे दरे, तारे दरे, दानी दरे॥

## स्थायी

|     |    |   |     |     |    |    |      |      |     |    |   |     |     |     |     |     |    |   |   |  |
|-----|----|---|-----|-----|----|----|------|------|-----|----|---|-----|-----|-----|-----|-----|----|---|---|--|
| प   | म  |   | — म | ग   | री |    | — सा | म    | —   |    | — | — म | म   | ध्र | प   | ध्र |    |   |   |  |
| दे  | ॐ  |   | ॐ   | म्  | दा | ॐ  | ॐ    | रा   | दे  | ॐ  |   | ॐ   | ॐ   | म्  | दा  | ॐ   | नी | ॐ |   |  |
| ॐ   |    |   | ३   |     | ४  |    |      | ५    |     | ०  |   |     |     | २   |     |     |    |   |   |  |
| म   | प  | म |     | — म | ग  | री |      | — सा | म   | —  |   | —   | — म | ॐ   | ॐ   |     | ॐ  | ॐ |   |  |
| दे  | ॐ  | ॐ |     | ॐ   | म् | दा | ॐ    | ॐ    | रा  | दे | ॐ |     | ॐ   | ॐ   | म्  | ॐ   | ॐ  | ॐ |   |  |
| ॐ   |    |   |     | ३   |    | ४  |      | ५    |     | ०  |   |     |     | २   |     |     |    |   |   |  |
| ध्र | नि |   | सा  | री  |    | ग  | री   |      | ग   | —  |   | ग   | म   | ग   | म   |     | म  | प | — |  |
| उ   | दा |   | नी  | दा  |    | नी | दे   |      | रे  | ॐ  |   | ना  | ॐ   | ॐ   | ॐ   |     | रे | ॐ | ॐ |  |
| ॐ   |    |   | ३   |     | ४  |    |      | ५    |     | ०  |   |     |     |     |     |     | २  |   |   |  |
| ध्र | प  |   | ध्र | नि  |    | नि | ध्र  |      | सां | नि |   | री  | —   |     | सां | —   |    | — | — |  |
| ता  | ॐ  |   | ॐ   | रे  | ॐ  | ॐ  | ॐ    |      | दा  | ॐ  |   | नी  | ॐ   |     | रे  | ॐ   |    | ॐ | ॐ |  |
| ॐ   |    |   | ३   |     |    |    |      | ४    |     | ५  |   | ०   |     |     | २   |     |    |   |   |  |

## अंतरा

|     |    |  |     |    |     |     |    |    |     |     |    |    |     |   |     |     |    |     |     |     |  |
|-----|----|--|-----|----|-----|-----|----|----|-----|-----|----|----|-----|---|-----|-----|----|-----|-----|-----|--|
| ग   | —  |  | म   | प  |     | ध्र | नि |    | ध्र | नि  | —  |    | सां | — | सां |     | —  | —   |     |     |  |
| दे  | ॐ  |  | दे  | ना |     | दे  | रे |    | ना  | ॐ   | ॐ  |    | दी  | ॐ | म्  |     | ॐ  | ॐ   |     |     |  |
| ॐ   |    |  | ३   |    | ४   |     |    | ५  |     | ०   |    |    | २   |   |     |     |    |     |     |     |  |
| सां | —  |  | —   | नि | ध्र |     | —  | प  | म   | —   |    | प  | म   | ग | म   |     | प  | ध्र | नि  | सां |  |
| ता  | ॐ  |  | ॐ   | ना | ॐ   |     | ॐ  | त  | ना  | ॐ   |    | रे | ॐ   | ॐ | ॐ   |     | ॐ  | ॐ   | ॐ   | ॐ   |  |
| ॐ   |    |  | ३   |    | ४   |     |    | ५  |     | ०   |    |    | २   |   |     |     |    |     |     |     |  |
| —   | ग  |  | —   | म  |     | —   | प  |    | म   | —   |    | —  | प   |   | —   | ध्र |    | —   | ध्र |     |  |
| ॐ   | दा |  | ॐ   | रे |     | ॐ   | द  |    | रे  | ॐ   |    | ॐ  | ता  |   | ॐ   | रे  |    | ॐ   | ॐ   |     |  |
| ॐ   |    |  | ३   |    | ४   |     |    | ५  |     | ०   |    |    | २   |   |     |     |    |     |     |     |  |
| —   | नि |  | ध्र | —  |     | —   | नि |    | —   | सां |    | —  | री  |   | सां | —   |    | —   | ॐ   |     |  |
| ॐ   | द  |  | ॐ   | रे | ॐ   |     | ॐ  | दा |     | ॐ   | नी |    | ॐ   | द |     | ॐ   | रे |     | ॐ   | ॐ   |  |
| ॐ   |    |  | ३   |    | ४   |     |    | ५  |     | ०   |    |    | २   |   |     |     |    |     |     |     |  |

## राग रतिभैरव, ताल त्रिताल, लय मध्य ठाय

अरुण आके किरण रंग फेक्यो री  
भूमरी ये हैंस हैंस उछायो री॥  
भावरा गान राग बन गुंजे हो  
राज दरबार कमल दल जाग्यो री॥  
बावराग्यो सब अलिमन फूल्यो  
बोलन लागी कोयलिया री॥

स्थायी

नि सा ग म म ग री - सा ग म - प ध प प - - म म प ग म  
३ अ ३ रु ण आ ३ के कि ३ ३ ३ र ण ३ रं ग फे ३ ३ ३ क्यो री ३ ३ ३  
३ x ३ ०

ग री - सा ध - नि सा ग म म ग री - सा ग म - प ध प प - - म प  
३ ३ ३ ३ अ ३ रु ण आ ३ के कि ३ ३ ३ र ण ३ रं ग फे ३ ३ ३ क्यो री  
३ x ३ ०

ग म - प ध नि सां - सां नि रीं सां नि गं रीं सां ध नि प - म म प ग म  
३ भू ३ म री ये ३ ३ हैं स हैं स उ छा ३ ३ ३ ३ ३ यो री ३ ३ ३ ३  
३ x ३ ०

ग री - सा ध - नि सा  
३ ३ ३ ३ अ ३ रु ण  
३

अंतरा १

- म - प ध नि सां - सां सां - सां नि - रीं सां गं रीं सां ध नि प -  
३ भा ३ व रा गा ३ ३ न रा ३ ग ३ ३ व न गुं ३ जे हो ३ ३ ३  
३ x ३ ०

अनूपराग बिजस : १५



म म - म प म | प - प सा | ग म - प ध | प प - म म प ग म |  
 ऽ रा ऽ ज द र | बा ऽ र क | म ल ऽ द ल | जा ऽ ऽ म्यो री ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x २ ०

नि  
 ग री सा - ध - नि सा |  
 ऽ ऽ ऽ ऽ अ ऽ रु ण |  
 ३

## अंतरा २

- म - प ध | नि सां - सां सां - सां नि - रीं सां | गं रीं सां ध नि प - |  
 ऽ वा ऽ व रा | म्यो ऽ ऽ स व | ऽ अ लि ऽ म न | फू ऽ ल्यो ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x २ ०

- म - - प ध - | नि सां - ध प | - ग - - म प | ध प म प ग म ग री - |  
 ऽ वो ऽ ऽ ल न ऽ | ला ऽ ऽ गी ऽ | ऽ को ऽ ऽ य लि | या ऽ ऽ ऽ ऽ री ऽ |  
 ३ x २ ०

सा - ध - नि सा |  
 ऽ ऽ अ ऽ रु ण |  
 ३

# राग रामकली, ताल आडाचीताल, लय विलंबित

सबु मैं कै जानुरी, हौं री हौं री

अगम रूप, ज्ञान ध्यान धरूं पार न पायोरी॥

राग-सुर बोध, साच अति कठिन, बिकट ताल लय वाट सो  
पार न पायोरी॥

स्थायि

सा - ग - - म नि धु | प - - - |  
स ऽ बु ऽ ऽ मैं कै ऽ | जा ऽ ऽ ऽ |  
० x

म प - -, म ग - - | ग म - -, प म - - | म प - - - - - |  
स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ नु ऽ स ऽ | री ऽ स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ |  
२ ०

प ग म - म - | प ग - - म प म -, ग म | ग री सा - धु नि सा - |  
हौं ऽ स ऽ स ऽ री ऽ | हौं ऽ स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ री ऽ स ऽ स ऽ अ ग म ऽ |  
३ ० ४

- ग म म | प ग म - - - | म - प म प - |  
स रु ऽ प | म्या ऽ स ऽ स ऽ स ऽ | न ऽ ध्या ऽ स ऽ स ऽ १  
० x २

धु -, नि धु - - धु प - -, म - - - | म प - -, म ग - - म नि - - |  
स ऽ, स ऽ स ऽ स ऽ न ऽ स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ स ऽ | धु ऽ स ऽ स ऽ, रुं ऽ स ऽ स ऽ पा ऽ स ऽ स ऽ |  
० ३

धु प प म म प - -, म ग - - | म प म -, ग म ग री सा - |  
र ऽ न ऽ पा ऽ स ऽ स ऽ, स ऽ स ऽ स ऽ | यो ऽ स ऽ स ऽ, स ऽ री ऽ स ऽ स ऽ |  
० ४

अनूपरागविलस : १७





# राग रामकली, ताल त्रिताल, लय द्रुत

कलियन सोहायोरी हार गुंथाऊ सुघर

जाऊंगी लै पास पियाके॥

दैखुंगी रंगीला गरे डारे

सुभ घरी सुभ दिन

सुभ महरत वन ठन के॥

स्थायी

|         |  |           |  |           |  |                |  |
|---------|--|-----------|--|-----------|--|----------------|--|
| — — — प |  | म ग री सा |  | सां — — — |  | ध्रु — नि ध्रु |  |
| ५ ५ ५ क |  | लि य न सो |  | हा ५ ५ ५  |  | ५ ५ ५ यो       |  |
| ०       |  | ३         |  | X         |  | २              |  |

|            |  |           |  |          |  |                  |  |
|------------|--|-----------|--|----------|--|------------------|--|
| प म ग म प  |  | म ग री सा |  | प — म —  |  | प — ध्रु नि ध्रु |  |
| री ५ ५ क ५ |  | लि य न सो |  | हा ५ ५ ५ |  | ५ ५ ५ ५ यो       |  |
| ०          |  | ३         |  | X        |  | २                |  |

|            |  |           |  |           |  |                  |  |
|------------|--|-----------|--|-----------|--|------------------|--|
| प म ग म प  |  | म ग री सा |  | सां — प म |  | प — ध्रु नि ध्रु |  |
| री ५ ५ क ५ |  | लि य न सो |  | हा ५ ५ ५  |  | ५ ५ ५ ५ यो       |  |
| ०          |  | ३         |  | X         |  | २                |  |

|            |  |           |  |           |  |                          |  |
|------------|--|-----------|--|-----------|--|--------------------------|--|
| प म ग म प  |  | म ग री सा |  | सां — — — |  | — नि ध्रु नि ध्रु ध्रु प |  |
| री ५ ५ क ५ |  | लि य न सो |  | हा ५ ५ ५  |  | ५ ५ ५ ५ ५ यो ५           |  |
| ०          |  | ३         |  | X         |  | २                        |  |

|           |  |           |  |             |  |                   |  |
|-----------|--|-----------|--|-------------|--|-------------------|--|
| प म ग ग   |  | — म — म   |  | नि ध्रु — — |  | प ध्रु प ध्रु प म |  |
| री ५ ५ हा |  | ५ र ५ गुं |  | था ५ ५ ५    |  | ऊ ५ ५ ५ सु ष      |  |
| ०         |  | ३         |  | X           |  | २                 |  |

|          |  |                |  |              |  |                        |  |
|----------|--|----------------|--|--------------|--|------------------------|--|
| म — — प  |  | म ध्रु प म ग म |  | नि ध्रु — नि |  | ध्रु नि सां —          |  |
| र ५ ५ जा |  | ५ ऊं ५ ५ ५     |  | गी ५ ५ ५     |  | ५ ५ ५ पा ५ ५ ५ पि या ५ |  |
| ०        |  | ३              |  | X            |  | २                      |  |

|                      |  |           |  |           |  |                |  |
|----------------------|--|-----------|--|-----------|--|----------------|--|
| री सां नि ध्रु प म प |  | म ग री सा |  | सां — — — |  | ध्रु — नि ध्रु |  |
| के ५ ५ ५ ५ ५ क       |  | लि य न सो |  | हा ५ ५ ५  |  | ५ ५ ५ यो       |  |
| ०                    |  | ३         |  | X         |  | २              |  |

अनूपरागविलास : १९



प म ग म प |  
 री ऽ ऽ क ऽ |  
 ०

## अंतरा

- - - ग | - म नि ध्रु | नि सां - - - | सां - नि ध्रु |  
 ऽ ऽ ऽ दै | ऽ खुं गी रं | गी ऽ ऽ ऽ ऽ | ला ऽ ग रे |  
 ० ३ x २

ध्रु नि सां रीं सां म | - म - म | प - - म | - म - म |  
 ला ऽ ऽ ऽ रे सु | ऽ म ऽ घ | री ऽ ऽ सु | ऽ म ऽ दि |  
 ० ३ x २

नि ध्रु - म | - म - म | नि ध्रु नि सां | नि ध्रु नि सां |  
 न ऽ ऽ सु | ऽ म ऽ म | हू ऽ र त | व न ठ न |  
 ० ३ x २

रीं सां नि ध्रु प म प | म ग री सा |  
 के ऽ ऽ ऽ ऽ क | लि य न सो |  
 ० ३

# राग बिभास, ताल एकताल, लय द्रुत

है आन मेरो  
तुमि सो गुनीजन सो  
अब जो कहू ध्यान दो॥  
सुर लै बहु रूप रे  
रागन सो साथ लै  
समझो कुछ ध्यान दो॥

## स्थायी

|      |    |    |   |   |    |      |    |   |   |      |    |   |
|------|----|----|---|---|----|------|----|---|---|------|----|---|
| ध्रु | -  | -  | प | प | ग  | ग    | प  | - | - | -    | प  | - |
| है   | S  | S  | आ | S | S  | न    | मे | S | S | S    | रो | S |
| ०    |    | ३  |   |   | ४  |      | X  |   | ० |      | २  |   |
| ग    | री | सा | - | - | सा | ग    | -  | प | प | ध्रु | प  |   |
| तु   | मि | सो | S | S | गु | नी   | S  | ज | न | सो   | S  |   |
| ०    |    | ३  |   | ४ |    | X    |    | ० |   | २    |    |   |
| सा   | री | ग  | - | प | प  | ध्रु | -  | - | प | प    | ग  |   |
| अ    | ब  | जो | S | क | हू | ध्या | S  | S | न | दो   | S  | S |
| ०    |    | ३  |   | ४ |    | X    |    | ० |   | २    |    |   |
| ध्रु | -  | -  | प |   |    |      |    |   |   |      |    |   |
| है   | S  | S  | आ |   |    |      |    |   |   |      |    |   |
| ०    |    | ३  |   |   |    |      |    |   |   |      |    |   |

## अंतरा

|      |    |     |     |      |    |      |     |   |      |     |   |   |
|------|----|-----|-----|------|----|------|-----|---|------|-----|---|---|
| प    | ग  | प   | -   | ध्रु | प  | सां  | -   | - | सां  | सां | - |   |
| सु   | र  | ले  | S   | व    | हु | रू   | S   | S | प    | रे  | S |   |
| ०    |    | ३   |     | ४    |    | X    |     | ० |      | २   |   |   |
| सां  | -  | रीं | सां | गं   | -  | रीं  | सां | - | ध्रु | प   | - |   |
| रा   | S  | ग   | न   | सो   | S  | सा   | S   | S | थ    | लै  | S |   |
| ०    |    | ३   |     | ४    |    | X    |     | ० |      | २   |   |   |
| सा   | सा | ग   | -   | प    | प  | ध्रु | -   | - | प    | प   | ग |   |
| स    | म  | झो  | S   | क    | छु | ध्या | S   | S | न    | दो  | S | S |
| ०    |    | ३   |     | ४    |    | X    |     | ० |      | २   |   |   |
| ध्रु | -  | -   | प   |      |    |      |     |   |      |     |   |   |
| है   | S  | S   | आ   |      |    |      |     |   |      |     |   |   |
| ०    |    | ३   |     |      |    |      |     |   |      |     |   |   |



# राग ललित, ताल एकताल, लय द्रुत

नैना भरायोरी  
नींद उघायो जब रात हि  
तव पिया पास ना देखायोरी॥  
मै काँ करू अब  
शोक पिया के बिछुरन सन मोहे  
हाय हाय कुछ ना देखायोरी॥

## स्थायी

|    |   |   |   |    |  |   |   |   |  |    |   |   |   |  |    |    |  |
|----|---|---|---|----|--|---|---|---|--|----|---|---|---|--|----|----|--|
| म  | ग | - | - | ग  |  | म | ध | म |  | ध  | - | म | म |  | म  | म  |  |
| नै | ॐ | ॐ | ॐ | ना |  | ॐ | ॐ | म |  | रा | ॐ | ॐ | ॐ |  | यो | री |  |
| ०  |   |   |   | ३  |  | ४ |   | ४ |  | X  |   | ० |   |  | २  |    |  |

|    |   |   |   |   |   |   |   |    |   |   |    |   |      |   |   |   |   |
|----|---|---|---|---|---|---|---|----|---|---|----|---|------|---|---|---|---|
| म  | - | - | म | म |   | - | ग | री |   | म | -  | ग | -    | ग | म | ध |   |
| नी | ॐ | ॐ | ॐ | द | ॐ |   | ॐ | उ  | ॐ |   | घा | ॐ | ज्यो | ॐ | ज | ब | ॐ |
| ०  |   |   |   | ३ |   | ४ |   | ४  |   | X |    | ० |      | २ |   |   |   |

|    |   |   |   |   |   |   |   |    |  |   |   |    |   |    |     |   |
|----|---|---|---|---|---|---|---|----|--|---|---|----|---|----|-----|---|
| म  | ध | - | म | - | म | म | ग | ग  |  | म | ध | म  | ध | नि | सां |   |
| रा | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | त | हि |  | त | ब | पि | ॐ | या | पा  | ॐ |
| ०  |   |   |   | ३ |   | ४ |   | X  |  | ० |   |    | २ |    |     |   |

|   |    |  |     |    |  |   |   |   |  |    |   |   |   |  |    |    |  |
|---|----|--|-----|----|--|---|---|---|--|----|---|---|---|--|----|----|--|
| - | नि |  | रीं | नि |  | ध | ध | म |  | ध  | - | म | म |  | म  | म  |  |
| ॐ | स  |  | ॐ   | ना |  | ॐ | ॐ | ॐ |  | खा | ॐ | ॐ | ॐ |  | यो | री |  |
| ० |    |  | ३   |    |  | ४ |   | ४ |  | X  |   | ० |   |  | २  |    |  |

## अंतरा

|    |   |   |   |     |   |   |   |    |    |     |  |   |     |  |   |     |  |
|----|---|---|---|-----|---|---|---|----|----|-----|--|---|-----|--|---|-----|--|
| ग  | - | - | म |     | ध | म |   | ध  | नि | सां |  | - | सां |  | - | सां |  |
| मै | ॐ | ॐ | ॐ | काँ |   | ॐ | क | रू | ॐ  | ॐ   |  | ॐ | अ   |  | ॐ | ब   |  |
| ०  |   |   | ३ |     | ४ |   | ४ | X  |    | ०   |  | ० |     |  | २ |     |  |

|     |   |   |     |   |   |     |    |    |   |   |   |   |  |   |    |   |  |
|-----|---|---|-----|---|---|-----|----|----|---|---|---|---|--|---|----|---|--|
| सां | - | - | सां |   | - | रीं |    | नि | ध |   | म | ध |  | ध | म  | म |  |
| शो  | ॐ | ॐ | ॐ   | क |   | ॐ   | पि | या | ॐ |   | ॐ | ॐ |  | ॐ | के | ॐ |  |
| ०   |   |   | ३   |   | ४ |     | ४  | X  |   | ० |   | ० |  | २ |    |   |  |

म म | म म | म म म ग ग | म ध म म | ध नि सां सां |  
 बि छु र न | स ऽ न मो हे | हा ऽ ऽ य | हा ऽ ऽ य |  
 ० ३ ४ x ० २

सां सां | - नि | रीं नि | ध ध म | ध - | म म |  
 क छु ऽ ना | ऽ दे | खा ऽ ऽ | ऽ ऽ | यो री |  
 ० ३ ४ x ० २



# राग अल्हैया बिलावल, ताल एकताल, लय विलंबित

भोला रे बना मेरो, मन हर लीनो  
वनरी के भाग आजै उजारे हो॥  
व्याघ्राम्बर पैरे, उरनर माला  
नंदी पर बैठे, पधान्या हो॥

स्थायी

प म ग -, ग, -, म नि - ध ध प, -, - - ग प, - ध  
भो ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ ल ऽ, ऽ, ऽ ऽ रे ऽ, ऽ ब  
४

प, -, -, ग प प म म -, ग, म री, -  
ना, ऽ, ऽ, ऽ ऽ मे ऽ ऽ ऽ, रो, ऽ, ऽ, ऽ  
x

सा -, - री, ग -, री - ग प, म ग, म री, सा -  
म ऽ. ऽ न, ह ऽ, र ऽ ली ऽ, नो ऽ, ऽ, ऽ, ऽ  
०

सा री, ग री, ग प, - - -, ध ग, प, प  
ब न, री ऽ, के ऽ, ऽ ऽ ऽ, भा ऽ, ऽ, ग  
२

प नि, - ध, नि -, सां - सां, -, -, सां  
आ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ जे, ऽ, ऽ, उ  
०

रीं सां सां -, ध -, ध नि प -, - - - ध ध प, प प म ग, ग -, - -  
जा ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, रे ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ हो ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ  
३

अंतरा

सा ग, - री, ग प, - प - -, प नि, ध नि, सां -  
व्या ऽ, ऽ, ऽ, आ ऽ, ऽ, ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ  
४

२४ : अनूपरागविलास

सां - - -    ध नि, सां री, सां - - - |  
 पे ऽ ऽ ऽ    ऽ ऽ, ऽ ऽ, रे ऽ, ऽ ऽ  
 x

सां सां, - -, सां गं - री, गं मं    गं - , मं री, सां - , - - |  
 उ ऽ, ऽ ऽ, र ऽ ऽ ऽ, न र    मा ऽ, ऽ ऽ, ला ऽ, ऽ ऽ  
 ०

प - , प री, सां ध, नि प    - -, प प, ध ध, प म ग - |  
 ने ऽ, ऽ ऽ, दी ऽ, ऽ ऽ    ऽ ऽ, प ऽ, ऽ ऽ, र ऽ ऽ ऽ  
 २

प नि, - ध, नि - , सां -    सां, - , - , सां |  
 वै ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ    ठे, ऽ, ऽ, प  
 ०

रीं सां सां - , ध - - - , ध नि प - , - - -    - ध ध प, प प म ग, ग - , - - |  
 धा ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ, व्या ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ    ऽ हो ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ  
 ३



# राग अल्हैया बिलावल, ताल त्रिताल, लय द्रुत

बाजे रे बाजे डमरूवा  
सुघर ताल कर आघात॥  
उगम हैगा ई में सबुरे  
सुर अंछर मिल कर आघात॥

स्थायी

— ध नि ध नि सां नि | रीं सां सां — — — |  
S बा S S जे S S | रे S S S S S S |  
३ X

सां सां ध नि ध ग | प ध प प म |  
S S S S बा जे | ड म रू वा S |  
२ ०

ग ग ध नि ध नि सां नि | रीं सां सां — — — |  
S S बा S S जे S S | रे S S S S S S |  
३ X

सां सां ध नि ध ग | प ध प प म म ग |  
S S S S बा जे | ड म S रू S वा S |  
२ ०

म  
ग ध प म | ग — री — | सा — प ध ग | ग प ग प नि ध नि सां |  
S सु घ र | ता S S S | ल S क S र | आ S S घा S S त S |  
३ X २ ०

नि नि — सां सां |  
S बा S जे S |  
३

अंतरा

— प प नि ध नि | सां — — — | सां नि नि ध नि सां | रीं सां — ध नि |  
S उ S ग S म | है S S S | गा S S S ई में | स बु S रे S |  
३ X २ ०

२६ : अनूपरागविलास

ग नि ध प | म ग - म री | सा - प ध ग | ग प ग प नि ध नि सां |  
 S सु र अं छ र S S मि ल S क ङ र आ S S घा S S त S |  
 ३ x २ ०

नि नि - सां - |  
 S वा S जे S |  
 ३



# राग कुकुभ बिलावल, ताल त्रिताल, लय मध्य

बुहारूँ आँगनुवा री  
मोरा पिया पधारे हो॥  
जौना बनाउ मैं सोद की  
आली मोरा जिया लुभाये हो॥

## स्थायी

— — — ग प | म — — ग | री री ग सा | सा — ग री — |  
ॡ ॡ ॡ बु ॡ | हा ॡ ॡ रू | ॡ आँ ग नु | वा ॡ ॡ ॡ ॡ |  
२ ० ३ X

री ग — — नि | सा — — सा ग | री ग — — री ग | ग प — ध प ध |  
री ॡ ॡ ॡ मो | रा ॡ ॡ पि ॡ | या ॡ ॡ ॡ प ॡ | धा ॡ ॡ रे ॡ ॡ |  
२ ० ३ X

प म म — ग री ग प |  
हो ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ बु ॡ |  
२

## अंतरा

— — — प | — ध ग ग | प — प नि — | सां — — सां |  
ॡ ॡ ॡ जी | ॡ ना ॡ ब | ना ॡ उ मैं ॡ | सो ॡ ॡ द |  
२ ० ३ X

सां सां ध नि प प | — ध ग ग | प — प नि — | ध नि सां रीं सां सां सां |  
की ॡ ॡ ॡ ॡ जी | ॡ ना ॡ ब | ना ॡ उ मैं ॡ | सो ॡ ॡ ॡ द ॡ ॡ |  
२ ० ३ X

ध नि प ग म ध प | म ग री नि | सा — ग री ग | प — ध प ध |  
की ॡ ॡ आ ॡ ली ॡ | मो रा ॡ जि | या ॡ लु ॡ ॡ | भा ॡ ये ॡ ॡ |  
२ ० ३ X

प म म — ग री ग प |  
हो ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ बु ॡ |  
२

# राग कुकुभ बिलावल, ताल त्रिताल, लय द्रुत

मै तो लुभाय आय गयोरी  
बतिया बनाय मोहाय सोहायोरी॥  
नीको नीकोरी सोभाव  
नैना झुकाय लजाय बोलायोरी॥

## स्थायी

— री ग सा | ग री — — — री | री ग — ग म प | म — ग — |  
३ मै तो लु भा ३ ३ ३ ३ य आ ३ ३ य ग यो री ३ ३ ३

म री ग री सा | ग री — — — री | री ग — ग म प | म — ग ग |  
३ मै तो लु ३ भा ३ ३ ३ ३ य आ ३ ३ य ग यो री ३ ३ व

री म ग प प | ध नि सां सां — सां — | ध नि प — प प ध |  
३ या ३ ३ व ना ३ ३ य ३ मो ३ हा ३ ३ य सो ३

प प — म — ग म |  
हा ३ ३ यो ३ री ३

ग म री ग सा |  
३ ३ मै तो लु

## अंतरा

— प प नि ध नि | सां — — — | नि सां नि रीं — | सां — ध नि प प |  
३ नी ३ को ३ नी को ३ ३ ३ री ३ ३ सो ३ भा ३ ३ ३ ३ व

— प प नि ध नि | सां — — — | नि सां नि रीं — | सां सां ध नि प प ग |  
३ नी ३ को ३ नी को ३ ३ ३ री ३ ३ सो ३ भा ३ ३ ३ ३ व नै

अनूपरागविलास : २९



- ग म ग म री | ग प - - ग | प ध नि ध - प ध |  
 ऽ ना ऽ ऽ ऽ सु | का य ऽ ऽ ल | जा ऽ ऽ ऽ य बो |  
 ३ x २

ग प म - ग म |  
 ला ऽ यो ऽ री ऽ |  
 ०

ग म री ग सा |  
 ऽ ऽ मै तो लु |  
 ३

# राग देशकार, ताल त्रिताल, लय द्रुत

आ दिलवरा

अब नैना बाट जोहे

दरसन के मिलन सो रे॥

पूजा करूँ, टीका करूँ,

पाँव पखारूँ, उतारूँ दीयना रे॥

स्थायी

— सां — | सां ध सां ध प — | — प प ध ग | प — — — |  
 २ ० ३ x

प ध ध सां — | सां ध सां ध प — | — प प ध ग | प — — — |  
 २ ० ३ x

प ग — प ध प प | ग — री सा सा | — सा सा री ध | सा — — — |  
 २ ० ३ x

सा — सा री | ग प — ध | — ध सां ध प | सां ध — सां — |  
 २ ० ३ x

ध प प सां — |  
 २ ० ३

अंतरा

— प ग | प — — प | ध — सां ध | सां — — ध प |  
 २ ० ३ x

ध — प — | प प ग प ध प | ध — सां ध | सां — — ध प |  
 २ ० ३ x

अनूपराग विलस : ३१



|              |           |              |
|--------------|-----------|--------------|
| ध - सा सा    | सा री ग प | ध सां रीं गं |
| रू ऽ पाँ ऽ व | प खा रू उ | ता रू दि य   |
| २            | ०         | ३            |

|         |              |         |         |
|---------|--------------|---------|---------|
| सां सां | रीं गं रीं - | सां सां | ध प प - |
| ना ऽ    | ऽ ऽ ऽ ऽ      | रे ऽ    | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| x       |              |         |         |

|      |       |       |
|------|-------|-------|
| ग री | सा सा | सां - |
| ऽ ऽ  | ऽ ऽ   | आ ऽ   |
| २    |       |       |





# राग चैती बरवा, ताल त्रिताल, लय मध्य द्रुत

वारी जाऊँ रे बाला बरस  
करत तोरी अगवानी, सब कछू फूलै  
आँगन बाग बन बेलरिया हरखाई॥  
धरत पग पड़लो, पुलकिन कूक उठी अमराई,  
शोक मन मिट्यो, बीती गई सब बिसराई॥

स्थायी

— — — म — प नि सा — प ध प | प ध — — प म — म |  
५ ५ ५ बा ५ री ५ ५ ५ ५ जा ऊँ रे ५ ५ ५ ५ ५ ५ बा  
० ३ x

प ध ध — प — प — म गु री — गु |  
ल ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ व ५ ५ ५ र |  
२

सा री री — नि सा — री | नि सा — सा सा | री म प ध प गु री |  
स ५ ५ ५ ५ ५ ५ क र त ५ तो री | अ ग ५ ५ ५ वा ५ |  
० ३ x

गु री सा — नि सा री म |  
नी ५ ५ ५ स व क छु |  
२

म प — — प म — प नि ध ध प | सां सां सां नि सां रीं गुं रीं — |  
फू ५ ५ ५ ले आँ ५ ग ५ ५ न ५ वा ग व न वे ल ५ री ५ |  
० ३ x

सां — सां प ध |  
या ५ ह र ५ |  
२

सा  
म प गु री म |  
खा ५ ई ५ वा |  
०

## अंतरा

- - - री | प प नि सां - प ध प | नि सां सां - | रीं गुं रीं सां |  
 ऽ ऽ ऽ ध | र त ऽ ऽ ऽ ऽ प ग | पे उ ले ऽ | पु ल क न |  
 ० ३ x २

रीं - गुं रीं | सां - सां सां | सां रीं सां सां ध प | ध म - ध प |  
 कू ऽ क उ | ठी ऽ अ म | रा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ० ३ x २

प सां - सां म | - प - नि सां नि सां | रीं मं पं गुं रीं |  
 ऽ ऽ ऽ ई शो | ऽ क ऽ म न मि व्यो | बी ऽ ऽ ती ऽ |  
 ० ३ x

रीं सां नि सां प सां प ध |  
 ग ई स ब वि ऽ स ऽ |  
 २

म प ग री म |  
 रा ऽ ई ऽ बा |  
 ०



# राग हिंडोल, ताल एकताल, लय द्रुत

सोहे ना येरी

ये हो रूप जो बने समुझ ना परो री॥

तबसे ध्यान मेरी

लागेना का करूँ का कहूँ सखी री॥

स्थायी

— सा | ग म | सा | ग म | — | ग — | म सा | सा — |  
 ॐ सो | ॐ ॐ हे | ना ॐ ॐ | ॐ ॐ | ये ॐ | री ॐ |  
 ३ ४ x ० २ ०

सा ध सा | ग म | सा | ग म | — | ग — | म सा | सा — |  
 ॐ ॐ सो | ॐ ॐ हे | ना ॐ ॐ | ॐ ॐ | ये ॐ | री ॐ |  
 ३ ४ x ० २ ०

— ध | सा ध | सा ग | सा ग | म ग | म ध ध |  
 ॐ ये | ॐ हो | रू ॐ | प जो | ॐ ब | ने ॐ ॐ |  
 ३ ४ x ० २ ०

— सा | ग म | ध सां | — ध | म ग | म सा |  
 ॐ स | मु झ | ना ॐ | ॐ प | रो ॐ | री ॐ |  
 ३ ४ x ० २ ०

— सा |  
 ॐ सो |  
 ३

अंतरा

— सा | ग म | ध सां | — ध | सां | सां ध | — |  
 ॐ त | बु से | ध्या ॐ ॐ | ॐ न | मे ॐ | री ॐ ॐ |  
 ३ ४ x ० २ ०

— सा | ग सा | ग म | ग | — म | ध म | ध सां सां — ध |  
 ॐ ल | ॐ गे | ना ॐ ॐ | ॐ कां | ॐ क | रू ॐ ॐ ॐ ॐ |  
 ३ ४ x ० २ ०

|   |    |  |   |   |  |     |    |   |  |   |   |    |   |  |    |    |  |
|---|----|--|---|---|--|-----|----|---|--|---|---|----|---|--|----|----|--|
| — | सा |  | ग | म |  | ध   | सा | — |  | — | ध | म  | ग |  | म  | सा |  |
| S | का |  | S | क |  | खूँ | S  | S |  | S | स | खी | S |  | री | S  |  |
| ३ |    |  | ४ |   |  | X   |    |   |  | ० |   | २  |   |  | ०  |    |  |

|   |    |  |
|---|----|--|
| — | सा |  |
| S | सो |  |
| ३ |    |  |



# राग मधमाद सारंग, ताल त्रिताल, लय मध्य

अग्नि रंग फूला केसूला  
लाल रंग फूला केसूला  
मग में इत उत बारिल तरु मोहे॥  
भीम तरु ये भी, घेरो मन मेरो  
ऐसो रितुराज आवत बन सोहे॥

स्थायी

— — — सा नि | सा री म —, प नि प |  
ॐ ॐ ॐ अ ॐ | नि न ॐ ॐ रं ॐ ग |  
० ३

सां — नि प नि प | म री — नि सा |  
फू ॐ ला ॐ ॐ ॐ | ॐ ॐ ॐ के सू |  
x २

री प म म री नि | सा री म —, प नि प |  
ला ॐ ॐ ॐ ॐ ला | ॐ ल ॐ ॐ रं ॐ ग |  
० ३

सां — नि प नि प | म री — नि सा |  
फू ॐ ला ॐ ॐ ॐ | ॐ ॐ ॐ के सू |  
x २

री प म म री री | सा री नि सा — री म |  
ला ॐ ॐ ॐ ॐ म | ग ॐ में ॐ ॐ इ त |  
० ३

प नि प म म री — री | म प नि प नि सां री |  
ऊ ॐ त ॐ ॐ ॐ ॐ बा | री ल ॐ ॐ त रु ॐ |  
x २

सां सां नि नि प म म — री सा सा — नि |  
मो ॐ हे ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ अ |  
०

## अंतरा

— — — सां सां | — नि प — — म री |  
 ऽ ऽ ऽ भी ऽ | ऽ म ऽ ऽ ऽ त रू |  
 ० ३

री म — प नि — — री म | — प नि — सां नि प — — |  
 ये ऽ ऽ भी ऽ ऽ ऽ ये ऽ | ऽ रो ऽ ऽ म न ऽ ऽ ऽ |  
 x २

नि सां — नि सां रीं सां नि सां | रीं मं रीं — सां सां |  
 मे ऽ ऽ ऽ रो ऽ ऽ ऐ ऽ | ऽ ऽ सो ऽ रि तु |  
 ० ३

रीं सां सां — नि प री | म प नि —, सां रीं रीं सां |  
 रा ऽ ऽ ऽ ऽ ज आ | ब त ऽ ऽ, ब ऽ न ऽ |  
 x २

नि प — — म री — — नि |  
 सो ऽ ऽ ऽ हे ऽ ऽ ऽ अ |  
 ०



## रितु वंदना

शरद हेमंत शिशिर  
 यो रितु मिल संवाद  
 सुर लय संगत बखानू रे॥  
 सोहे हेमंत नाम पुकारूँ  
 करु गान रे सुमनवा  
 सुन सजनवा रे॥

### स्थायी

प नि सा | री - - सा सा - नि नि - - | री सा सा - - |  
 श र द | हे ऽ ऽ मं ऽ ऽ त ऽ ऽ ऽ | शि शि र ऽ ऽ |

ध नि  
 प - सा ध नि नि -, सा री - री |  
 यो ऽ रि तु मि ल ऽ, सं वा ऽ द |

ग सा  
 प री - -, सा री - नि, नि सा - सा, सा नि सा री ग म प ध प प म ग री |  
 सु र ऽ ऽ, ल य ऽ ऽ, सं ग ऽ त, व खा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ नू ऽ ऽ |

री ग - सा री - नि सा - |  
 रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |

### अंतरा

सा म ग री - | सा सा री - री |  
 सो ऽ हे ऽ ऽ | हे ऽ मं ऽ त |

री म प प, प म प ध नि सां - -, नि नि ध प प म ग री |  
 ना ऽ ऽ म, पु का ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ रू ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |

- ग री ग सा री - री, री म - |  
 ऽ क रु ऽ गा ऽ ऽ न रे ऽ ऽ |

<sup>म</sup>  
 - म॑ प ध प प म ग री, - री ग सा री री, री म॑ - |  
 ऽ सु म न ऽ ऽ वा ऽ ऽ, ऽ सु न स ज न, वा ऽ ऽ

<sup>म</sup>  
 प -, ग म - री ग - सा री - नि सा नि |  
 ऽ ऽ, रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ



## राग भीमपलासी, ताल त्रिताल, लय मध्य

उडाइ दो पतंग म्हारा दो बीरा

नी रे उडाइ आवे है म्हाने॥

हम नी दे है जा जा गेली

उडाइ नी आवे लडाइ नी आवे थाने॥

स्थायी

म  
नि सा गु - म | प नि प नि सा ध प | प ध - प प म - म |  
उ डाइ दो ऽ प | तं ऽ ग ऽ ऽ म्हा रा | दो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ बि |  
० ३ x

प ध ध - म प - - - |  
रा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
२

म नि  
- ध प गु म प नि | प सा - ध प | प ध - प प म - म |  
ऽ, उ ऽ डाइ दो प ऽ | तं ग ऽ म्हा रा | दो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ बी |  
० ३ x

प ध ध - म प - - - |  
रा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
२

म नि  
म - म - गु | प - ध प | नि - - सा | ध - प प - |  
नी ऽ रे ऽ उ डाइ ऽ आ वे | है ऽ ऽ म्हा | ने ऽ ऽ ऽ ऽ |  
० ३ x २

अंतरा

नि  
गु म म प नि नि - प | नि - नि - | सा - ध - |  
ह ऽ म् नी ऽ ऽ ऽ ऽ | दे ऽ है ऽ | जा ऽ जा ऽ |  
० ३ x

४२ : अनूपरागबिलास

$\begin{array}{ccccccc} \text{ध} & \text{प} & \text{प} & \text{म} & \text{प} & \text{ध} & \text{ध} - & \text{प} \\ \text{गे} & \text{ऽ} & \text{ऽ} & \text{ऽ} & \text{ली} & \text{ऽ} & \text{ऽ} & \text{ऽ} \end{array}$

$\begin{array}{ccccccc} \text{नि} & \text{सा} & \text{म} & - & \text{म} & \text{गु} & \text{प} - \text{प} \text{म} \\ \text{उ} & \text{डा} & \text{इ} & \text{ऽ} & \text{नी} & \text{ऽ} & \text{आ} \text{ऽ} \text{वे} \text{ल} \\ ० & & & & & & \text{डा} & \text{इ} & \text{ऽ} & \text{नी} & \text{आ} & \text{ऽ} \end{array}$

$\begin{array}{ccccccc} \text{नि} & - & \text{नि} & \text{नि} & \text{ध} & \text{ध} & \text{प} & \text{प} - & - \\ \text{वे} & \text{ऽ} & \text{ऽ} & \text{था} & \text{ऽ} & \text{ने} & \text{ऽ} & \text{ऽ} & \text{ऽ} \end{array}$



# राग मुलतानी, ताल त्रिताल, लय द्रुत

दिल बेकरार है गाहो

अब तक नी आयो

मोहे डर ही डर लाग्यो॥

बीत गयो री बेला आवन की आजो

कह गयो नी कछु, मोहे डर ही डर लाग्यो॥

## स्थाई

— — — प | — ध्रु प म ग म | प — — — | म प प म ग — |  
 S S S दिख | S बे S S S क | रा S S S | S S डर है S S |  
 ० ३ x २

री सा सा — प | — ध्रु प म ग म | प — — — | म प प म ग — |  
 गा S हो S दिख | S बे S S S क | रा S S S | S S डर है S S |  
 ० ३ x २

री सा सा — ध्रु नि सा म ग | गु म प प गु म | प नि ध्रु प म |  
 गा S हो S अ | ब त क नी | आ S S यो मो हे | ड र ही ड र |  
 ० ३ x २

प ध्रु — ध्रु प प प |  
 ला S S म्यो S S दिख |  
 ०

## अंतरा

— — — गु | म प नि नि | नि नि ध्रु प म गु गु | म प नि सा गु |  
 S S S बी | त ग यो री | बे S ला S S S आ | व न की S S |  
 ० ३ x २

री सा नि ध्रु प प नि | सा गु म गु | गु म प प गु म | प नि ध्रु प म |  
 आ S S जे S S क | ह ग यो नी | क S S लु मो हे | ड र ही ड र |  
 ० ३ x २

प ध्रु — ध्रु प प प |  
 ला S S म्यो S S, दिख |  
 ०

सूझो ना कलु मोहे रे  
अबु मैं का करुं रे  
वेकल जिया होय उखमासे रे ॥  
देखो देखो रे मेरो हालु  
वेनिया डोलावो खसिया के रे ॥

## स्थार्ड

- सा - ध म | ध - - - | - - म ग | री सा - सा |  
 ॐ सू ॐ झो ॐ | ना ॐ ॐ ॐ | ॐ ॐ क छु | मो हे ॐ रे |  
 ३ X २ ०

|            |          |           |           |
|------------|----------|-----------|-----------|
| - नि री नि | ध - - -  | - - सा सा | नि - री - |
| उ अ व में  | का उ उ उ | उ उ क रुं | रे उ उ उ  |
| ३          | X        | २         | ०         |

— री ग म | ध ध म — म ध | — ध ध सां सां | रीं रीं नि ध म ग री सा  
 ५ बे क ल | जि ५ या ५ हो ५ | ५ य उ ख मा | से ५ ५ ५ ५ ५ ५  
 ३ x ३ ०

सा - सा ध म  
 ऽ ऽ सू ऽ झो ऽ  
 ३

## अंतरा

— म ध म । ध सा — — — नि रिं नि रिं नि रिं नि नि रिं नि ध —  
 ॐ दे खो दे खो ॐ ॐ ॐ ॐ रे ॐ ॐ ॐ मे रो हा ॐ लु ॐ ॐ ॐ

— सा ग म | ध ध म — म ध | ध — ध सां सां | रीं रीं नि ध म ग री सा  
 ऽ वे नि या | ङे ऽ ल ऽ बो ऽ | ऽ ऽ ख सि या | के ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ  
 ३ x ३ ०

सा - सा - ध ग  
 ऽ ऽ सू ऽ झो ऽ



## राग पुरिया, ताल त्रिताल, लय द्रुत

संजा नी जावो, नी जावो री  
ये जो सुरस्वर रूप तेरो है  
आज मेरो मन हर लीनो री॥  
मोतियन की हार लै आई  
लाल बिच सोहे पेरी लै री॥

### स्थायी

|          |   |            |           |         |      |        |
|----------|---|------------|-----------|---------|------|--------|
| - - - म  | - | म ध्रु ग - | ग         | म - म - | ग -  | म नि - |
| S S S सं | S | जा S नी S  | जा S बो S | नी S    | जा S | S      |
| ०        | ३ |            | X         | २       |      |        |

|            |           |          |   |            |
|------------|-----------|----------|---|------------|
| री - सा नि | नि री ग ग | म - - म  | - | म ध्रु ग - |
| बो S री ये | जो सु र ख | रू S S प | S | ते S रो S  |
| ०          | ३         | X        | २ |            |

|          |           |           |              |         |
|----------|-----------|-----------|--------------|---------|
| ग        | म - ग नि  | - री ग म  | म ध्रु ग - म | - ग म ग |
| है S S आ | S ज मे रो | म S न S ह | S            | र ली नो |
| ०        | ३         | X         | २            |         |

|             |   |            |
|-------------|---|------------|
| म म म - ग म | - | म ध्रु ग - |
| री S S S सं | S | जा S नी S  |
| ०           | ३ |            |

### अंतरा

|          |             |            |           |             |
|----------|-------------|------------|-----------|-------------|
| - - - नि | म           | म ध्रु ग म | ग सा - सा | नि री नि गं |
| S S S मो | ति य S न की | हा S S र   | लै S आ S  |             |
| ०        | ३           | X          | २         |             |

४६ : अनूपरागविलास

|              |  |          |  |              |  |           |  |
|--------------|--|----------|--|--------------|--|-----------|--|
| रीं सां - नि |  | - री ग म |  | म ध ग - म    |  | - ग म ग   |  |
| ई ऽ ऽ ला     |  | ऽ ल बि च |  | सो ऽ हे ऽ पे |  | ऽ री लै ऽ |  |
| ०            |  | ३        |  | x            |  | २         |  |

|               |   |     |
|---------------|---|-----|
| म म म         | - | ग म |
| री ऽ ऽ ऽ ऽ सं |   |     |
| ०             |   |     |



# राग पुरिया धनाश्री, ताल त्रिताल, लय द्रुत

आजरा दिन हुआ  
अब तू ध्यान धरिलो रे॥  
सौंज आई घेरी है  
रंग जो चाहे भरिलो रे॥

स्थायी

— म ध नि री नि ध नि — ध — प — प प ध प प ग म री ग  
३ आ ३ ३ ३ ज ३ रा ३ ३ ३ ३ ३ दि न ३ ३ ३ बा ३ ३  
X २ ०

— म ध नि री नि ध नि — ध — प — प प म म ग म री  
३ आ ३ ३ ३ ज ३ रा ३ ३ ३ ३ ३ दि न ३ ३ ३ बा ३ ३  
X २ ०

ग ध म ग री ग — री — सा — प प ध प प ग — ग ध  
३ अ ब तू ३ ध्या ३ ३ ३ ३ न ३ ध रि ३ ३ ३ ३ रे ३  
X २ ०

म म ध नि री नि ध  
३ आ ३ ३ ३ ज ३

अंतरा

— म म री ग म ध नि सां — — सां — री नि री गं — — री  
३ सौं ३ ३ ज आ ३ ३ ३ ३ ३ ई ३ घे ३ री ३ ३ ३ है  
X २ ०

सां री नि ध ध नि — ध — प — ध प प ग म म री ग — ग ध  
३ रं ग जो ३ चा ३ ३ ३ ३ हे ३ म ३ री ३ ३ ३ ३ रे ३  
X २ ०

म म ध नि री नि ध  
३ आ ३ ३ ३ ज ३

# राग श्री, ताल एकताल, लय विलंबित

पावा मै दुरासे दस्स तेरो  
दस्स नीको री नीको  
जाग्यो भाग मेरो री आजे॥  
दस्स परस करूँ मनरो लुभायो  
निअरे करो भेटेरी आजे॥

री - - ग री सा - सा | <sup>स्थाई</sup> प - री - री ग - -, -, री, - |  
पा ऽ ऽ बा मै ऽ ऽ दु रा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ |  
४ X

री, -, री ग री, - सा - - - | सा री - -, -, नि, ध्रु - प - - |  
ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ, ऽ से ऽ ऽ ऽ द ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ, र ऽ स ऽ ऽ ऽ |  
० २

नि सा - -, -, -, सा री -, -, - | सा ग - -, -, री, - सा - - - |  
ते ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ रो ऽ ऽ ऽ |  
० ३

री, -, -, ग री - सा - सा | प - - - मं प, ध्रु, प, नि |  
द, ऽ, ऽ, र ऽ ऽ स ऽ नी को ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ, री, नी |  
४ X

ध्रु प प -, री, -, - री ग री -, -, -, सा | ग - री सा - री - सा |  
को ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ जा ऽ ऽ म्यो ऽ भा ऽ ग |  
० २

सा सा मं, प ध्रु, ध्रु प प री, - - - - |  
मे ऽ रो, ऽ ऽ, री ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
०

सा ग - -, -, सा प, री ग - री सा - |  
आ ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ जे ऽ |  
३



## अंतरा

|                    |                    |                       |                    |
|--------------------|--------------------|-----------------------|--------------------|
| <u>सा, -, -, म</u> | <u>प, प, -, नि</u> | <u>सां, -, सां, -</u> | <u>रिं, सां, -</u> |
| द, ऽ, ऽ, र         | ऽ, स, ऽ, प         | र, ऽ, स, ऽ            | ऽ, क, रू, ऽ        |
| ४                  |                    | X                     |                    |

|                                  |                                  |
|----------------------------------|----------------------------------|
| <u>रिं, - - रिं गं, रिं, सां</u> | <u>रिं, रिं गं रिं -, सां, -</u> |
| म, ऽ ऽ न ऽ, रो, लु               | भा, ऽ ऽ ऽ ऽ, यो, ऽ               |
| ०                                |                                  |

|                   |                         |                        |                             |
|-------------------|-------------------------|------------------------|-----------------------------|
| <u>रिं नि ध प</u> | <u>-, प प, प ध, रिं</u> | <u>रिं, म, प नि, -</u> | <u>ध प प -, प रिं, -, -</u> |
| नि अ रे ऽ         | ऽ, क ऽ, रो ऽ, ऽ         | भे, टो, ऽ ऽ, ऽ         | री ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ          |
| २                 |                         | ०                      |                             |

|                             |                   |
|-----------------------------|-------------------|
| <u>सा ग, -, सा प, रिं ग</u> | <u>- रिं सा -</u> |
| आ ऽ, ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ            | ऽ ऽ जे ऽ          |
| ३                           |                   |

## राग श्री, ताल त्रिताल, लय मध्य

रीसई काहे मो पर री ?  
 मुख उठा दे बोल जरा  
 नैन मिला के हँस-हँस दे री ॥  
 अरी तू पेसी कैसी री है  
 फेर मिटाली नैना ये  
 अब मैं कैसे लेहु समझाय री ॥

### स्थाय

— ग — री — | सा — प — | — प — प प | ध्रु री — — |  
 ऽ री ऽ सई ऽ | का ऽ हे ऽ | ऽ मो ऽ प र | री ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x २ ०

— ग — री — | सा — प — | — प — प प | ध्रु री, —, — |  
 ऽ री ऽ सई ऽ | का ऽ हे ऽ | ऽ मो ऽ प र | री, ऽ, ऽ, ऽ |  
 ३ x २ ०

—, ग — री — | सा — प — | — प प प | ध्रु री — — |  
 ऽ री ऽ सई ऽ | का ऽ हे ऽ | ऽ मो प र | री ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x २ ०

— सा म प | नि — ध्रु प — | — प — प प | ध्रु री — — |  
 ऽ मु ख उ | ठा ऽ दे ऽ ऽ | ऽ बो ऽ ल ज | रा ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x २ ०

— री — री सा | म प — प री | — ग — ग, री — — री | री — प री |  
 ऽ नै ऽ न् मि | ला ऽ ऽ के ऽ | ऽ हँ ऽ स, हँ ऽ ऽ स | दे ऽ री ऽ |  
 ३ x २ ०

### अंतरा

— सा म प | नि — सां — | — सां — सां | रीं — सां — |  
 ऽ अ री तू | रे ऽ सी ऽ | ऽ कै ऽ सी | री ऽ है ऽ |  
 ३ x २ ०



री सा म प | नि - सां - | - सां - सां | री - सां - |  
 ऽ अ री तू | रे ऽ सी ऽ | ऽ के ऽ सी | री ऽ है ऽ |  
 ३ x २ ०

- री - री नि | ध्रु प - प - | - प - प | ध्रु री - - |  
 ऽ के ऽ र मि | टा ऽ ऽ ली ऽ | ऽ नै ऽ ना | ये ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x २ ०

- सा री सा | म प - प री | - ग - ग, री - री | री - री प री |  
 ऽ अ व मैं | कै ऽ ऽ से ऽ | ऽ ले ऽ दु, स ऽ म् | झा ऽ य री ऽ |  
 ३ x २ ०

# राग कल्याण, ताल त्रिताल, लय मध्य

दीप की बेला हैगा रे मनु  
जप तप ध्यान धरत रहूँ रे मनु॥  
सुसुसुन कनकनन  
लय लय तालनु  
नयो नयो रूप रंगायो रे मनु॥

स्थायी

- ग प - - म - ग री सा नि - - | री री ग - - ग - |  
S दी S S S S प S की S S S | बे S S S S ला S |  
३ X

री सा सा नि - - री - | ग म ध प म |  
S है S S S S गा S | रे S S म नु |  
२ ०

ग री - - ग प - म ग री सा - नि | री - री री |  
S S S S ज S S S प S त S प | ध्या S न ध |  
३ X

ग म ग ग री - - ग म म नि ध - | ध प प म - ग री - - ग री |  
र त S S S S र S हूँ S S S | रे S S S S म S S S नु S |  
२ ०

ग री ग प - - म - ग री सा नि |  
S S दी S S S S प S की S |  
३

अंतरा

- नि री - ग म री | ग म - ध नि म | म ध - नि सा |  
S सु र S सु र न | क न S क न न | ल य S ल य |  
३ X २

ध नि री गं गं री सां सां |  
ता S S S S S ल नु |  
०

अनूपरागबिलास : ५३



- नि रीं - गं रीं गं | रीं सां सां - नि - ध - प प - - मं |  
 ऽ न यो ऽ न यो ऽ रू ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ प ऽ ऽ ऽ रं |  
 ३ x

ध नि रीं रीं सां सां - नि - ध - | प प मं - - ग री - - ग री |  
 गा ऽ ऽ यो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ रे ऽ ऽ ऽ ऽ म ऽ ऽ ऽ नु ऽ |  
 २ ०

ग री ग प - - मं - ग री सा नि - - |  
 ऽ ऽ दी ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ प ऽ की ऽ ऽ ऽ |  
 ३

# राग कल्याण, ताल त्रिताल, लय द्रुत

ये मुल्लीयार तार दे  
सुर समिंदर सो लय तार दे॥  
पार न पायो साच है  
शोक पिया सो अब तार दे॥

## स्थायी

- - - ग प | - म ग री ग | री सा सा नि ध | - नि - री |  
 ॐ ॐ ॐ ये ॐ | ॐ मु र ॐ ली | या ॐ ॐ र ॐ | ॐ ता ॐ र |  
 ३ x २

ग नि री ग प | - म ग री ग | री सा सा नि ध | - नि - री |  
 दे ॐ ॐ ये ॐ | ॐ मु र ॐ ली | या ॐ ॐ र ॐ | ॐ ता ॐ र |  
 ॐ ३ x २

ग नि री ग | ग नि प - | म ग म ग | री ग म प ध प प |  
 दे ॐ ॐ सु | र स मि ॐ | द र सो ल | य ता ॐ ॐ ॐ र ॐ |  
 ॐ ३ x २

ध प म ग री - ग प |  
 दे ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ये ॐ |  
 ॐ

## अंतरा

- - - म | - ध नि - - - म | नि - नि ध | - ध नि सां नि |  
 ॐ ॐ ॐ पा | ॐ र ॐ ॐ ॐ ॐ न | पा ॐ यो ॐ | ॐ सा ॐ ॐ च |  
 ॐ ३ x २

सां - - नि | गं रीं सां - नि | ध प - - म ग म ग | री म ध ध नि नि ध |  
 है ॐ ॐ शो | ॐ ॐ क ॐ पि | या ॐ ॐ ॐ सो ॐ ॐ अ | व ता ॐ ॐ ॐ र ॐ |  
 ॐ ॐ ३ x २

नि ध प म ग री ग प |  
 दे ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ये ॐ |  
 ॐ



## तराणा, राग कल्याण, ताल त्रिताल, लय मध्य

दारा दीम् तनन देरेना  
 तारे तदारे दानी देरेना थोम्॥  
 तोम् तनन तनन यललोम् यललोम्, तारेदा,  
 दिर दिर ना, दिर दिर ना, दिर दिर ना  
 देरे ना थोम्॥

स्थायी

— सा री सा सा | प सा — सा नि — | री ग री — सा नि | ध ग री ग री सा |  
 S S दा S रा S | दी S S S म त S | न न S S दे रे | ना S S S S S |  
 २ ० ३ x

— सा री सा सा | नि ध — नि — री | — ग — म — | नी ध प प — — म |  
 S S ता S रे S | त S S दा S रे | S दा S नी S | दे रे S S S S ना |  
 २ ० ३ x

ग म ग ग री सा री सा सा |  
 थो S S S म दा S रा S |  
 २

अंतरा

— सां — सां | नि ध प म | ग री सा नि | री — री प ध प प |  
 S S तो S म | त न न त | न न य ल | लो S म य S ल S |  
 २ ० ३ x

म म — म म ध ध नि | नि ध प — म ध |  
 लो S S म ता S S S | रे S दा S दिर दिर |  
 २ ०

म ध नि ध नि सां नि | नि ध प प — — म |  
 ना दिर दिर ना दिर दिर ना | दे रे S S S S ना |  
 ३ x

ग म ग ग री सा री सा सा |  
 थो S S S म दा S रा S |  
 २

# राग छाया कल्याण, ताल त्रिताल, लय मध्य

मैका चैन ना परेगो री (आली)

बिकल जिया पिया बिन तरसायो ॥

कैसे धरूँ धीर दिन रेना

दूभर मन पिया बिन दरसायो ॥

स्थायी

— — नि रे ग म ग ग री री ग ग री सा सा सा सा — — ग री सा सा  
० ० ० मै का चै ऽ ऽ न ऽ ना ऽ ऽ प ऽ रे ऽ गो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ  
० ३ x २

री सा नि ध नि ध सा नि ध प — — ध नि  
री ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ वि क ल ऽ ऽ ऽ जि या  
० ३

सा सा — — री ग म ग ग — म प म म  
पि ऽ ऽ ऽ या वि न ऽ ऽ ऽ त ऽ र ऽ  
x २

म — म नि नि  
सा ऽ यो ऽ मै  
०

अंतरा

— — म ध नि सा नि नि ध सा सा — — सा नि ध नि  
० ० ० कै से ध रूँ ऽ ऽ ऽ धी ऽ ऽ ऽ र ऽ दि न ऽ  
० ३ x २

री सा — सा नि ध प — — ग री सा नि री ग म ग ग — म प म म  
रे ना ऽ दू ऽ भ ऽ ऽ ऽ र म न पि या वि न ऽ ऽ ऽ द ऽ र ऽ  
० ३ x २

म — म नि नि  
सा ऽ यो ऽ मै  
०



# ठुमरी, राग मिश्र कल्याण (मध्यमग्राम), ताल केरवा, लय मध्य

कोयल कूके जिया घबराये  
जिया घबराये, नैन झर लागे।  
इत कोयल सुर, उत मुखा रे  
शोर उठत चहुँ ओर पिया रे॥

स्थायी

- प - नि सा | नि सा री ग म ग री |  
S को S य ल कू S S S S के S  
X ०

- नि नि - सा री | री सा नि सा सा - नि - प |  
S जि या S घ व रा S S S S S ये S S  
X ०

ध म प - - नि सा | नि सा री ग म ग री |  
S S को S S य ल कू S S S S के S  
X ०

- नि नि - सा री | री सा नि सा - - सा - - - |  
S जि या S घ व रा S S S S S ये S S S  
X ०

- - नि नि - सा री - | ग री सा री ग म ग री - |  
S S जि या S घ व S रा S S S S S ये S S  
X ०

- नि - नि सा री - | री सा नि सा सा - नि - प - |  
S नै S न झ र S ल S S S S S गे S S S  
X ०

५८ : अनूपरागविलस

## अंतरा

- ग - म प री - | सा सा - सा सा - |  
 S इ S, त S को S | य ल S उ त S |  
 x

- - सा सा - ग री - | ग म प - प - - - |  
 S S उ त S मु र S | बा S S S रे S S S |  
 x

- ग - - ग - म | प प - प नि ध |  
 S शो S S र S उ | ठ त S च हूं S |  
 x

प - री - री - सा - | री ग म प म ग री - |  
 ओ S S S र S पि S | या S S S रे S S S |  
 x



## राग भूपाली, ताल त्रिताल, लय द्रुत

माई गुसैया का री ?

मोय आन् दरस दोरी ॥

धरुं चरुं, धरुं ध्यान मैं

अब करो काहे गुमान री ॥

स्थायी

— सा — | — सा री ग री | सा — सा — | सा री ध — — |  
 S S मा S | S ई S S गु | सैं S या S | का S S S S |  
 २ ० ३ x

सा — सा — सा | सा री ग — ग ग | प ध प ग — | री ग — — — |  
 री S मो S य | आ S S S न द | र स दो S S | री S S S S |  
 २ ० ३ x

री — सा — |  
 S S मा S |  
 २

अंतरा

— ग री | ग प — प ध | — प ग ग — | ग सा — — सा |  
 S S ध रुं | च र S न S | S ध S रुं S | ध्या S S S न |  
 २ ० ३ x

सां — ध सां | रीं गं — सां | — प — री | ग — प ध प |  
 मैं S अ ब | क रो S का | S हे S गु | मा S S S न |  
 २ ० ३ x

ग री सा — |  
 री S मा S |  
 २

# राग भूपाली, ताल त्रिताल, लय मध्य

अबीर गुलाल लै आई  
अगरू चंदन सुगंध सोहाई॥  
लाल रंग होरी, खेळूं  
केसर रंग धूम मचाई॥

स्थायी

|   |  |          |   |    |    |  |         |  |
|---|--|----------|---|----|----|--|---------|--|
| ग |  | प ध - -  | प | री | री |  | ग - - - |  |
| अ |  | बी ऽ ऽ ऽ | र | ऽ  | गु |  | ल ऽ ऽ ऽ |  |
|   |  | ३        |   |    |    |  | ५       |  |

|        |       |  |             |         |        |   |  |
|--------|-------|--|-------------|---------|--------|---|--|
| ग - प  | सां ध |  | सां ध प प - | ग       | री - - | ग |  |
| ल ऽ लै | ऽ ऽ   |  | आ ई ऽ ऽ ऽ   | ऽ ऽ ऽ ऽ | अ      |   |  |
| २      |       |  | ०           |         |        |   |  |

|          |   |    |    |  |         |  |
|----------|---|----|----|--|---------|--|
| प ध - -  | प | री | री |  | ग - - - |  |
| बी ऽ ऽ ऽ | र | ऽ  | गु |  | ल ऽ ऽ ऽ |  |
| ३        |   |    |    |  | ५       |  |

|        |       |  |             |         |    |  |
|--------|-------|--|-------------|---------|----|--|
| ग - प  | सां ध |  | सां ध प प - | ग - - - | री |  |
| ल ऽ लै | ऽ ऽ   |  | आ ई ऽ ऽ ऽ   | ऽ ऽ ऽ ऽ | अ  |  |
| २      |       |  | ०           |         |    |  |

|   |    |    |        |    |    |   |    |    |       |   |   |   |    |
|---|----|----|--------|----|----|---|----|----|-------|---|---|---|----|
| ग | री | सा | सा - - | री | ग  |   | सा | री | ग - - | ग | ग | ग |    |
| ग | रू | ऽ  | ऽ      | ऽ  | चं | ऽ | द  | ऽ  | ऽ     | ऽ | न | ऽ | सु |
| ३ |    |    |        |    |    |   | ५  |    |       |   |   |   |    |

|         |     |      |       |   |    |   |     |
|---------|-----|------|-------|---|----|---|-----|
| प - ध - | सां |      | प ध - | प | री | ग |     |
| गं      | ऽ ध | ऽ सु | हा    | ऽ | ऽ  | ई | ऽ अ |
| २       |     |      | ०     |   |    |   |     |

अनूपरागविलास : ६१



— सां, प प ध सां रीं गं रीं, सां, सां, ध | प प, ग री सा — — ग  
 ५ ५ म, चा ५ ५ ५ ५ ५ ५, ई, ५, ५ | ५ ५, ५ ५ ५ ५ ५ ५ अ |  
 ३ ०

# राग भूपाली, ताल आध्या, लय मध्य

छंदमय भयो है मोहे  
सब यो गोल रुपाई॥  
व्योम धाम चहुं है दिशायें  
आये धरे धरे रुपाई॥

स्थायी

— प ग प ग री ग | री सा सा — सा — ध |  
S छं S S द S S | म S S S य S भ |  
३ X

सा — सा री ग री | री ग — री सा |  
यो S है S S मो | हे S S S S |  
२ ०

री ग प ग री ग | री सा सा — सा — ध |  
S छं S द S S | म S S S य S भ |  
३ X

सा — सा री ग री | री ग — री — |  
यो S है S S मो | हे S S S S |  
२ ०

— ग प — ध — | ध सां — ध ध |  
S स ब S यो S | गो S S S ल |  
३ X

— ध सां प, प ध ग | ग प री, री ग सा सा री |  
S रु S S, पा S S | S S S, ई S S S S |  
२ ०

री ग प ग री ग |  
S छं S द S S |  
३



## अंतरा

— ग प — ध री | ध सां — सां ध प |  
 S व्यो S S म S धा S S म S च |  
 ३ X

ग री — ग प ध | सां — सां ध ध सां सां ध |  
 हुं S S है S दि शा S S S S S ये S |  
 २ ०

— सां सां रीं गं रीं गं रीं — सां ध | गं रीं — सां सां रीं गं गं रीं सां सां |  
 S आ S S S ये S S S ध S रे S S बे S S S रे S S S |  
 ३ X

ध प प ग — प ध ग, ग | प ग री ग सा सा री |  
 S S S S S रु S S, पा S S ई S S S S |  
 २ ०

री ग प ग री ग |  
 S छं S द S S |  
 ३

## राग भूपाली, ताल त्रिताल, लय द्रुत

दारा दीम्, दीम् दीम्, तदीम्, देरेना  
 देरेना तदानी दीम् तान्न  
 देरेना दीम्, तदीम् तदीम्, तदीम्॥  
 नारे तारे तनत नारे देरेना  
 तानोम् तानोम् तानोम्, तदीम् देरेना॥

स्थायी

|               |               |            |             |
|---------------|---------------|------------|-------------|
| - - प प ग री  | ग - - प       | - ध - सां  | सां ध - प   |
| ५ ५ दा ५ रा ५ | दीम् ५ ५ दीम् | ५ दीम् ५ त | दीम् ५ ५ दे |
| ३             | X             | २          | ०           |

|                 |               |            |             |
|-----------------|---------------|------------|-------------|
| ग री ग प ग री   | ग - - प       | ५ ध - सां  | सां ध - प   |
| रे ना दा ५ रा ५ | दीम् ५ ५ दीम् | ५ दीम् ५ त | दीम् ५ ५ दे |
| ३               | X             | २          | ०           |

|             |           |                |                       |
|-------------|-----------|----------------|-----------------------|
| ग री ग प    | ध सां - ध | सां रीं गं रीं | सां रीं गं गं रीं रीं |
| रे ना दे रे | ना ५ ५ त  | दा नी दीम् ५   | ता ५ ५ ५ ५ अ          |
| ३           | X         | २              | ०                     |

|              |                       |             |                 |
|--------------|-----------------------|-------------|-----------------|
| - सां रीं गं | रीं सां सां - सां सां | ध प प ग सा  | सां ध सां सां प |
| ५ दे रे ना   | दी म् ५ ५ त दीम्      | ५ त दी म् त | दी म् ५ ५ दे    |
| ३            | X                     | २           | ०               |

|                 |
|-----------------|
| ग री ग प ग री   |
| रे ना दा ५ रा ५ |
| ३               |

अंतरा

|           |             |               |            |
|-----------|-------------|---------------|------------|
| - - ग प   | ध सां - सां | रीं गं रीं गं | ध गं - रीं |
| ५ ५ ना रे | ता रे ५ त   | न त ना रे     | दे रे ५ ना |
| ३         | X           | २             | ०          |



— — सां रीं गं, गं | गं रीं ध सां — सां ध — |  
 ऽ ऽ ता ऽ ऽ, नो | म् ऽ ता ऽ ऽ नो म् ऽ |  
 ३ X

ग री ग, ग ग री सा | सां ध सां प |  
 ता ऽ ऽ, नो म् ऽ त | दी म् ऽ दे |  
 २ ०

ग री ग प ग री |  
 रे ना दा ऽ रा ऽ |  
 ३

# राग शुद्धकल्याण, ताल एकताल, लय द्रुत

रूप धरे रे

जब साधन पूरन कर

सुर बन लय धाये रे॥

एकहि सुर संग रे

बहुरंग अंग सो

पहिछान् करो रे॥

स्थायी

|    |    |   |   |   |    |   |   |    |    |   |   |   |   |    |   |
|----|----|---|---|---|----|---|---|----|----|---|---|---|---|----|---|
| ग  | री | - | - | - | सा | - | ध | ग  | री | - | - | - | - | ग  | प |
| रु | ५  | ५ | ५ | ५ | प  | ५ | ध | रे | ५  | ५ | ५ | ५ | ५ | रे | ५ |
| ०  |    |   |   |   | ३  |   | ४ | ५  | ५  | ५ | ५ | ५ | ० | २  |   |

|    |    |   |   |   |    |   |   |    |    |   |   |   |   |    |   |
|----|----|---|---|---|----|---|---|----|----|---|---|---|---|----|---|
| ग  | री | - | - | - | सा | - | ध | ग  | री | - | - | - | - | री | - |
| रु | ५  | ५ | ५ | ५ | प  | ५ | ध | रे | ५  | ५ | ५ | ५ | ५ | रे | ५ |
| ०  |    |   |   |   | ३  |   | ४ | ५  | ५  | ५ | ५ | ५ | ० | २  |   |

|    |   |    |   |    |    |    |   |    |    |   |   |   |    |
|----|---|----|---|----|----|----|---|----|----|---|---|---|----|
| सा | ध | री | - | सा | सा | ग  | - | री | री | प | ग | ग | री |
| ज  | ब | सा | ५ | ध  | न  | पू | ५ | र  | न  | क | ५ | र | ५  |
| ०  |   | ३  |   | ४  |    | ५  |   | ०  |    | २ |   |   |    |

|    |    |   |    |   |    |    |    |   |    |    |   |   |   |
|----|----|---|----|---|----|----|----|---|----|----|---|---|---|
| सा | सा | ध | री | - | सा | सा | ग  | - | री | री | प | ग | ग |
| ज  | ५  | ब | सा | ५ | ध  | न  | पू | ५ | र  | न  | क | ५ | र |
| ०  |    |   | ३  |   | ४  |    | ५  |   | ०  |    | २ |   |   |

|    |    |   |   |   |   |    |   |    |   |   |   |    |   |    |
|----|----|---|---|---|---|----|---|----|---|---|---|----|---|----|
| ग  | री | प | ग | प | प | प  | - | ग  | प | ग | प | ग  | ग | री |
| सु | र  | ब | न | ल | य | धा | ५ | ये | ५ | ५ | ५ | रे | ५ | ५  |
| ०  |    | ३ |   | ४ |   | ५  |   | ०  |   |   |   | २  |   |    |

अंतरा

|   |   |   |    |    |   |     |   |   |   |     |     |
|---|---|---|----|----|---|-----|---|---|---|-----|-----|
| प | ध | प | ग  | प  | प | सां | - | ध | ध | सां | सां |
| ए | ५ | क | हि | सु | र | सं  | ५ | ५ | ग | रे  | ५   |
| ० |   | ३ |    | ४  |   | ५   |   | ० |   | २   |     |

अनूपरागविलसः : ६७



|       |       |       |      |          |           |
|-------|-------|-------|------|----------|-----------|
| सां ध | रीं - | - सां | गं - | - रीं गं | सां रीं - |
| व हु  | रं ऽ  | ऽ ग   | अं ऽ | ऽ ग ऽ    | सो ऽ ऽ    |
| ०     | ३     | ४     | X    | ०        | २         |

|       |             |         |        |            |       |
|-------|-------------|---------|--------|------------|-------|
| सां ध | रीं सां सां | रीं सां | गं रीं | गं रीं सां | रीं - |
| व हु  | रं ऽ ऽ      | ऽ ग     | अं ऽ   | ऽ ग ऽ      | सो ऽ  |
| ०     | ३           | ४       | X      | ०          | २     |

|               |             |        |          |         |         |
|---------------|-------------|--------|----------|---------|---------|
| गं रीं गं रीं | सां सां ध प | प ग -  | प ध प प  | ग प ग प | ग ग रीं |
| प ऽ हि ऽ      | छा ऽ ऽ ऽ    | ऽ ऽ न् | क ऽ रो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | रे ऽ ऽ  |
| ०             | ३           | ४      | X        | ०       | २       |

# राग शुद्धशाम, ताल त्रिताल, लय द्रुत

मोय बुलायके पूछोना रे  
अजब रीत तेरो है गा रे॥  
सुलझना परे उलझायो रे  
का कसूर मेरो है गा रे॥

स्थायी

- सा - सा ध | री - - - री | म - प ध प प | ग म प ग म री सा सा |  
S मो S य बु | ला S S S य | के S पू S छो S | ना S S S S S S S |  
३ X २ ०

री सा - सा ध | ग री - - - री | म - प ध प प | ग प म ग री ग सा री |  
रे मो S य बु | ला S S S S य | के S पू S छो S | ना S S S S S रे S |  
३ X २ ०

री सा ध प | री - म - | प - नि - | सा सा ध प - ग म |  
S अ ज ब | री S त S | ते S रो S | है S गा S S रे S |  
३ X २ ०

री सा - सा ध | री - - - री | री म - प ध प प | ग म प ग म री नि सा |  
S मो S य बु | ला S S S य | के S S पू S छो S | ना S S S S S रे S |  
३ X २ ०

री सा - सा ध |  
S मो S य बु |  
३

अंतरा

- री म प | नि सा - - सा | रीं - गं - गं | रीं रीं रीं रीं |  
S सु ल झ | ना S S S प | रे S उ S ल | झा यो S रे |  
३ X २ ०

अनूपरागविलंस : ६९



— सां ध प | सां — — सां | <sup>रीं</sup>रीं — गं — <sup>गं</sup>गं | <sup>ग</sup>रीं रीं रीं रीं |  
 ऽ सु ल झ | ना ऽ ऽ प | रे ऽ उ ऽ ल् | झा यो ऽ रे |  
 ३ x २ ०

— सां — ध | प — — प | प — नि — | <sup>सां</sup>सां <sup>ध</sup>ध प — <sup>ग</sup>ग म |  
 ऽ का ऽ क | सू ऽ ऽ र | मे ऽ रो ऽ | है ऽ गा ऽ ऽ रे ऽ |  
 ३ x २ ०

री सा — सा ध |  
 ऽ मो ऽ य बु |  
 ३

## टप्पा, राग खमाज, ताल त्रिताल, लय द्रुत

ओ दिलदारा आजा रे  
 थारी सुस्त दिखाजा रे  
 नेक नजर फिरा दे रे॥  
 बदरा की रूत आई रे पिया  
 जिय डरपत है अबु  
 बरसन लागे नैना रे॥

## स्थायी

— नि ध ध | प — ध ध प — म ग | री ग म प म | प — — — |  
 ॡ ॡ ओ दि ल | दा ॡ रा ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ | ॡ आ ॡ ॡ जा | रे ॡ ॡ ॡ |  
 २ ० ३ x

— ग ग ग | — म ध ध ध |  
 ॡ ॡ था री | ॡ सु र त दि |  
 २ ०

ध ध नि सां — सां नि ध — प ध | प — प नि नि ध |  
 खा जा ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ | रे ॡ ने ॡ ॡ ॡ |  
 ३ x

प म ग म प ध नि सां सां | नि नि नि सां नि |  
 ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ क | न ॡ ज र फि रा |  
 २ ०

सां — नि सां रीं गं | मं गं रीं सां सां नि ध प |  
 दे ॡ रे ॡ ॡ ॡ | ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ |  
 ३ x

म ग री सा नि ध ध |  
 ॡ ॡ ॡ ॡ ओ दि ल |  
 २



## अंतरा

— — ग ग म | म नि नि ध ध — | — नि सां नि | सां — — — |  
 २ ० ३ x

— — रीं गं मं — | रीं गं सां रीं नि सां — |  
 २ ०

— — — सां | रीं रीं सां, नि ध, प म प |  
 ३ x

— — ग ग | — म ध ध ध | धा नि सां — सां नि ध प ध | प — प प प |  
 २ ० ३ x

ध नि ध — प म ग म प ध | नि सां नि सां नि |  
 २ ०

सां — नि सां रीं गं | मं गं रीं सां सां नि ध प |  
 ३ x

म ग री सा नि ध ध |  
 २

# राग सोरठदेसा, ताल त्रिताल, लय मध्य

नयो नयो मेह जेठ संग निकरे  
ताप उमस बहु लागे पिया रे॥  
बाऊ ना ह्याले जिया घबराय रे  
तुम बिन मोहे शोक पिया रे॥

स्थायी

— ग — सा री — म प | नि — सां सां नि नि ध |  
ॐ न ॐ यो ॐ ॐ न यो | मे ॐ ह जे ॐ ॐ ॐ |  
३ X

नि ध प म प — ध प | प प म म — म ग |  
ॐ ठ ॐ ॐ ॐ ॐ सं ग | नि क ॐ ॐ ॐ रे ॐ |  
२ ०

री म री — म — म | प प — म प |  
ॐ ता ॐ ॐ प ॐ उ | म स ॐ व हु |  
३ X

नि — सां सां सां प — | प नि सां रीं गं रीं नि ध |  
ॐ ल ॐ गे पि ॐ ॐ ॐ | या ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ रे ॐ |  
२ ०

प ध म री — म प |  
ॐ ॐ न यो ॐ न यो |  
३

अंतरा

— ग री — म प | प नि, — — सां — सां नि — |  
ॐ वा ॐ ॐ ऊ ना | हा ॐ, ॐ ॐ ॐ ले ॐ ॐ ॐ ॐ |  
३ X

— प नि — सां रीं | गं — — रीं — मं — — गं रीं |  
ॐ जि या ॐ घ व | रा ॐ ॐ ॐ ॐ य ॐ ॐ रे ॐ |  
२ ०

अनूपरागविलस : ७३



- रीं गं - सां सां गं रीं - | नि - सां - |  
 ऽ तु म ऽ वि न ऽ ऽ ऽ | मो ऽ हे ऽ |  
 ३ x

- सां सां, - सां प, - प | प नि सां रीं गं रीं नि ध |  
 ऽ शो ऽ, ऽ ऽ क, ऽ पि | या ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ रे ऽ |  
 २ ०

प ध म री - म प |  
 ऽ ऽ न यो ऽ न यो |  
 ३

# तराणा, राग सावनदेसा, ताल त्रिताल, लय मध्य कृत

दीम् तादीम् देरेना तनननन

तदानी तादानी गारले॥

तारीले झन् झन् झन्नि झन् झन्

दिर दिर दिर तनन, दिर दिर दिर तनन

दिर दिर दिर तनन रे॥

स्थायी

- री ग - ग सा | री - री ग प म | ग री सा सा - | प म ग री |  
 S दी S S म् ता | दी S म् S S S | दे रे S ना S | त न न न |  
 ३ X २ ०

सा री म प | नि सां री मं रीं - सां - | ध प री म प ध ध प | म - ग - |  
 न त दा नी | ता S S S S र्दा S | नी S या S S S र S | ले S S S |  
 ३ X २ ०

री री ग - ग सा | ग री - री ग प म | ग री सा सा - |  
 S दी S S म् ता | दी S S म् S S S | दे रे S ना S |  
 ३ X २

अंतरा

- री म प | नि - निं - नि | - नि सां - सां सां | रीं सां नि सां सां - सां |  
 S ता री ले | झ S न् S झ | S न् झ S न् त्रि | झ S S न् झ S न् |  
 ३ X २ ०

- नि सां रीं सां नि ध | - म प सां नि ध प |  
 S दिर दिर दिर त न न | S दिर दिर दिर त न न |  
 ३ X

- म प नि ध प म | ग रे - - |  
 S दिर दिर दिर त न न | रे S S S |  
 २ ०

- री ग - ग सा | री - री  
 S दी S S म् ता | दी S म्  
 ३ X



# राग तिलककामोद, ताल त्रिताल, लय मध्यद्रुत

मोतीया गुलाबे मरवो  
आंगन में आछो सोहायो॥  
गेरा गेराई चमेली  
फुलाई सुगंध मोहायो॥

स्थायी

|          |    |   |    |   |    |   |    |    |    |    |   |    |    |   |       |    |   |
|----------|----|---|----|---|----|---|----|----|----|----|---|----|----|---|-------|----|---|
| - - - सा | री |   | प  | म | ग  | - | री | सा |    | नि | - | सा | -  |   | - - प | नि |   |
| ॐ        | ॐ  | ॐ | मो | ॐ | ती | ॐ | या | ॐ  | गु | ॐ  | ल | ॐ  | वे | ॐ | ॐ     | म  | र |
|          |    |   |    |   | ३  |   |    |    |    |    | x |    |    |   | २     |    |   |

|    |    |   |   |    |    |    |   |  |    |   |   |   |    |   |   |   |    |    |    |   |  |
|----|----|---|---|----|----|----|---|--|----|---|---|---|----|---|---|---|----|----|----|---|--|
| सा | री | ग | - | री | सा | सा | - |  | री | प | म | - | म  | ग | ग | - | री | -  | सा | - |  |
| बो | ॐ  | ॐ | ॐ | ॐ  | ॐ  | मो | ॐ |  | ती | ॐ | ॐ | ॐ | या | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ  | गु | ॐ  | ॐ |  |
| ०  |    |   |   |    |    |    |   |  |    |   |   |   |    |   |   |   |    |    |    |   |  |

|    |   |    |   |  |       |   |   |   |  |
|----|---|----|---|--|-------|---|---|---|--|
| नि | - | सा | - |  | - - म | ग |   |   |  |
| ल  | ॐ | वे | ॐ |  | ॐ     | ॐ | म | र |  |
|    |   |    |   |  | x     |   |   | २ |  |

|    |   |     |    |    |     |   |    |  |   |   |     |   |  |
|----|---|-----|----|----|-----|---|----|--|---|---|-----|---|--|
| री | ग | - - | री | सा | - - | - | री |  | म | प | नि  | - |  |
| बो | ॐ | ॐ   | ॐ  | ॐ  | ॐ   | ॐ | आं |  | ग | न | में | ॐ |  |
| ०  |   |     |    |    |     |   |    |  |   |   |     |   |  |

|     |   |   |   |     |     |     |     |  |    |   |   |   |   |   |    |   |   |   |   |
|-----|---|---|---|-----|-----|-----|-----|--|----|---|---|---|---|---|----|---|---|---|---|
| सां | - | - | - | सां | रीं | सां | सां |  | ध  | प | - | - | - | प | ध  | - | - | प |   |
| आ   | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ   | ॐ   | ॐ   | ॐ   |  | छो | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | सो | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |
|     |   |   |   |     |     |     |     |  |    |   |   |   |   |   |    |   |   |   |   |

|    |   |    |    |   |    |    |   |  |
|----|---|----|----|---|----|----|---|--|
| म  | ग | ग  | री | - | सा | सा | - |  |
| हा | ॐ | यो | ॐ  | ॐ | ॐ  | मो | ॐ |  |
| ०  |   |    |    |   |    |    |   |  |

७६ : अनूपरागविलास

## अंतरा

- - - री | म प नि नि री - | सां - नि - | प - नि सां रीं गं |  
 ऽ ऽ ऽ ने | रां ने ऽ रा ऽ ऽ | ई ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ च ऽ ऽ ऽ |  
 ० ३ x २

नि सां - प नि | नि रीं - सां - |  
 मे ली ऽ फु ऽ | ल ऽ ऽ ई ऽ |  
 ० ३

ध प प म - प ध - | प - म प ध प |  
 सु ऽ ऽ ऽ ऽ गं ऽ ऽ | ध ऽ मो ऽ ऽ ऽ |  
 x २

म ग ग री सां - सां - |  
 हा ऽ यो ऽ ऽ ऽ मो ऽ |  
 ०











जोगी जाम्यो रे,  
सोच मन पलखा उघाय्यो,  
जल भराय वाके आँखन में रे॥  
अब तो ये उबो रह गयो,  
डमरू धर त्रिशूल उठायो,  
डुलत डुल निक्यो मुख देखनसो  
ठाढ्यो नंद घर सामे रे॥

## स्थार्ड

— — —    — , — , प ध प प | म, —, ग — — म, री सा — — —  
 S S S S    S, S, S, जो S गी S    जा, S, S S S S, स्यो रे S S S  
 ४                      x

सा, -, री, सा म, म, म, म ग प, -, -, प प प ध, -, प, म प -  
 सो, ऽ, ऽ, च म, न, पल्ल, खा ऽ ऽ, ऽ, ऽ, उ ऽ था ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ  
 ० ३

$\overbrace{\text{ध प -, म -, म, -}}^{\text{म म प प}} \quad \overbrace{\text{सा नि ध ध}}^{\text{नि, ध, प, प म प -}}$   
 $\text{ज्यो ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ, ऽ} \quad \text{ज ल भ रा} \quad \text{ऽ ऽ ऽय वा} \quad \text{के, ऽ, ऽ, औ ऽ ल ऽ}$   
 ० ३

ध प, म, म, म ग प, —, — प ध, प प  
न ङ, ङ, ङ, मे ङ रे, ङ, ङ जो ङ, गी ङ

## अंतरा

                                      म, म ग प       
 S S S S    S, S, S अ, ब S तो S

प सां, -, -, सां सां    सां - रीं सां    |    सां, -, - ध, प    रीं, सां, - प, नि सां

ये ऽ, ऽ, ऽ, उ बो रह ऽ ग यो    ड, ऽ, ऽ म, रु    ध, र, ऽ त्रि, शु ल

x                          °

**अनूपरागविलास : ८१**



मं - रीं सां, ध प, ग म री - , सा    सा री, सा, - म, म ग |  
 उ ऽ ठा ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ, यो    डु ल, त, ऽ डु, ल ऽ  
 २

प प, प सां - , सां रीं, सां    मं, मं रीं, सां, नि सां - |  
 नि क, ज्यो ऽ ऽ, मु ख, दे    ख, ऽ न, सो, ऽ ऽ ऽ  
 ०

म, म ग, ग प, -    प, -, - सां, नि ध |  
 ठा, ज्यो ऽ, नं ऽ, ऽ    द, ऽ, ऽ घ, र ऽ  
 ३

नि, ध, प - - मं, ध प मं -    म - - ग, प, - प ध, प प |  
 सा, ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ    मे ऽ ऽ ऽ, रे, ऽ जो ऽ, गी ऽ  
 ४

# राग शिवकेदार, ताल त्रिताल, लय द्रुत

जो दिया सो लै री लै री  
मानले सीख मेरी  
प्रेम की बाते यो है॥  
तुम सब साथनियोरी  
लै ना जोरी दै ना जोरी  
ना जो री ना री यो है॥

## स्थाई

|         |  |   |   |    |    |    |   |       |   |   |   |    |   |    |   |
|---------|--|---|---|----|----|----|---|-------|---|---|---|----|---|----|---|
| - - - प |  | ग | म | री | सा |    | म | - - - |   | ग | म | ग  | प | -  |   |
| ॐ       |  | ३ | ॐ | दि | या | सो | ॐ | लै    | ॐ | ॐ | ॐ | री | ॐ | लै | ॐ |
|         |  |   |   |    |    |    | x |       |   |   |   | २  |   |    |   |

|         |   |     |   |   |      |   |            |   |         |      |
|---------|---|-----|---|---|------|---|------------|---|---------|------|
| प - - म |   | - ग | प | प | -    |   | सां - नि ध |   | प - प - |      |
| री ॐ    | ॐ | ॐ   | ॐ | न | ले ॐ | ॐ | सी ॐ       | ॐ | ख ॐ     | मे ॐ |
|         |   | ३   |   |   |      | x |            |   | २       |      |

|   |      |   |   |      |   |   |    |      |   |   |      |       |   |      |   |      |   |  |
|---|------|---|---|------|---|---|----|------|---|---|------|-------|---|------|---|------|---|--|
| ध | प    | म | म | म    |   | ग | री | सा   | - |   | म    | - - - |   | म    | ग | प    | - |  |
| ॐ | री ॐ | ॐ | ॐ | प्रे | ॐ | ॐ | म  | की ॐ | ॐ | ॐ | वा ॐ | ॐ     | ॐ | ते ॐ | ॐ | यो ॐ | ॐ |  |
|   |      |   |   |      | ३ |   |    |      | x |   |      |       |   | २    |   |      |   |  |

|      |   |   |   |    |   |     |      |    |    |   |
|------|---|---|---|----|---|-----|------|----|----|---|
| प ध  | प | प | - | प  |   | - ग | म    | री | सा |   |
| है ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | जो | ॐ | ॐ   | दि ॐ | या | सो | ॐ |
|      |   |   |   |    | ३ |     |      |    |    |   |

## अंतरा

|         |   |   |   |   |     |   |      |             |      |               |   |
|---------|---|---|---|---|-----|---|------|-------------|------|---------------|---|
| - - - म |   | म | ग | प | प   | - |      | सां - - सां |      | सां - सां रीं |   |
| ॐ       | ॐ | ॐ | ॐ | स | ब ॐ | ॐ | सा ॐ | ॐ           | नि ॐ | यो ॐ          | ॐ |
|         |   | ३ |   |   |     | x |      |             | २    |               |   |

|           |   |             |   |             |    |          |   |   |   |      |    |   |
|-----------|---|-------------|---|-------------|----|----------|---|---|---|------|----|---|
| सां - - प |   | - सां - सां |   | रीं - - सां |    | नि ध - प |   |   |   |      |    |   |
| री ॐ      | ॐ | ॐ           | ॐ | ना ॐ        | जो | री ॐ     | ॐ | ॐ | ॐ | ना ॐ | जो | ॐ |
|           |   | ३           |   |             | x  |          |   |   | २ |      |    |   |



ध ग  
 प म म म | ग री - सा | म - - - | म ग प - |  
 री ऽ ऽ ना | ऽ जो ऽ री | ना ऽ ऽ ऽ | री ऽ यो ऽ |  
 ० ३ x २

प ध प प - प ध | प प म म री री सा | म  
 है ऽ ऽ ऽ ऽ जो ऽ | ऽ ऽ दि ऽ या ऽ सो | लै  
 ० ३ x

# तराणा, राग शिवकेदार, ताल त्रिताल, लय द्रुत

दिर दिर तनन देरेना देम्  
 दानी तोम् तनन देरेनाम्  
 दीम् तानोम् तानोम् तानोम् तन देरेनारे॥  
 देम् दारा देम् दारा देम्  
 तोम् तननन नन देरे नाम्  
 तारे दानी, तदानी दानी, तन देरेनारे॥

स्थायी

— — म म म ग | प प — प | — ध नि म | ध नि ध प म |  
 S S दि र दि र | त न S न | S दे रे ना | दे S S S S |  
 २ ० ३ x

म — म म म ग | प — — प प म | ध प प म री | सा म — — — |  
 S S म् दा नी S | तो S S म् त S | न S न दे रे | ना S S S S |  
 २ ० ३ x

— — म म म ग | प — — प प म | ध प प म री | सा म — ग प — प |  
 S S म् दा नी S | तो S S म् त S | न S न दे रे | ना S S म् दी S म् |  
 २ ० ३ x

नि

सां नि — ध सां | नि — ध नि ध — | नि — नि सां रीं | सां नि ध नि |  
 ता नो S म् ता | नो S म् ता S S | नो S म् त न | दे रे ना S |  
 २ ० ३ x

ध प प — म ग |  
 रे S S S दिर दिर |  
 २

अंतरा

प ध  
 — — सां — सां | ध प प — प | — प म म ग — | प — — — प |  
 S S दे S म् | दा रा S S दे | S म् दा रा S S | दे S S S म् |  
 २ ० ३ ४

अनूपरागविलस : ८५



ध  
 - - म - ग | प प सां नि | रीं सां नि ध | नि - नि सां - |  
 ऽ ऽ तो ऽ म् | त न न न | न न दे रे | ना ऽ म् ता ऽ |  
 २ ० ३ x

मं - रीं सां | - रीं सां नि | ध नि सां रीं | सां नि ध नि |  
 रे ऽ दा नी | ऽ त दा नि | दा नी त न | दे रे ना ऽ |  
 २ ० ३ x

ध प प - म ग |  
 रे ऽ ऽ ऽ दि दि |  
 २

## राग जलधरदेसा, ताल त्रिताल, लय मध्य

मेघा को रितु आयो रे मिता  
दल बादल बन आवन लागे  
रूप सुहावै मन लुभायो रे॥  
• जन गण को मन है उछायो  
धार झरावन लागे लुभायो रे॥

स्थायी

ध प ध  
- सां रीं - सां प | सां - प म | - म - ग प - - | नि नि, - - सां रीं |  
S मे S S घा S | को S रि तु | S आ S S यो S S | रे S, S S मि ता |  
३ x २ ०

प ध  
- री म प नि सां रीं, - सां | सां - प म | - म - ग प - | नि नि, - - सां रीं |  
S मे S S S S घा | को S रि तु | S आ S S यो S | रे S, S S मि ता |  
३ x २ ०

ध प  
- सां सां - ध प - | म म प प | - नि - सां नि | सां - सां - |  
S द ल S, बा S S | द ल व न | S आ S व न | ला S गे S |  
३ x २ ०

प ध  
- नि - सां - सां | म सां रीं सां | - सां रीं - सां - | सां - प म |  
S रू S प S सु | हा S वै S | S म न S लु S | भा S यो रे |  
३ x २ ०

प  
प नि सां रीं - , सां सां प | को  
S मे S S S S, घा S S | x

अंतरा

म री - म प | नि - सां नि | - ध प म म - प | सां - सां - |  
S ज न S ग ण | को S म न | S है S S S S उ | छा S यो S |  
३ x २ ०

अनूपरागविलास : ८७



पं                      प                                      ध  
 - मं - रीं सां | मं - रीं सां | - नि - सां रीं | सां सां - प म |  
 ऽ धा ऽ र झ | रा ऽ व न | ऽ ला ऽ गे लु | भा ऽ ऽ यो रे |  
 ३                      x                      २                      ०

ध  
 प सां रीं - सां प |  
 ऽ मे ऽ ऽ घा ऽ |  
 ३

## राग बिहाग, ताल एकताल, लय विलंबित

ये मोरा मन हरोरे हरो रे  
 कौन हो, कैसन यहो, करम कर राख्यो  
 आख्यों में भराय रमायो रे॥  
 ये जो रे रूप धन है, सुभग उभराय बने रे,  
 सबही सब मोहे, आख्यों में भराय रमायो रे॥

स्थायी

|                   |               |  |                      |           |
|-------------------|---------------|--|----------------------|-----------|
| —, —, —, सा म ग म | ध प, म, ग, म  |  | प म म ग, —, —, री सा | सा — सा — |
| ५, ५, ५, ये ५ ५ ५ | ५ ५, ५, ५, मो |  | रा ५ ५ ५, ५, ५, ५ ५  | म ५ न ५   |
| ४                 |               |  | X                    |           |

|                |          |  |                |                 |
|----------------|----------|--|----------------|-----------------|
| नि प, —, नि, — | सा — — म |  | ग, —, री सा, — | सा, —, नि सा, — |
| ह ५, ५, रो, ५  | रे ५ ५ ह |  | रो, ५, ५ ५, ५  | रे, ५, ५ ५, ५   |
| ०              |          |  | २              |                 |

|             |                 |  |          |                 |
|-------------|-----------------|--|----------|-----------------|
| प, —, नि, — | सा, —, नि सा, — |  | प — नि — | सा, —, नि सा, म |
| कौ, ५, न, ५ | हो, ५, ५ ५, ५   |  | कै ५ स ५ | न, ५, ५ ५, य    |
| ०           |                 |  | ३        |                 |

|          |                |  |          |                |
|----------|----------------|--|----------|----------------|
| ग — — —  | री सा, —, —, — |  | नि — — — | नि सा, —, —, — |
| हो ५ ५ ५ | ५ ५, ५, ५, ५   |  | क ५ ५ ५  | र ५, ५, ५, ५   |
| ४        |                |  | X        |                |

|               |            |  |               |            |
|---------------|------------|--|---------------|------------|
| सा ग, —, —, — | —, म, ग, — |  | ग प, —, —, —  | प — — —    |
| म ५, ५ ५ ५    | ५, क, र, ५ |  | रा ५, ५, ५, ५ | ख्यो ५ ५ ५ |
| ०             |            |  | २             |            |

|            |                      |  |
|------------|----------------------|--|
| सा — ग —   | म ग, म ग, म —, प —   |  |
| आ ५ ख्यो ५ | में ५, ५ ५, ५ ५, म ५ |  |
| ०          |                      |  |

|                     |                            |  |
|---------------------|----------------------------|--|
| नि —, — ध, प —, प — | ध प —, म ग —, ग म प —, म   |  |
| रा ५, ५ ५, य ५, र ५ | मा ५ ५, ५ ५ ५, ५ ५ ५ ५, यो |  |
| ३                   |                            |  |



ग - , - री, सा - , सा म ग म ध प, म, ग, म |  
 रे ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ, ये ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, मो |  
 ४

## अंतरा

- , - , ग म, - , प, - | नि सां - , - , सां सां रीं सां सां, नि ध प प, म, ग |  
 ऽ, ऽ, ऽ, ये जो, ऽ, रे, ऽ | रू ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, प ध ऽ न ऽ, है ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ |  
 ४ x

ग म, प नि सां - , - , प नि सां गं, - रीं, सां, सां रीं सां सां |  
 सु भ, ग ऽ ऽ ऽ, ऽ, उ भ रा ऽ, ऽ य, ऽ, ब ऽ ने ऽ |  
 ०

नि ध, प म, ग, ग म ग, - , - म, ग |  
 रे ऽ, ऽ ऽ, ऽ, स ब ही, ऽ, ऽ स, ब |  
 २

ग प, - , - , प सा, - ग, म ग, म |  
 मो ऽ ऽ, ऽ, हे आ, ऽ ल्यों, में ऽ, भ |  
 ०

प नि, - ध, - प, प ध प - , म ग - , ग म प - , म |  
 रा ऽ, ऽ ऽ, ऽ य, र मा ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, यो |  
 ३

ग, - री, सा, सा म ग म. ध प, म, ग, म |  
 रे, ऽ ऽ, ऽ, ये ऽ. ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, मो |  
 ४

## राग बिहाग, ताल एकताल, लय द्रुत

ये का मुझायो रे  
सुंदर रूप धराय सब मोहे॥  
सुघर बिखर ग्यो  
शोक करे रे मना ये कहूं तोहे॥

स्थायी

|    |    |  |     |   |    |   |   |   |    |   |   |  |   |   |  |    |    |  |
|----|----|--|-----|---|----|---|---|---|----|---|---|--|---|---|--|----|----|--|
| प  | नि |  | - ध | प |    | - | प |   | ध  | ग | - |  | - | म |  | ग  | म  |  |
| ये | ॐ  |  | ॐ   | ॐ | का |   | ॐ | ॐ | झा | ॐ | ॐ |  | ॐ | ॐ |  | यो | रे |  |
| ०  |    |  | ३   |   |    |   | ४ |   | ख  |   |   |  | ० |   |  | २  |    |  |

|     |    |    |  |   |   |  |   |   |  |    |   |   |   |   |    |   |    |     |     |     |   |   |  |
|-----|----|----|--|---|---|--|---|---|--|----|---|---|---|---|----|---|----|-----|-----|-----|---|---|--|
| ग   | री | सा |  | - | म |  | ग | ग |  | प  | - |   | - | प | नि |   | नि | सां | रीं | सां | - |   |  |
| सुं | ॐ  | ॐ  |  | ॐ | द |  | ॐ | र |  | रू | ॐ | ॐ |   | ॐ | प  | ॐ |    | ॐ   | ध   | ॐ   | ॐ | ॐ |  |
| ०   |    |    |  | ३ |   |  | ४ |   |  | ख  |   |   |   | ० |    |   | २  |     |     |     |   |   |  |

|    |   |  |   |   |   |   |  |   |   |  |    |    |  |    |   |   |   |   |  |   |   |   |
|----|---|--|---|---|---|---|--|---|---|--|----|----|--|----|---|---|---|---|--|---|---|---|
| नि | - |  | - | ध | प | प |  | ग | म |  | प  | नि |  | ध  | प | प | - | - |  | ग | म |   |
| रा | ॐ |  | ॐ | य | स | ॐ |  | ॐ | व |  | मो | ॐ  |  | हे | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |  | ॐ | ॐ |   |
| ०  |   |  | ३ |   |   |   |  | ४ |   |  | ख  |    |  | ०  |   |   |   |   |  |   |   | २ |

अंतरा

|    |   |  |   |   |    |  |     |     |  |     |   |  |   |    |  |   |     |  |
|----|---|--|---|---|----|--|-----|-----|--|-----|---|--|---|----|--|---|-----|--|
| ग  | म |  | - | प | नि |  | सां | सां |  | सां | - |  | - | सा |  | - | सां |  |
| सु | घ |  | ॐ | र | ॐ  |  | ॐ   | वि  |  | ख   | ॐ |  | ॐ | र  |  | ॐ | यो  |  |
| ०  |   |  | ३ |   |    |  | ४   |     |  | ख   |   |  | ० |    |  | २ |     |  |

|    |   |  |   |   |    |  |     |     |  |     |   |  |     |   |  |     |    |   |  |
|----|---|--|---|---|----|--|-----|-----|--|-----|---|--|-----|---|--|-----|----|---|--|
| ग  | - |  | म | प | नि |  | सां | सां |  | सां | - |  | सां | - |  | सां | -  |   |  |
| सु | ॐ |  | घ | र | ॐ  |  | ॐ   | वि  |  | ख   | ॐ |  | ॐ   | र |  | ॐ   | यो | ॐ |  |
| ०  |   |  | ३ |   |    |  | ४   |     |  | ख   |   |  | ०   |   |  | २   |    |   |  |

|    |    |   |  |   |     |  |   |    |  |    |   |  |   |     |     |   |   |     |     |  |
|----|----|---|--|---|-----|--|---|----|--|----|---|--|---|-----|-----|---|---|-----|-----|--|
| प  | नि | - |  | - | सां |  | - | मं |  | गं | - |  | - | रीं | सां |   | - | रीं | सां |  |
| शो | ॐ  | ॐ |  | ॐ | क   |  | ॐ | क  |  | रे | ॐ |  | ॐ | ॐ   | रे  |   | ॐ | म   | ॐ   |  |
| ०  |    |   |  | ३ |     |  | ४ |    |  | ख  |   |  | ० |     |     | २ |   |     |     |  |

|    |   |   |  |    |   |  |   |     |  |    |    |  |    |   |   |   |   |  |   |   |   |
|----|---|---|--|----|---|--|---|-----|--|----|----|--|----|---|---|---|---|--|---|---|---|
| नि | - | ध |  | प  | - |  | ग | म   |  | प  | नि |  | ध  | प | प | - | - |  | ग | म |   |
| ना | ॐ | ॐ |  | ये | ॐ |  | क | हूं |  | तो | ॐ  |  | हे | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |  | ॐ | ॐ |   |
| ०  |   |   |  | ३  |   |  | ४ |     |  | ख  |    |  | ०  |   |   |   |   |  |   |   | २ |



# तराणा, राग बिहाग, ताल त्रिताल, लय द्रुत

देरना देरना देरना दानी  
तन दीम् तान दीम् तदीम्  
देरना तदारे तारे तदानी दानी ॥  
दिर दिरना दिर दिर ना दिर दिर ना दीम्  
तनन देरना तदारे तदानी दानी ॥

स्थायी

सा - सा सा म | ग ग म प सा - नि |  
दे S र ना दे | S र ना दे S S र |  
० ३

ध प - प ध प प | ग प म ग ग री सा सा |  
ना S S S S S S | S S S S दा S नी S |  
X २

सा - सा सा प | प ध ग म प सा - नि |  
दे S र ना दे | S र ना S दे S S र |  
० ३

ध प - - प ध | प प म ग ग री सा - |  
ना S S S S S S | S S दा S नी S S S |  
X २

सा नि सा - | - सा ग - म | ध प प - म ग म | ग - री सा - सा |  
त न दी S | S म् ता S न | दी S S S S म् त | दी S S S S म् |  
० ३ X २

प नि सा मं | - गं री सां सां | नि ध प प प प | ग प म ग ग री सा सा |  
दे रे ना त | S दा S S रे | ता S S रे त S | दा S नी S दा S नी S |  
० ३ X २

## अंतरा

सा म ग म | प प ध ग म |  
 दिर दिर ना दिर | दिर ना ऽ दिर दिर |  
 ० ३

प नि - सां रीं सां | नि - नि - - |  
 ना ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | दी ऽ म् ऽ ऽ |  
 x २

प नि सां मं | ग ग रीं सां सां - - सां सां |  
 त न न दे | रे ऽ ना ऽ ऽ ऽ ऽ त ऽ |  
 ० ३

ध प प - - प प प | ग प म ग ग री सा सा |  
 दा ऽ ऽ ऽ ऽ रे त ऽ | दा ऽ नी ऽ दा ऽ नी ऽ |  
 x २





## अंतरा

ग म | प नि - नि - सां नि - | सां - सां प |  
 स ग | री रे ऽ न ऽ ह म ऽ | जा ऽ मि वि |  
 ३ x

नि सां - रीं सां | गं रीं सां सां - - ग |  
 क ल ऽ व न | व न ऽ ऽ ऽ ऽ शो |  
 २ ०

- म - प नि | सां रीं सां सां ध प ग |  
 ऽ क ऽ स हूं | कै ऽ ऽ ऽ सो ऽ मि |  
 ३ x

.. म - प म प | ग - सा री - सा |  
 लो ऽ ह म ऽ | सो ऽ ऽ ऽ ऽ ले |  
 २ ०



अब न बढ़ा रे बढ़ा रे  
समझ प्यो ना तोहे रे॥  
लाख कंही रे एक न मानो  
तुम किनसो बैर करो रे॥

— — — प सा सा नि ध प — म ग — — री सा — — री सा —  
 ॐ अ ॐ ब ॐ न ॐ ॐ व दा ॐ ॐ रे ॐ ॐ ॐ व दा ॐ  
 ० ३ x २

सा ग ग, म प सा | सा नि ध प - म | ग - - सा | - री सा - |  
 रे ऽ ऽ, ऽ अ ऽ | ब ऽ न ऽ ऽ ब | दा ऽ ऽ रे | ऽ ब दा ऽ |  
 १ ३ ४ २

ग म प नि सां रीं सां | सां नि ध प - म | ग - - री सा | - री सा -  
 रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ अ | व ऽ न ऽ ऽ व | दा ऽ ऽ रे ऽ | ऽ व दा ऽ  
 ० ३ x ३

सा ग - , - , सा सा ध्रु प सा - सा प - प ध - म - म प - ग -  
रे ऽ ऽ ऽ, स ऽ म ऽ झ ऽ प ज्यो ऽ ऽ ऽ ऽ ना ऽ तो ऽ ऽ हे ऽ  
० ३ x ३

री सा - - - सां  
रे ऽ ऽ ऽ ऽ अ

— — प | — प नि — ध नि | सां — नि ध प — सां | — नि ध प — — म  
ॐ उ उ उ ल | उ ख उ उ क ह्री उ उ रे उ उ ए | उ उ क उ उ न

३                      x                      ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

म प ग री सा - सा | नि प नि सा | प - प ध - म | - म प - ग - |  
 मा ऽ ऽ नो ऽ ऽ तु म कि न सो वै ऽ र ऽ ऽ क ऽ रो ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ० ३ x २

री सा - - - सा |  
 रे ऽ ऽ ऽ ऽ अ |  
 ०



# राग मालवबिहाग, ताल त्रिताल, लय ठाय

ये सब खेल, ज्ञानी महा धीर के  
रूप बुलायो, छिप्यो, डरायो, मोहायो॥  
सोचहि सोच सुघर सब बन्यो है  
अंग निहारू, बहारू, भितरू देखायो॥

स्थायी

— ग — म प म — | प — — प — ग —  
S ये S S स ब S | खे S S ल S ज्ञा S |  
३ X

री सा — ग — — म प — | सा — — प — प —  
S S नी S S म हा S | धी S S र S के S |  
२ ०

म ग — ग — — म — प | प — ग — — ग —  
S S रू S S प S बु | ला S S S S यो S |  
३ X

ग म प — — म प नि | सा — प — — प —  
छि प म्यो S S ड रा यो | मो S हा S S यो S |  
२ ०

म ग — ग — म प म —  
S S ये S S स ब S |  
३

अंतरा

— ग — — म प — | नि — — नि — नि —  
S सो S S च ही S | सो S S च S सु S |  
३ X

९८ : अनूपराग विलास

सां - गं - सां सां - | सां रीं सां - नि सां नि - प - प - |  
 ष ऽ र ऽ ऽ स ब ऽ | ब ऽ ऽ ऽ न्यो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ है ऽ |  
 २ ०

म ग - ग - - म - म | प - ग - ग - - |  
 ऽ ऽ अं ऽ ऽ ग ऽ नि | हा ऽ ऽ ऽ रु ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x

ग म प - म प नि - | सां - प - - प - |  
 ब हा रु ऽ भि त रु ऽ | दे ऽ खा ऽ ऽ ऽ यो ऽ |  
 २ ०



## राग बिहागरी, मध्यमग्राम, ताल त्रिताल, लय मध्य

राधा संग नहीं खेलन आजे,  
कल ना परे हो रे फगुवा मोहे॥  
तोर तोर केसूड़ा बनते लाई,  
घोलाय रे घोलायो रे रंग ना सोहे॥

स्थायी

प नि - सा ग | ग री - सा - | - नि - सा गरी री | सा नि ध प |  
रा धा ऽ सं ग | ना ऽ हीं ऽ | ऽ खे ऽ ल न | आ ऽ जे ऽ |  
३ x २ ०

प नि - सा ग | ग - म - ग - ग | - प - म ग | री - सा नि |  
क ल ऽ ना प | रे ऽ हो ऽ ऽ ऽ | ऽ रे ऽ फ गु | वा ऽ मो हे |  
३ x २ ०

अंतरा

प प ध प प - म ग | सा री सा नि - |  
तो र ऽ ऽ ऽ ऽ | तो र | के सू डा ऽ ऽ |  
३ x

- सा ग - , ग म प म, ग - | प - प - |  
ऽ व न ऽ ऽ, ते ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ | ल ऽ ई ऽ |  
२ ०

प नि ध प प | म ग री सा |  
घो लाय रे घो ऽ | ला ऽ यो रे |  
३ x

नि प नि - - सा ग ग प म ग | री - सा सा री सा नि |  
ऽ रं ग ऽ ऽ ना ऽ ऽ ऽ ऽ | सो ऽ हे ऽ ऽ ऽ ऽ |  
२ ०

# राग मालव बिहागरो, ताल आध्धो, लय मध्य ठाय

म्हारी कारी भूमरी

वो उते नाले पार है माई॥

गेहूँडा चनारी खेती म्हारी जौ

पेटा के दै है पुरता हांहां माई॥

स्थायी

— — — ग म प ग — | म प — — — ध प म — — |  
 ऽ ऽ ऽ म्हा री ऽ ऽ ऽ | का ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x

ध प — — — म प म ग — — | ग म प नि — — — ध प म — — |  
 री ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | भू ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ म ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 २ ०

प — म प — म ग — — ग म — | प नि — — ध नि सां — |  
 री ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ वो ऽ ऽ | उ ते ऽ ऽ ऽ ना ले ऽ |  
 ३ x

— — सां — सां नि नि सा, रीं सां नि ध प — — |  
 ऽ ऽ पा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ र ऽ ऽ ऽ |  
 २

प ध — — — नि — सां ध नि प |  
 है ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ मा ऽ ३ ऽ ऽ ऽ |  
 ०

— — म प — म ग — — ग म प ग — |  
 ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ म्हा री ऽ ऽ ऽ |  
 ३



## अंतरा

- - - - - प प सां - - | नि - - - ध प - - - |  
 ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ गे हू ऽ ऽ ऽ | ङा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x

नि - सां - - सां - - | सां गं - - सां सां - - - सां सां |  
 च ऽ ना ऽ ऽ री ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ खे ती ऽ ऽ ऽ ऽ म्हा री |  
 २ ०

सां रीं नि सां ध नि - - - सां नि - | ध नि ध - प - म प - म ग - - - |  
 जौ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ पे टा ऽ | के ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ दै ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x

ग - - म म प ध - - - | प - - ध - नि सां - |  
 है ऽ ऽ पु र ता ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | हां ऽ ऽ हां ऽ मा ई ऽ |  
 २ ०

ध नि प - म प - म ग - - ग म प ग - |  
 ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ म्हा री ऽ ऽ ऽ |  
 ३

# राग लंकेश्री, ताल एकताल, लय द्रुत

मांग भरोरी  
सोहे बनीके कान झुमकी  
आवो सहेल्या री॥  
हार गूंथोरी बेला चमेली  
फूले गुलाबे आवो सहेल्या री॥

स्थायी

सां रीं सां सां | - नि ध प - | - ग | म - | प - | सां - |  
मां ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ग ऽ ऽ | ऽ भ | रो ऽ | ऽ ऽ | री ऽ |  
० ३ ४ x ० २

सां रीं सां सां | - नि ध प - | - ग | म - | प - | नि सां नि नि |  
मां ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ग ऽ ऽ | ऽ भ | रो ऽ | ऽ ऽ | री ऽ ऽ ऽ |  
० ३ ४ x ० २

सां रीं सां सां | - नि ध प - | - ग | म - | - - | प - |  
मां ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ग ऽ ऽ | ऽ भ | रो ऽ | ऽ ऽ | री ऽ |  
० ३ ४ x ० २

ग - | - म | - प | प ध - | प म प | म - |  
सो ऽ | ऽ हे | ऽ व | नी ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | के ऽ |  
० ३ ४ x ० २

ग - | - म | - प | प नि - | प - | - ग |  
का ऽ | ऽ न | ऽ झु | म ऽ ऽ | की ऽ | ऽ ऽ |  
० ३ ४ x ० २

ग - | - म | प प | नि सां नि नि | सां रीं सां सां | ध प ग म |  
आ ऽ | ऽ बो | ऽ स | हे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ल्या ऽ री ऽ |  
० ३ ४ x ० २

अनूपरागविलस : १०३



## अंतरा

ग - | - प नि | नि नि | सां - | नि सां - | सां - |  
 हा ऽ | ऽ र ऽ | ऽ गूं थो ऽ | ऽ ऽ ऽ | री ऽ |  
 ० ३ ४ x ० २

प नि नि | - सां गं | गं गं | गं मं पं गं | - - | सां - |  
 वे ऽ ऽ | ऽ ल ऽ | ऽ च मे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ | ली ऽ |  
 ० ३ ४ x ० २

ग - | - म | - प | प ध - | प म प | म - |  
 फू ऽ | ऽ ले | ऽ गु ल ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | वे ऽ |  
 ० ३ ४ x ० २

ग - | - म | प म प | नि सां नि नि | सां रीं सां सां | ध ऋ ग म |  
 आ ऽ | ऽ वो | ऽ ऽ स | हे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ल्या ऽ री ऽ |  
 ० ३ ४ x ० २





# राग दुर्गा, ताल त्रिताल, लय द्रुत

अमोना रे अवरै  
बनु गया मै कां कहूँ रे॥  
सुरन के रंग सो  
समझ लो रे मै जो कहूँ रे॥

## स्थायी

— ध सा सा | म री — प — | म प ध सां ध | प म म — — म री |  
S अ मो ना | रे S S S S | S S अ S ब | रे S S S S S S |  
३ X २ ०

— सा री सा | म — म री — | प — म प ध | प सां ध — म — री |  
S ब नु ग | या S S S S | मै S कां S S | क S S S हूँ S रे |  
३ X २ ०

— ध सा सा |  
S अ मो ना |  
३

## अंतरा

— ध सां रीं | ध सां — — — | सां ध — सां रीं | मं रीं — — |  
S सु र न | के S S S S | S S S रं ग | सो S S S |  
३ X २ ०

— ध सां रीं | ध सां सां सां ध प ध |  
S स म झ | लो S S S रे S S |  
३ X

प म म — री म प ध | प सां ध — म — री |  
मै S S S S जो S S | क S S S हूँ S रे |  
२ ०

— ध सा सा |  
S अ मो ना |  
३

# राग दुर्गा, ताल रूपक, लय मध्य

आनंद झरायोरी

चितवत मन हुलसायो री॥

धवल मुखी बनी, आई निशा है

कैसे करूं मै, बरनी न जायो री॥

स्थाई

म - री - | - म प ध | सां रीं ध - सां - ध प सां ध |  
आ ऽ ऽ ऽ | ऽ नं द झ | रा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ यो ऽ री ऽ |  
२ ३ X

म - म री - - | - प - प म - | प ध, - प - ध ध, - |  
वि ऽ त ऽ ऽ ऽ | ऽ व ऽ त ऽ ऽ | म ऽ, ऽ न ऽ ऽ, ऽ |  
२ ३ X

म - प - | ध सां, - ध - | ध सां रीं - सां - ध प सां ध |  
हु ऽ ल ऽ | सा ऽ, ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ यो ऽ री ऽ ऽ |  
२ ३ X

प म म - - म री - - | - म प ध | सां रीं ध - सां - ध प सां ध |  
आ ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ नं द झ | रा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ यो ऽ री ऽ |  
२ ३ X

अंतरा

सां सां  
म - प - | - ध - ध | सां - ध - सां रीं सां - |  
ध ऽ व ऽ | ऽ ल ऽ मु | खी ऽ ऽ ऽ ब ऽ नी ऽ |  
२ ३ X

सां सां ध, - | - सां रीं रीं | मं - रीं मं रीं सां सां ध |  
आ ऽ ऽ ऽ, ऽ | ऽ ई ऽ नि | शा ऽ ऽ ऽ है ऽ ऽ ऽ |  
२ ३ X

अनूपरागविलस : १०७



प - - - | - म प ध प - | ध - - -, प ध प म म, म री - |  
 कै ऽ ऽ ऽ | ऽ से ऽ ऽ क ऽ | लं ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ मै ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ |  
 २ ३ x

प - प म | ध प सां ध | ध सां री - सां - प ध -, ध सां ध |  
 ब ऽ र ऽ | नी ऽ ऽ न | जा ऽ ऽ ऽ यो ऽ री ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ |  
 २ ३ x

प म म - म री, - - | - म प ध | सां रीं ध - सां - ध प सां ध |  
 आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ | ऽ नं द झ | रा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ यो ऽ री ऽ |  
 २ ३ x

## तराणा, राग काफी, ताल त्रिताल, लय मध्य

दीम् तना रे, तन देरेना  
 तारे तदानी दीम् देरेना ॥  
 ना दिर दिर दानी, तुं दिर दिर दानी, देरेना  
 तान तनन, तनन देरेना ॥

### स्थायी

— री म गु री री सा | सा - नि - | सा - नि सा | री री गु म प गु |  
 S दी S S म त S | ना S S S | रे S त न | दे रे S S S ना |  
 ३ x २ ०

सा - री गु | म - - प | ध नि सां - सां | प - , ध प - गु |  
 S S ता S | रे S S त | दा नी दी S म | दे S, रे S S ना |  
 ३ x २ ०

री री म गु री री सा |  
 S दी S S म त S |  
 ३

### अंतरा

— म म म | प ध - नि | सां नि सां सां | ध - नि सां रीं सां |  
 S ना दिर दिर | दा नी - तुर् | दिर दिर दा नी | दे S रे S S ना |  
 ३ x २ ०

— ध नि सां गुं रीं सां नि नि ध ध प | म प म | प नि ध ध प गु |  
 S ता S S S न | त S न S न S | S त न न | दे S S रे S ना |  
 ३ x २ ०

री री म गु री री सा |  
 S दी S S म त S |  
 ३





# राग झिंझोटी, ताल त्रिताल, लय मध्य और द्रुत

उबो ना रे जाये मोहे  
बलु ना तनु में रे रसिया ॥  
पकर कर राखूं पैयां  
राखी लो अब सब रंग रसिया ॥

स्थायी

|          |            |           |           |
|----------|------------|-----------|-----------|
| - - - सा | सा री ग सा | सा नि - - | ध - सा -  |
| ॐ ॐ ॐ उ  | बो ना रे ॐ | जा ॐ ॐ ॐ  | ये ॐ मो ॐ |
|          | ३          | x         | २         |

|            |            |           |           |
|------------|------------|-----------|-----------|
| री - सा सा | सा री ग सा | सा नि - - | ध - सा -  |
| हे ॐ ॐ उ   | बो ना रे ॐ | जा ॐ ॐ ॐ  | ये ॐ मो ॐ |
| ॐ          | ३          | x         | २         |

|           |            |              |          |
|-----------|------------|--------------|----------|
| री - सा म | प ध सा री  | री म - ग री  | - - ग सा |
| हे ॐ ॐ ब  | लु ना त नु | में ॐ ॐ रे ॐ | ॐ ॐ र सि |
| ॐ         | ३          | x            | २        |

|                 |       |
|-----------------|-------|
| सा री री ग री - | री सा |
| या ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ    | ॐ उ   |
| ॐ               |       |

अंतरा

|          |           |           |                 |
|----------|-----------|-----------|-----------------|
| - - - री | म प ध सां | सां - - - | सां - सां रीं - |
| ॐ ॐ ॐ प  | क र क र   | रा ॐ ॐ ॐ  | खूं ॐ पै ॐ ॐ    |
| ॐ        | ३         | x         | २               |

|                |             |           |                      |
|----------------|-------------|-----------|----------------------|
| सां नि - ध - म | प म प ध सां | सां - - - | सां - सां रीं गं रीं |
| यां ॐ ॐ ॐ ॐ प  | क ॐ र क र   | रा ॐ ॐ ॐ  | खूं ॐ पै ॐ ॐ ॐ       |
| ॐ              | ३           | x         | २                    |

अनूपरागविल्लास : १११



सां लि - ध - री | म प ध सां | रीं - सां - नि ध | ध प - म प |  
 यां ऽ ऽ ऽ ऽ रा | खी लो अ व | स ऽ व ऽ रं ऽ | ग ऽ ऽ र सि |  
 ० ३ x २

म ग री - सा |  
 या ऽ ऽ ऽ उ |  
 ०

## टप्पा, राग झिझोटीसिंधुरा, ताल चाचल, लय मध्य

मीठा बोला हाम सब आजे दिना  
 गल मिल गल लग जाना भावे॥  
 पेसो हो मनावे पिया रे  
 गावे बजावे भावे दिल भरावे॥

स्थायी

ध सा री म - | ग म प ध नि सा - - - ध री री | सा - री री सा |  
 मी ठा बो ला ऽ | हा ऽ ऽ ऽ ऽ म ऽ ऽ ऽ स ब ऽ | आ ऽ जे ऽ ऽ |  
 ० ३ x

नि ध प म प, म ध ध प म ग री सा नि ध |  
 ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, दि ना ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 २

सा री ग री - | म ग री ग सा री - | प - ध सा री ग |  
 ग ल मि ल ऽ | ग ल ल ग जा ना ऽ | भा ऽ वे ऽ ऽ ऽ |  
 ० ३ x

म ग री सा सा नि ध प म ग री सा सा - |  
 ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 २

अंतरा

म प ध सा - | ध सा सा नि ध नि ध प ध सा - री |  
 पे सो हो म ऽ | ना ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ वे ऽ पि |  
 ० ३

सा - सा गं - गं मं गं | सा री - री गं री सा नि ध - - - |  
 या ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ रे ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 x २

अनूपरागविलास : ११३



प - ध सां रीं गं  
रा ऽ वे ऽ ऽ ऽ  
x

मं गं रीं सां सां नि ध प म ग री सा सा -  
 ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५  
 ३

# राग खंवावती, ताल एकताल, लय द्रुत

मुझायग्यो मोगेरो  
मेरो मन बागारो सखि॥  
क्यारो सूक्यो है ग्यो माँ  
कई करूरी मै हौ सखि॥

## स्थायी

|    |    |   |    |     |   |   |     |     |  |      |    |  |    |    |  |    |    |  |
|----|----|---|----|-----|---|---|-----|-----|--|------|----|--|----|----|--|----|----|--|
| ध  | प  | म |    | ग   | - |   | -   | सा  |  | सा   | सा |  | सा | ग  |  | म  | -  |  |
| मु | ५  | र |    | झा  | ५ |   | ५   | य   |  | ग्यो | ५  |  | मो | गे |  | रो | ५  |  |
|    |    |   |    | x   |   |   | ०   |     |  | २    |    |  | ०  |    |  | ३  |    |  |
| प  | ध  |   | नि | सां |   | - | रीं | सां |  | नि   | ध  |  | ध  | प  |  | ग  | म  |  |
| मे | रो |   | म  | न   |   | ५ | बा  | ५   |  | गा   | ५  |  | रो | ५  |  | स  | खि |  |
| ५  |    |   |    | x   |   |   | ०   |     |  | २    |    |  | ०  |    |  | ३  |    |  |

## अंतरा

|      |    |  |    |   |  |      |   |  |     |   |  |      |     |     |     |  |     |   |  |
|------|----|--|----|---|--|------|---|--|-----|---|--|------|-----|-----|-----|--|-----|---|--|
| प    | ध  |  | नि | - |  | सां  | - |  | सां | - |  | सां  | रीं | सां | सां |  | नि  | - |  |
| क्या | रो |  | सू | ५ |  | क्यो | ५ |  | है  | ५ |  | ग्यो | ५   | ५   | ५   |  | माँ | ५ |  |
| ४    |    |  | x  |   |  | ०    |   |  | २   |   |  | ०    |     |     |     |  | ३   |   |  |

|     |     |     |     |  |    |    |  |   |    |   |  |    |   |  |    |   |  |   |    |  |
|-----|-----|-----|-----|--|----|----|--|---|----|---|--|----|---|--|----|---|--|---|----|--|
| सां | रीं | सां | सां |  | नि | ध  |  | प | ध  | प |  | ग  | - |  | ग  | - |  | ग | म  |  |
| कं  | ५   | ई   | ५   |  | क  | रू |  | ५ | री | ५ |  | मै | ५ |  | हौ | ५ |  | स | खि |  |
| ४   |     |     |     |  | x  |    |  | ० |    |   |  | २  |   |  | ०  |   |  | ३ |    |  |



## राग मियामल्हार, ताल त्रिताल, लय द्रुत

सावन झरियो झरि आयोरी  
इतते उतते चहुँ दिस ते  
बादरी गरज बरसायोरी॥  
बांधियो आम्बा पै झूला री  
आवो सहेल्या मिल गावो री॥

स्थार्द

— सा — | री प म गु — म | री सा सा री सा | सा नि — ध |  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x

नि सा री री | सा — — म | म री प म | प नि ध नि सां रीं सां |  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x

नि नि प म री सा नि सा | री प म गु — म | री सा सा री सा | सा नि — ध |  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x

नि सा री री | सा — — म | म री प म | प नि ध नि — |  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x

सां — नि — | सां रीं — नि | सां नि रीं सां सां | ध — नि म प |  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x

गु म नि सा | री प म गु — म | री सा सा री सा | सा नि — ध |  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x  
२ ० ३ x

## अंतरा

— — म री — | प म प म लि | लि प प म | प लि — ध — |  
 ऽ ऽ बां ऽ ऽ | धि ऽ यो ऽ आ | म्बा पै झू ऽ | ला ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 २ ० ३ x

नि सां नि — | सां रीं — — नि | सां नि रीं सां सां | ध — लि म प |  
 री ऽ आ ऽ | बो ऽ ऽ ऽ स | हे ल्या मि ऽ ल | गा ऽ ऽ बो ऽ |  
 २ ० ३ x

गु म नि सा | री प म गु — म | री सा सा री सा | सा नि — ध |  
 री ऽ सा ऽ | व ऽ न ऽ ऽ झ | रि यो झ ऽ रि | आ ऽ ऽ ऽ |  
 २ ० ३ x



# राग शुद्धमल्हार, ताल त्रिताल, लय मध्य

रितु बरखाई बरसन लागी  
बौछारन सननन कर बोलाई॥  
पपिहा मुसला दादुरवा बोले  
गरजत घन चहुँ दिसते घेराई॥

स्थाई

— — — — म म री — — प म — | म — प ध — — प |  
S S S S रि S तु S S ब र S | खा S ई S S S S |  
३ X

— री म — प ध — | ध सां — प ध — प प — — म |  
S ब र S स न S | ला S S गी S S S S S S S S |  
२ ०

म — म प म — — म री | सा सा सां रीं सां सां |  
S S बो S S S S छा S | र न स S न न |  
३ X

ध ध म म | म प ध — प ध — — म म प |  
न न क र | बो S S S S ला S S S ई S |  
२ ०

अंतरा

— — री म — प ध — | सां ध सां — |  
S S प पी S हा S S | मु र ला S |  
३ X

— ध सां — ध प | प ध — प म — प म |  
S दा S S दु र | बो S S S S S ले S |  
२ ०

— सां सां ध प म म री सा री | प म — ध प |  
 S ग S र S ज S त S S घ न S च हूँ |  
 ३ x

प सां — — ध सां रीं मं रीं | ध सां प प ध — प म म — ध प |  
 दि S S S स ते S S S धे S S रा S S S S ई S S S |  
 २ ०

प — म म री — — प म — |  
 S S रि S तु S S ब र S |  
 ३



# राग रामदासीमल्हार, ताल त्रिताल, लय द्रुत

ये बाजु रे लंगर (तुरक)  
जिन छुवो मोरी बैयन सो॥  
हूँ तो विकल मन की नार  
जात दस्स मंदर सो॥

## स्थायी

— — री ग म प | म गु — म गु — | — म प म म री | री प — — री |  
 ३ ३ ये ३ ३ ३ | बा ३ ३ ३ ३ ३ | ३ ३ ३ ३ ३ जु | रे ३ ३ ३ लं |  
 ३ x २ ०

नि सा री ग म प | म गु — म गु — | — म प म म री | री प — — सा |  
 ३ ग र ये ३ ३ ३ | बा ३ ३ ३ ३ ३ | ३ ३ ३ ३ ३ जु | रे ३ ३ ३ लं |  
 ३ x २ ०

री ग म प नि प | म गु — म गु — | — म प म म री | री प — — री |  
 ३ ग र ये ३ ३ ३ | बा ३ ३ ३ ३ ३ | ३ ३ ३ ३ ३ जु | रे ३ ३ ३ लं |  
 ३ x २ ०

नि सा — प प | म गु म री सा | नि सा नि नि म प | म गु — म गु म गु |  
 ३ ग र ३ जि ३ | न ३ ३ छु वो | मो री बै ३ ३ ३ | य ३ ३ न ३ सो ३ |  
 ३ x २ ०

— — री ग म प |  
 ३ ३ ये ३ ३ ३ |  
 ३

## अंतरा

— — प ध | नि सां — सां | — ध नि सां | रीं नि सां नि सां |  
 ३ ३ हूँ तो | बि क ३ ल | ३ म न की | ना ३ ३ ३ ३ |  
 ३ x २ ०

सां — नि नि प म | प ध नि सां — सा | री ग नि नि म प | म गु — म गु म गु |  
 ३ र ३ जा ३ ३ ३ | त ३ ३ ३ ३ ३ द | र स मं ३ ३ ३ | द ३ ३ र ३ सो ३ |  
 ३ x २ ०

— — री ग म प |  
 ३ ३ ये ३ ३ ३ |  
 ३

# राग गौडमल्हार, ताल एकताल, लय मध्य

रितु बरखा आई  
घन गरजे गरजे  
विजली चमाकड़ बरसे ॥  
सननन सननन करि हो  
चहुँ दिसि घेरी री है  
अवहि धमाकड़ बरसे ॥

## स्थायी

|    |    |    |    |    |   |   |   |   |    |   |    |   |   |   |
|----|----|----|----|----|---|---|---|---|----|---|----|---|---|---|
| म  | म  | री | री | प  | - | - | म | प | नि | ध | नि | प | ध | प |
| रि | तु | ब  | र  | खा | S | S | S | आ | S  | S | S  | ई | S | S |
| ३  |    | ४  |    | X  |   | ० |   | २ |    |   |    | ० |   |   |

|    |    |   |   |   |   |    |    |   |   |   |   |    |   |    |   |   |   |
|----|----|---|---|---|---|----|----|---|---|---|---|----|---|----|---|---|---|
| म  | म  | प | म | म | - | री | प  | - | - | म | प | नि | ध | नि | प | ध | प |
| रि | तु | ब | S | S | S | र  | खा | S | S | S | आ | S  | S | S  | ई | S | S |
| ३  |    | ४ |   |   |   |    | X  |   | ० |   | २ |    |   |    | ० |   |   |

|   |   |   |   |    |   |   |   |    |   |   |   |    |   |   |   |   |
|---|---|---|---|----|---|---|---|----|---|---|---|----|---|---|---|---|
| म | म | म | म | प  | म | म | - | री | - | म | म | प  | म | म | - | - |
| घ | न | ग | र | जे | S | S | S | S  | S | ग | र | जे | S | S | S | S |
| ३ |   | ४ |   | X  |   |   |   | ०  |   | २ |   | ०  |   |   |   |   |

|    |    |    |   |    |    |     |    |     |   |   |   |    |   |   |   |   |
|----|----|----|---|----|----|-----|----|-----|---|---|---|----|---|---|---|---|
| म  | री | प  | प | ध  | नि | सां | री | सां | - | म | म | प  | म | म | - | - |
| वि | ज  | ली | च | मा | S  | S   | S  | कड़ | S | ब | र | से | S | S | S | S |
| ३  |    | ४  |   | X  |    |     |    | ०   |   | २ |   | ०  |   |   |   |   |

## अंतरा

|     |     |   |    |   |   |   |    |   |    |   |    |    |    |   |
|-----|-----|---|----|---|---|---|----|---|----|---|----|----|----|---|
| सां | सां | ध | नि | प | म | म | री | म | री | प | म  | प  | नि | ध |
| स   | न   | न | S  | न | स | न | न  | S | न  | क | रि | हो | S  | S |
| ३   |     | ४ |    |   | X |   | ०  |   |    | २ |    | ०  |    |   |

|    |     |     |   |    |   |   |   |    |   |    |   |    |    |   |
|----|-----|-----|---|----|---|---|---|----|---|----|---|----|----|---|
| नि | सां | सां | ध | नि | प | म | म | री | म | री | प | म  | प  | - |
| स  | S   | न   | न | S  | न | स | न | न  | S | न  | क | रि | हो | S |
| ३  |     |     | ४ |    |   | X |   | ०  |   |    | २ |    | ०  |   |

अनूपरागविलास : १२१



|   |     |    |    |    |   |     |    |     |     |    |     |     |     |   |    |
|---|-----|----|----|----|---|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|---|----|
| म | प   | नि | ध  | नि | - | सां | नि | सां | रीं | गं | रीं | सां | सां | ध | नि |
| च | हुँ | दि | सि | घे | ऽ | री  | ऽ  | री  | ऽ   | ऽ  | ऽ   | है  | ऽ   | ऽ | ऽ  |
| ३ |     | ४  |    | x  |   | ०   |    | २   |     |    |     | ०   |     |   |    |

|   |     |    |    |    |   |     |    |     |     |    |     |     |     |   |
|---|-----|----|----|----|---|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|---|
| म | प   | नि | ध  | नि | - | सां | नि | सां | रीं | गं | रीं | सां | सां | - |
| च | हुँ | दि | सि | घे | ऽ | री  | ऽ  | री  | ऽ   | ऽ  | ऽ   | है  | ऽ   | ऽ |
| ३ |     | ४  |    | x  |   | ०   |    | २   |     |    |     | ०   |     |   |

|   |    |    |   |    |    |     |     |     |   |   |   |    |   |   |   |   |
|---|----|----|---|----|----|-----|-----|-----|---|---|---|----|---|---|---|---|
| म | री | प  | प | ध  | नि | सां | रीं | सां | - | म | म | प  | म | म | - | - |
| अ | ब  | ही | ध | मा | ऽ  | ऽ   | ऽ   | कइ  | ऽ | ब | र | से | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ |
| ३ |    | ४  |   | x  |    |     |     | ०   |   | २ |   | ०  |   |   |   |   |

# तराणा, राग गौडमल्हार, ताल त्रिताल, लय द्रुत

दीम् तानोम् तनन देरेना  
तारे दानी तदानी दानी तोम् नोम् तोम्॥  
दीया नारे तदियनरे तोम् दिर दिर तोम्  
तन नन नन नांद्रे तुंद्रे तोम् नोम् तोम्॥

स्थायी

— सां — सां | ध नि प — प ध | ध प म म | प म म री प — |  
ॡ ॡ दी ॡ म् | ता ॡ नो ॡ म् त | न न दे रे | ना ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ ॡ |  
२ ० ३ x

— सा री | ग म — प | म ग री ग री | री प — प प नि ध ध |  
ॡ ॡ ता रे | दा नी ॡ त | दा नी दा ॡ नी | तो ॡ ॡ म् नो ॡ ॡ म् |  
२ ० ३ x

नि — नि सां — सां |  
तो ॡ म् दी ॡ म् |  
२

अंतरा

— री म | प सां नि नि नि | ध म प प | ध नि सां रीं सां सां |  
ॡ ॡ दी या | ना रे ॡ ॡ त | दि य न रे | तो ॡ ॡ म् दिर दिर |  
२ ० ३ x

रीं — रीं सां रीं सां सां | ध नि प ध प म म — ग |  
तो ॡ म् त ॡ न ॡ | न ॡ न ॡ न ॡ ॡ ॡ न |  
२ ०

री ग म प | प सां — सां ध नि म म |  
नां द्रे तुं द्रे | तो ॡ ॡ म् नो ॡ ॡ म् |  
३ x

प प सां — सां |  
तो ॡ म् दी ॡ म् |  
२



# राग सूर्मलहार, ताल एकताल, लय द्रुत

नीको नीको लाम्योरी  
नीको नी क्यौँ लाम्योरी  
रंग सुरंग साचो आछोरी॥  
रेसम की डोर बनाउँ  
बंथाउँ झुलाउंरी॥

## स्थायी

— प म | री म | प — | सां नि नि | ध प ध | प ध प |  
S नी S | को नी | को S | ला S S | S S S | म्यो S री |  
० ३ ४ x ० २

— प म | री म | प — | सां नि नि | ध प ध | प ध प |  
S नी S | को नी | क्यौँ S | ला S S | S S S | म्यो S S |  
० ३ ४ x ० २

— री | म प | नि सां | नि सां रीं सां | सां — नि | नि ध ध प |  
S रं | ग सु | रं ग | सा S S चो | S S आ | छो S री S |  
० ३ ४ x ० २

प प म | री म | प — |  
S नी S | को नी | को S |  
० ३ ४

## अंतरा

— म म | — री | म प | नि सां — | सां नि सां | रीं सां — सां |  
S रे S | S स | म की | डो S S | र ब S | S ना S उँ |  
० ३ ४ x ० २

— नि सां | रीं मं रीं सां | नि ध प म | म — | म प प सां — नि | ध प ध |  
S बं S | S S धा S | उँ S S S | झु S | ला S S S S | उं री S |  
० ३ ४ x ० २

प प म | री म | प — |  
S नी S | को नी | को S |  
० ३ ४

## राग दरबारी, ताल सादरा, लय ठाय

धरो रे मन धीर रे  
अब काहे डर तोहे  
तुम वीर हो वीर रे॥  
निडर मुख देख सब  
गुण ही गुण गाय रे  
तुम वीर हो वीर रे॥

स्थायी

प सा  
नि प री - सा - - - री नि सा - - - सा - री नि सा नि सा री  
ध ऽ रो ऽ रे ऽ ऽ ऽ म न धी ऽ ऽ ऽ र ऽ रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ  
x २ ० ३

सा  
री - री - गु - - - म - री - सा - सा री, - नि - सा -  
अ ऽ व ऽ का ऽ ऽ ऽ हे ऽ ड ऽ र ऽ तो ऽ, ऽ ऽ ऽ हे ऽ  
x २ ० ३

सा  
म - सा - म - री - सा री नि सा प - गु म री - सा री सा नि सा री  
तु ऽ म ऽ बी ऽ ऽ ऽ र ऽ हो ऽ बी ऽ ऽ ऽ र ऽ रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ  
x २ ० ३

अंतरा

प  
म - प - प - नि प नि प सां - - - सां - - सां सां -  
नि ऽ ड ऽ र ऽ मु ऽ ख ऽ दे ऽ ऽ ऽ ख ऽ ऽ स व ऽ  
x २ ० ३

नि सां  
नि - सां - सां - नि रीं सां रीं सां - - नि रीं - नि - नि प  
गु ऽ ण ऽ ही ऽ ऽ गु ण ऽ गा ऽ ऽ ऽ य ऽ रे ऽ ऽ ऽ  
x २ ० ३

अनूपरागविलस : १२५



नि म, - म - | नि प, - सां म, - प नि | प - गु म | री - सा री सा नि सा री |  
 तु ङ, ङ म ङ | बी ङ, ङ ङ ङ, ङ र हो | बी ङ ङ ङ | र ङ रे ङ ङ ङ ङ |  
 ५ २ ० ३

# राग दरबारी, ताल एकताल, लय द्रुत

है दरबार में, गुनियन को पूछे

राग ताल को प्रमाण ॥

रोब भरे गाल सबे, सभी ठोर येही येही

नानन कछु दे प्रमाण ॥

## स्थायी

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|----|----|
| गु | म  | प  | म  | री | -  | सा | सा | री | -  | नि  | सा | -  | नि | सा | री |
| है | ५  | ५  | ५  | द  | ५  | र  | बा | ५  | ५  | ५   | ५  | ५  | ५  | ५  | र  |
| x  |    |    | ०  |    | २  |    | ०  |    |    | ३   |    |    |    |    | ४  |
| नि | सा | री | म  | गु | म  | गु | म  | गु | म  | प   | -  | म  | री | -  | सा |
| गु | नि | य  | न  | ५  | को | ५  | ५  | ५  | पू | ५   | ५  | छे | ५  | ५  | ५  |
| x  |    | ०  |    | २  |    |    |    |    | ०  |     |    | ३  |    |    | ४  |
| नि | सा | री | म  | गु | म  | गु | म  | गु | म  | प   | -  | म  | री | -  | सा |
| गु | नि | य  | न  | ५  | को | ५  | ५  | ५  | पू | ५   | ५  | छे | ५  | ५  | ५  |
| x  |    | ०  |    | २  |    |    |    |    | ०  |     |    | ३  |    |    | ४  |
| म  | -  | म  | प  | -  | प  | नि | नि | प  | म  | प   | नि | नि | गु | -  | गु |
| रा | ५  | ग  | ता | ५  | ल  | को | ५  | ५  | ५  | प्र | ५  | मा | ५  | ५  | ण  |
| x  |    | ०  |    | २  |    | ०  |    |    |    | ३   |    |    |    |    | ४  |

## अंतरा

|     |     |   |     |    |     |    |     |     |     |     |     |    |     |   |
|-----|-----|---|-----|----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|---|
| म   | -   | म | प   | नि | म   | नि | प   | नि  | सां | -   | सां | नि | सां | - |
| रो  | ५   | ब | भ   | रे | ५   | ५  | ५   | गा  | ५   | ५   | ल   | स  | वे  | ५ |
| x   |     | ० |     | २  |     |    |     | ०   |     |     | ३   |    |     | ४ |
| सां | रीं | - | सां | -  | सां | नि | सां | रीं | सां | धु  | नि  | प  |     |   |
| स   | भी  | ५ | ओ   | ५  | र   | ये | ५   | ही  | ५   | ये  | ५   | ही |     |   |
| x   |     | ० |     | २  |     | ०  |     | ३   |     |     |     |    | ४   |   |
| म   | -   | म | म   | प  | प   | नि | नि  | प   | म   | प   | नि  | नि | गु  | - |
| ना  | ५   | न | न   | क  | छु  | दे | ५   | ५   | ५   | प्र | ५   | मा | ५   | ५ |
| x   |     | ० |     | २  |     | ०  |     |     |     | ३   |     |    |     | ४ |



## राग अडाणा, ताल त्रिताल, लय द्रुत

बाहेला आज्यो रे  
अब मोसे ज्यो ना जाय रे  
जोबन क्यो है जोरा रे॥  
आंगन के बिच ठाडी मै  
आव घरा आव मिलो रे  
इकेली मै डर बहु डर लागे रे॥

### स्थाई

— नि नि प म नि प | सां — — — | नि धु — नि — | नि सां रीं रीं सां — |  
३ ना ३ हे ३ ३ ३ | ला ३ ३ ३ | ३ ३ ३ आ ३ | ज्यो ३ ३ ३ रे ३ |  
३ X ३ ०

— नि नि प म प नि | प नि गु — — | गु म प नि प म गु म | री — — री सा |  
३ अ ३ ब ३ मो ३ | से ३ ३ ३ ३ | ज्यो ३ ३ ३ ३ ना ३ ३ | जा ३ ३ य रे |  
३ X ३ ३ ०

— सा री म | प — नि धु — | धु नि — नि सां — नि | नि सां रीं — — सां |  
३ जो ब न | क ३ ज्यो ३ ३ | है ३ ३ जो ३ ३ ३ | रा ३ ३ ३ ३ रे |  
३ X ३ ३ ०

— नि नि प म नि प |  
३ ना ३ हे ३ ३ ३ |

### अंतरा

— नि नि प म री सा | सां — — — | नि धु — नि सां | नि सां रीं — — सां |  
३ आं ३ ग ३ न ३ | के ३ ३ ३ ३ | ३ ३ ३ बि च | ठा डी ३ ३ ३ मै |  
३ ० X ३ ३ ०

— नि सां सां नि | मं रीं — — | — नि सां सां नि | नि सां रीं सां नि धु — |  
३ आ ३ व ष | रा ३ ३ ३ ३ | ३ आ ३ व मि | लो ३ ३ ३ रे ३ ३ |  
३ X ३ ३ ०

- सा री म | प - नि ध | नि नि सां सां नि | नि सां री - - सां |  
 ऽ इ के ली | मै ऽ ड र | ब हु ड र ऽ | ला गे ऽ ऽ ऽ रे |  
 ३ x २ ०

- नि नि प म नि प |  
 ऽ बा ऽ हे ऽ ऽ ऽ |  
 ३





नि ध, --, --, --    नि ध, --, --, --  
 ना ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ    उ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ  
 x

सां नि, --, सां --, --    सां --, -- |  
 पा ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ    छे ऽ ऽ ऽ

नि --, सां --, --, गुं मं    नि ध, --, --, --  
 मि ऽ, ल ऽ, ऽ ऽ, ण ऽ    रो ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ  
 २

नि ध, --, --, नि सां    नि ध, म, म, -- |  
 ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ, आ ऽ    नं ऽ, ऽ, द, ऽ

सा म गु म, म नि ध नि, नि सां --, --, --  
 म ऽ न ऽ, ऊ ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ  
 ०

गुं सां सां --, नि ध --, म गु --, -- गु --  
 री ऽ ऽ ऽ, झा ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ य ऽ

गु, म नि ध सां नि --, ध, --    म गु, म --, गु --, -- |  
 य, ही ऽ ऽ ऽ ऽ, र, ऽ    हि ऽ, ऽ ऽ, यो ऽ, ऽ ऽ

सा --, --    सा --, --, गु म, नि --    सा -- सा --    --, सा गु, -- गु, म -- |  
 ऽ ऽ ऽ    ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ, ऽ ऽ    ऽ ऽ जी ऽ    ऽ ऽ, आ ऽ, ऽ ये, ऽ ऽ  
 ३



# राग मालकौंस, ताल त्रिताल, लय द्रुत

ये सब भये (रे) सोहर  
भयो देखिला रे दूमर  
उतपतियो चेता भयो रे॥  
वन रस भरे रंग सो  
निरख मन आनंद भयो रे॥

## स्थायी

|               |                  |              |            |
|---------------|------------------|--------------|------------|
| — — — सा म    | गु म गु सा नि    | सा — — —     | — — नि —   |
| ॐ ॐ ॐ ये ॐ    | ॐ ॐ स ब भ        | ये ॐ ॐ ॐ     | ॐ ॐ सो ॐ   |
|               | ३                | x            | २          |
| गु सा — नि सा | गु सा ध नि ध     | ध — — —      | सा नि सा — |
| ह र ॐ भ ॐ     | यो ॐ दे ॐ खि     | ला ॐ ॐ ॐ     | रे ॐ दू ॐ  |
|               | ३                | x            | २          |
| म गु — नि     | सा म गु ध म नि ध | नि सां — — ध | नि ध गु म  |
| भ र ॐ उ       | त प ॐ ति ॐ यो ॐ  | चे ॐ ॐ ॐ ता  | ॐ भ यो ॐ   |
|               | ३                | x            | २          |
| गु नि — सा म  |                  |              |            |
| रे ॐ ॐ ये ॐ   |                  |              |            |
|               |                  |              |            |

## अंतरा

|             |                  |             |                |
|-------------|------------------|-------------|----------------|
| — — — म गु  | म गु म नि ध नि ध | ध सां — — — | — — नि गुं गुं |
| ॐ ॐ ॐ ब ॐ   | न ॐ र स ॐ भ ॐ    | रे ॐ ॐ ॐ ॐ  | ॐ ॐ ॐ रं ग     |
|             | ३                | x           | २              |
| सां — — ध   | नि सा गु म       | नि ध — गु   | म ध म गु —     |
| सो ॐ ॐ नि   | र ख म न          | आ नं ॐ द    | ॐ भ ॐ यो ॐ     |
|             | ३                | x           | २              |
| नि — — सा म |                  |             |                |
| रे ॐ ॐ ये ॐ |                  |             |                |
|             |                  |             |                |

# राग वागेश्वरी (बागेश्री), ताल झुमरा, लय विलंबित

सोहत हृथमा बीन  
धवल चीरमा तम लागोही नीको  
शिर मुगुट नोक हम कै अत भावई॥  
तुम हो ज्ञान सतरूप प्रिया कुँवरी  
अगम अपार गुण अनंत बहुरंगी  
वरदायनी, हम कै अत भावई॥

स्थाई

म - - प गु - री - री म, गु, म, - गु, म, ध, ध प सा - - - नि ध नि सां सां - - -  
सो ऽ ऽ ह त ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ह, थ, मा ऽ बी ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ न ऽ ऽ ऽ  
३ X

म - - - - ध नि ध सां री, सां सां, -, नि ध - - नि  
ध ऽ ऽ ऽ ऽ व ल ऽ ची ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, र मा ऽ ऽ ऽ  
२

ध ध, -, प, - - - म - - - प म  
त ऽ, ऽ, म, ऽ ऽ ऽ ल ऽ ऽ ऽ गो हि  
०

म ध, प, नि, ध प म गु, री, म गु, म गु री - सा - - सा म गु  
नी ऽ, ऽ, ऽ, ऽ को ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ शि ऽ र ऽ ऽ मु गु ट  
३

म ध, -, -, - ध प नि - ध - - -  
नो ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ क ऽ ऽ ऽ  
X

म ध, -, प, - प नि, -, ध, - ध सां, -, नि, - सां मं, गुं मं, रीं, सां  
ह ऽ, ऽ, म, ऽ कै ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ, ऽ, ऽ, अ, त  
२

म गु, -, री, - री म, गु, म, - गु री - सा -  
भा ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ वई ऽ ऽ ऽ  
०



## अंतरा

म गु, -, म, -    म ध, -, -, -    म नि, -, -, -    ध - नि ध |  
 तु ङ, ङ, म, ङ    हो ङ, ङ, ङ, ङ    ज्ञा ङ, ङ, ङ, ङ    न ङ स त

३

नि सां, -, -, -    सां, -, सां नि, -    रीं सां, -, मं गुं, मं |  
 रु ङ, ङ, ङ, ङ    प, ङ, प्रि ङ, ङ    या ङ, ङ, ङ, ङ, ङ

x

रीं, -, सां, सां रीं    नि सां, -, -, -    म - - ध - नि - सां |  
 कुं, ङ, ङ, व ङ    रीं ङ, ङ, ङ, ङ    अ ङ ङ ग    ङ म ङ अ

२

सां नि - -    ध, -, ध ध, -    प, -, म प ध -, प |  
 पा ङ ङ ङ    र, ङ, गु ङ, ङ    ण, ङ, ङ, ङ, ङ, अ

०

ध - - -    ध - ध नि    सां मं, -, -, गुं मं    रीं, सां, सां रीं, सां सां |  
 नं ङ ङ ङ    त ङ ब हु    रं ङ, ङ, ङ, ङ, ङ    गी, ङ, ब ङ, र ङ

३

नि - - -    ध - नि -    ध ध, -, प, - |  
 दा ङ ङ ङ    ङ ङ ङ ङ    य ङ, ङ, नी, ङ

x

म ध, -, प, -    प नि, -, ध, -    ध सां, -, नि, -    सां मं, गुं मं, रीं, सां |  
 ह ङ, ङ, म, ङ    कै ङ, ङ, ङ, ङ    ङ ङ, ङ, ङ, ङ    ङ ङ, ङ, ङ, अ, त

२

म गु, -, री, -    री म, गु, म, - गु    री - सा - |  
 भा ङ, ङ, ङ, ङ    ङ ङ, ङ, ङ, ङ, ङ    वई ङ ङ ङ

०

# राग वागेश्वरी (बागेश्री), ताल एकताल, लय द्रुत

बरदायनी हो री  
धन री धन धन री जय री  
सब बिघन हरो हमरो॥  
गल फूल माल शोभै  
धर त्रिगुल पशु हाथै  
सब असुर कर संहारो॥

## स्थायी

|    |    |    |    |    |   |    |    |    |    |    |   |    |    |    |   |   |   |   |   |
|----|----|----|----|----|---|----|----|----|----|----|---|----|----|----|---|---|---|---|---|
| म  | ग  | री | म  | नि | ध | नि | ध  | प  | ध  | ध  | प | म  | प  | म  | प | ध | प | - |   |
| ब  | ५  | र  | दा | ५  | ५ | ५  | य  | नी | हो | ५  | ५ | ५  | री | ५  | ५ | ५ | ५ | ५ |   |
| ४  |    |    | x  |    | ० |    | २  |    | ०  |    |   |    | ३  |    |   |   |   |   |   |
| म  | ग  | री | म  | नि | ध | नि | ध  | प  | म  | प  | ध | म  | -  |    |   |   |   |   |   |
| ब  | ५  | र  | दा | ५  | ५ | ५  | य  | नी | ५  | ध  | न | री | ५  |    |   |   |   |   |   |
| ४  |    |    | x  |    | ० |    | २  |    |    | ०  |   | ३  |    |    |   |   |   |   |   |
| -  | -  |    | प  | म  | प | ध  | म  | प  | म  | प  | ध | म  | -  |    |   |   |   |   |   |
| ५  | ५  |    | ध  | न  | ध | न  | री | ५  | ५  | ज  | य | री | ५  |    |   |   |   |   |   |
| ४  |    |    | x  |    | ० |    | २  |    |    | ०  |   | ३  |    |    |   |   |   |   |   |
| री | री | सा | नि | सा | म | ग  | म  | नि | ध  | नि | ध | प  | म  | म  | प | प | ध | प | - |
| स  | ५  | ब  | ५  | बि | घ | ५  | न  | ह  | रो | ५  | ह | म  | ५  | रो | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| ४  |    |    | x  |    |   | ०  |    | २  |    | ०  |   |    |    | ३  |   |   |   |   |   |

## अंतरा

|    |    |    |      |     |     |    |     |     |    |     |    |   |    |   |    |     |    |    |     |
|----|----|----|------|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|----|---|----|---|----|-----|----|----|-----|
| म  | ग  | म  | ग    | म   | ध   | -  | ध   | सां | नि | नि  | ध  | ध | म  | ध | नि | सां | ध  | नि | सां |
| ग  | ५  | ल  | ५    | फू  | ५   | ५  | ल   | मा  | ५  | ५   | ५  | ल | शो | ५ | ५  | ५   | मे | ५  | ५   |
| ४  |    |    | x    |     |     |    | ०   |     | २  |     |    |   | ०  |   |    |     | ३  |    |     |
| ध  | ध  |    | नि   | सां | सां | मं | रीं | सां | नि | सां | नि | ध |    |   |    |     |    |    |     |
| ध  | र  |    | त्रि | शु  | ल   | प  | र   | शु  | हा | ५   | थै | ५ |    |   |    |     |    |    |     |
| ४  |    |    | x    |     | ०   |    | २   |     | ०  |     | ३  |   |    |   |    |     |    |    |     |
| री | री | सा | नि   | सा  | म   | ग  | म   | नि  | ध  | नि  | ध  | म | म  | ध | म  | प   |    |    |     |
| स  | ५  | ब  | ५    | अ   | सु  | ५  | र   | क   | र  | सं  | हा | ५ | रो | ५ | ५  | ५   |    |    |     |
| ४  |    |    | x    |     |     | ०  |     | २   |    | ०   |    |   | ३  |   |    |     |    |    |     |



## राग बागेश्री, ताल त्रिताल, लय मध्य

तानन की तान की मै

कैसे करुं बखान री॥

सुरत नई नई बनाय बनेरी

उगम सुर लय आघात दौ री॥

स्थायी

सा गु म ध नि ध म गु | म री - सा - | म - - गु | म ध - ध नि सा |  
ता ५ ५ ५ ५ ५ न ५ | ५ न ५ की ५ | ता ५ ५ न | की ५ ५ मै ५ ५ |  
० ३ x २

गु म ध नि सां ध | प म प म ध ध प - |  
कै ५ ५ ५ ५ से | ५ ५ क रुं ब ५ ५ ५ |  
० ३

म गु - - री री म गु म | री - सा सा - |  
खा ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ | न ५ री ५ ५ |  
x २

अंतरा

सा गु म नि | ध नि सां नि | सां - सां नि | रीं नि सां - |  
सु र त न | ई न ई ब | ना ५ य ब | ने ५ री ५ |  
० ३ x २

सा गु म नि | ध नि सां सां | सां नि ध ध प म - म | म प प ध प - गु म सा |  
उ ग म सु | र ल य आ | घा ५ ५ ५ ५ ५ ५ त | दौ ५ ५ ५ ५ ५ ५ री ५ ५ |  
० ३ x २

# राग कौशीकानडा, ताल त्रिताल, लय मध्यद्वुत

आ जानु रे, आ रे मना  
सबही सुंदर नजर सोहायो॥  
सुघर सुनरवा गढ लायो रे  
नेक पैछानु रे सोहायो॥

स्थाय

सां गु - गुं म - मं धु | - - प - म | प गु म - | गु - - - |  
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ जा ऽ नु | रे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |  
० ३ x २

गुं म - - गुं म | प गु - री सा | री - - - | सा - - - |  
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ रे ऽ म ऽ | ना ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |  
० ३ x २

री नि सा म गु | म नि धु प | म - - गु म | प म प गु - |  
स ब ही सुं द | र न ज र | सो ऽ ऽ हा ऽ | ऽ ऽ यो ऽ ऽ |  
० ३ x २

अंतरा

सां नि धु प | म गु री सा | सा गु म नि धु | नि - सां - |  
सु घ र सु | न र वा ऽ | ग ढ ला ऽ ऽ | यो ऽ रे ऽ |  
० ३ x २

धु नि सां रीं नि सां रीं सां - | धु नि धु प | म - - गु म | प म प गु - |  
ने ऽ ऽ ऽ क पै ऽ ऽ ऽ | छा ऽ नु रे | सो ऽ ऽ हा ऽ | ऽ ऽ यो ऽ ऽ |  
० ३ x २



# राग कौशीकानडा, ताल त्रिताल, लय मध्यद्रुत

बादर छायो है

कितक दिन बीत्यो, दरस ना तेरो॥

उमंग विहंग कुछ सूझौ ना बूझौ रे

बिकल मन तरस दरस ना तेरो॥

स्थायी

— — — सा गु | म गु — सा | सा — — — | री सा सा नि सा री — |  
 ॐ ॐ ॐ बा ॐ | ॐ द ॐ र | छा ॐ ॐ ॐ | यो ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ |  
 ० ३ x २

री नि — सा गु | म गु — सा | सा — — — | नि — री — |  
 है ॐ ॐ ना ॐ | ॐ द ॐ र | छा ॐ ॐ ॐ | ॐ ॐ यो ॐ |  
 ० ३ x २

री सा — — | — सा नि — सा म गु — म ध नि — — |  
 है ॐ ॐ ॐ | ॐ कि ॐ ॐ त क ॐ ॐ दि न ॐ ॐ ॐ |  
 ० ३

नि सां — — नि ध — — प म गु — — | म गु म ध प प |  
 बी ॐ ॐ ॐ त्यो ॐ ॐ ॐ ॐ द ॐ ॐ ॐ | र स ना ॐ ॐ ॐ |  
 x २

म गु री नि सा गु |  
 ते ॐ रो ॐ बा ॐ |  
 ०

अंतरा

— — — नि | सा गु म ध नि सां नि ध | नि सां — सां — | — — सां — |  
 ॐ ॐ ॐ उ | मं ग ॐ ॐ ॐ ॐ बि ॐ | हं ॐ ॐ ग ॐ | ॐ ॐ क ॐ |  
 ० ३ x २

१३८ : अनूपरागविलास

सां - - सां नि - सां गुं मं गुं सां सां - नि रीं सां सां नि ध - प -  
 छ ५ ५ सू ५ ५ झौ ५ ५ ना ५ वू ५ ५ ५ ५ ५ झौ ५ ५ ५ ५  
 ० ३ x २

म - - - - सां नि - ध प - म प - गु म म गु म गु म ध प प  
 रे ५ ५ ५ ५ बि क ५ ल म ५ न ५ ५ तर स द र स ना ५ ५ ५  
 ० ३ x २

म गु री सा नि - - सा गु  
 ते ५ रो ५ ५ ५ ५ बा ५





$\overbrace{\text{नि री, नि, ध, प}} \quad \overbrace{\text{म, ग, म सा, -}} \quad \overbrace{\text{ग, -, म, नि}} \quad |$   
 रा ऽ, ऽ, ऽ, य ऽ, ऽ, ङु ऽ, ऽ रा, ऽ, ऽ, ऽ  
 ०

$\overbrace{\text{धु प, -, म, ग}} \quad \overbrace{\text{म ग री सा}} \quad \overbrace{\text{सा सां, -, नि, ध}} \quad \overbrace{\text{प, -, म, ग}} \quad |$   
 यो ऽ, ऽ, ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ रे अ ऽ, ऽ, ब, ऽ ऽ, ऽ, स, न  
 ३

## अंतरा

$\overbrace{\text{---}} \quad \overbrace{\text{---}} \quad \overbrace{\text{म, -, -, धु नि, सां -}} \quad \overbrace{\text{--, सां -, सां -, --}} \quad |$   
 ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ तू, ऽ, ऽ, ऽ, भी ऽ, ऽ, ऽ ऽ, अ, त, ऽ, ऽ, ऽ  
 ३

$\overbrace{\text{सां - - -}} \quad \overbrace{\text{री नि नि गं}} \quad \overbrace{\text{गं री सां -}} \quad |$   
 का ऽ, ऽ, ऽ रो ऽ, ऽ, ऽ रे ऽ, ऽ, ऽ  
 x

$\overbrace{\text{धु नि, म, -, गं -, --}} \quad \overbrace{\text{री, सां, -, सा री}} \quad \overbrace{\text{सा सा, --, धु सां, --}} \quad \overbrace{\text{नि धु प -}} \quad |$   
 नि ङु, र, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ म, न, ऽ, ब, ऽ ना, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ लै, ऽ, ऽ, ऽ  
 २

$\overbrace{\text{प धु, प प, म ग, --}} \quad \overbrace{\text{म ग, --, म सा, --}} \quad \overbrace{\text{ग - म नि}} \quad |$   
 शो, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ क, ऽ, ऽ, ऽ, ब, ऽ, ऽ, ऽ ङा, ऽ, ऽ, ऽ  
 ०

$\overbrace{\text{धु प, --, म ग, --}} \quad \overbrace{\text{म ग री सा}} \quad \overbrace{\text{सा सां, -, नि, ध}} \quad \overbrace{\text{प, -, म, ग}} \quad |$   
 यो, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ, ऽ रे, ऽ, ऽ, ऽ अ, ऽ, ऽ, ब, ऽ, ऽ, ऽ, स, न  
 ३



## राग बसंत, ताल एकताल, लय द्रुत

आयो बसंत रितु  
कोयलरी कूकायो  
रंग बिखरत फुलवन री॥  
नयो रूप नयो पात  
सोहत सब बिस्वन री॥

स्थायी

नि

|   |   |   |    |     |    |   |   |    |   |   |   |   |   |   |   |    |    |  |
|---|---|---|----|-----|----|---|---|----|---|---|---|---|---|---|---|----|----|--|
| - | म | ध | नि | सां | ध  | - | प | ध  | प | प | - | - | म | ग | - | म  | ग  |  |
| ॐ | आ | ॐ | ॐ  | ॐ   | यो | ॐ | ब | सं | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | त | ॐ | ॐ | रि | तु |  |
|   |   |   | ३  |     |    |   | ४ |    |   |   | ५ |   |   |   |   | २  |    |  |

ध ध

|   |    |   |   |   |    |    |    |     |   |     |     |     |  |
|---|----|---|---|---|----|----|----|-----|---|-----|-----|-----|--|
| - | ग  | - | ग | म | म  | ध  | नि | सां | - | रिं | सां | सां |  |
| ॐ | को | ॐ | य | ल | रि | कू | ॐ  | ॐ   | ॐ | का  | ॐ   | यो  |  |
|   |    |   | ३ |   | ४  |    | ५  |     |   |     |     | २   |  |

|   |    |    |     |    |    |     |     |     |    |   |   |    |   |   |   |   |  |
|---|----|----|-----|----|----|-----|-----|-----|----|---|---|----|---|---|---|---|--|
| - | ध  | नि | रिं | गं | गं | रिं | सां | रिं | नि | ध | प | ध  | प | प | - | म |  |
| ॐ | रं | ग  | बि  | ॐ  | ख  | र   | तं  | फु  | ल  | ब | न | री | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |  |
|   |    |    | ३   |    | ४  |     | ५   |     | ५  |   | ० |    | २ |   |   |   |  |

अंतरा

ध ध

|   |   |    |    |    |     |     |     |     |   |     |     |     |  |
|---|---|----|----|----|-----|-----|-----|-----|---|-----|-----|-----|--|
| - | म | म  | ध  | नि | सां | सां | सां | सां | - | रिं | सां | सां |  |
| ॐ | न | यो | रू | ॐ  | ॐ   | प   | न   | यो  | ॐ | पा  | ॐ   | त   |  |
|   |   |    | ३  |    |     | ४   |     | ५   |   |     |     | २   |  |

सां

|   |    |    |     |    |    |     |     |   |     |    |   |   |    |   |   |   |   |  |
|---|----|----|-----|----|----|-----|-----|---|-----|----|---|---|----|---|---|---|---|--|
| - | ध  | नि | रिं | गं | गं | रिं | सां | - | रिं | नि | ध | प | ध  | प | प | - | म |  |
| ॐ | सो | ॐ  | ह   | ॐ  | त  | स   | ब   | ॐ | बि  | र  | ख | न | री | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |  |
|   |    |    | ३   |    | ४  |     | ५   |   |     |    | ० |   |    | २ |   |   |   |  |

# राग बसंत, ताल एकताल, लय द्रुत

ये रीत है कैसो री  
मोसे ना बोली है मानी॥  
कबु से समझायरियो  
हमरा सुनलेव मानी॥

## स्थायी

धु सां नि ध प प - ध प म ग म ग ग प म ध  
ये ऽ री ऽ त है ऽ कै ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ सो ऽ री ऽ  
० ३ ४ x ० २

धु सां नि ध प प - ध प म ग म ग ग ग  
ये ऽ री ऽ त है ऽ कै ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ सो री  
० ३ ४ x ० २

म म ध नि सां री नि सां - नि ध प ध प ध ध प म  
मो से ना ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ बो ली है ऽ ऽ ऽ मा ऽ नी  
० ३ ४ x ० २

## अंतरा

म म ध नि सां सां सां सां - सां री सां -  
क ब से ऽ ऽ स म झा ऽ य रि यो ऽ  
० ३ ४ x ० २

गं गं री सां नि ध प म ग - म म ध नि सां नि म  
ह ऽ म ऽ रा ऽ ऽ ऽ ऽ सु न ले ऽ ऽ ब मा नी  
० ३ ४ x ० २



## तराणा, राग बसंत, ताल एकताल, लय द्रुत

तान्ना देरेना तन  
 देरेना देरेना दानी तोम्  
 तोम् नोम् तोम् देरेना॥  
 धिर धिर दिरदानी दानी तदानी दानी  
 तनन तनन देरेना दानी  
 धा धिना, धिना धिना, धा धिना धा॥

## स्थाय

|    |    |     |    |     |    |    |   |    |   |   |   |
|----|----|-----|----|-----|----|----|---|----|---|---|---|
| री | नि | सां | नि | ध्र | प  | प  | — | म  | ग | म | ग |
| ता | ॐ  | ॐ   | ना | ॐ   | दे | रे | ॐ | ना | ॐ | त | न |
| x  |    | ०   |    | २   |    | ०  |   | ३  |   | ४ |   |

|    |     |   |    |   |    |    |    |    |    |    |   |   |
|----|-----|---|----|---|----|----|----|----|----|----|---|---|
| नि | ध्र | प | प  | म | ग  | म  | ग  | री | सा | म  | — | म |
| दे | रे  | ॐ | ना | ॐ | दे | रे | ना | दा | नी | तो | ॐ | म |
| x  |     | ० |    | २ |    | ०  |    | ३  |    | ४  |   |   |

|    |   |    |    |   |    |    |   |    |     |    |     |    |     |   |
|----|---|----|----|---|----|----|---|----|-----|----|-----|----|-----|---|
| म  | — | म  | म  | ग | ग  | म  | ग | ग  | ध्र | म  | ध्र | नि | सां | — |
| तो | ॐ | मू | नो | ॐ | मू | तो | ॐ | मू | दे  | रे | ॐ   | ना | ॐ   | ॐ |
| x  |   | ०  |    | २ |    | ०  |   | ३  |     |    |     | ४  |     |   |

## अंतरा

|     |     |   |     |     |     |     |    |     |     |     |     |    |
|-----|-----|---|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|----|
| ग   | ध्र | म | ध्र | सां | सां | सां | री | सां | सां | सां | सां |    |
| धिर | धि  | र | दिर | दा  | नी  | दा  | नी | त   | दा  | नी  | दा  | नी |
| x   |     | ० |     | २   |     | ०   |    | ३   |     | x   |     |    |

|     |    |     |   |   |   |    |    |    |    |   |    |
|-----|----|-----|---|---|---|----|----|----|----|---|----|
| सां | नि | ध्र | प | म | ग | म  | ग  | री | सा | — | सा |
| त   | न  | न   | त | न | न | दे | रे | ना | दा | ॐ | नी |
| x   |    | ०   |   | २ |   | ०  |    | ३  |    | ४ |    |

|     |    |    |     |    |     |    |     |    |     |     |   |
|-----|----|----|-----|----|-----|----|-----|----|-----|-----|---|
| सां | ग  | ग  | ध्र | म  | ध्र | म  | ध्र | नि | ध्र | सां | — |
| ध   | धि | ना | धि  | ना | धि  | ना | धा  | धि | ना  | धा  | ॐ |
| x   |    | ०  |     | २  |     | ०  |     | ३  |     | ४   |   |

# राग जलधरबसंती, ताल त्रिताल, लय मध्य

हीरा मोती निवृजे

मन फूला चौ दिस वन फूला रे॥

हरख भयो सब जीव भौमरी

नदिया ताल भरियो जलसो फूला रे॥

स्थायी

सा - ग - म | - नि नि - ध प - प |  
 ही ऽ रा ऽ मो | ऽ ती ऽ ऽ, नि ऽ ऽ ब |  
 ० ३

ध प प म - - - ग | म ग री सा |  
 जे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | नि ऽ ऽ ब जे |  
 x २

- म म ध नि सां | रीं नि सां - सां - |  
 ऽ म न फू ऽ ऽ | ला ऽ ऽ ऽ चौ ऽ |  
 ० ३

नि ध नि सां | - नि ध नि ध प प, - ध प प - |  
 दि स व न | ऽ फू ऽ ला ऽ ऽ ऽ, ऽ रे ऽ ऽ ऽ |  
 x २

अंतरा

म म - प प | सां - , प ध प प | सां - सां सां | - रीं सां - |  
 ह र ऽ ख भ | यो ऽ ऽ, स ऽ ब ऽ | जी ऽ व भौ | ऽ म री ऽ |  
 ० ३ x २

- प नि सां मं | - रीं - सां सां नि |  
 ऽ न दि या ता | ऽ ल ऽ म री ऽ |  
 ० ३

नि - सां रीं सां सां | नि ध नि ध प प ध प |  
 ग्यो ऽ ज ल सो ऽ | फू ऽ ला ऽ ऽ ऽ रे ऽ |  
 x २



# राग बसंतासोनी, ताल तीनताल, लय मध्य

वनराई वीराय लाग्यो

फूला में हैंसरियो है॥

साच्यो वीरायो है, पाती झर लाग्यो

अजब गजब इको करम है॥

स्थाई

- म॑ म॑ - ध॑ नि॑ सां॑ | रिं॑ नि॑ सां॑ नि॑ ध॑ |  
S ब॑ न॑ S रा॑ S S | ई॑ S S S S |  
३ X

- ध॑ नि॑ रिं॑ नि॑ ध॑ | प॑ - म॑ ग॑ म॑ म॑ - ग॑ |  
S बौ॑ S S रा॑ य॑ | ला॑ S S य्यो॑ S S S S |  
२ ०

- म॑ ग॑ म॑ ग॑ नि॑ | ध॑ - म॑ ग॑ |  
S फू॑ S S ला॑ S | में॑ S S S |  
३ X

- म॑ ग॑ - रिं॑ सां॑ | ग॑ म॑ ध॑ नि॑ सां॑ नि॑ सां॑ रिं॑ सां॑ नि॑ ध॑ प॑ म॑ ग॑ |  
S हैं॑ स॑ S रि॑ यो॑ | है॑ S S S S S S S S S S S S |  
२ ०

अंतरा

- नि॑ ध॑ - म॑ ग॑ नि॑ - ध॑ - | - म॑ ध॑ - नि॑ सां॑ | रिं॑ नि॑ सां॑ सां॑ - |  
S सा॑ च्यो॑ S बौ॑ रा॑ यो॑ S है॑ S | S पा॑ ती॑ S झ॑ र॑ ला॑ S S य्यो॑ S |  
३ X २ ०

- रिं॑ नि॑ ध॑ प॑ | प॑ ध॑ प॑ प॑ - - म॑ ग॑ |  
S अ॑ ज॑ ब॑ ग॑ | ज॑ ब॑ S S S S इ॑ को॑ |  
३ X

- ग॑ म॑ म॑ ग॑ | ग॑ म॑ ध॑ नि॑ सां॑ नि॑ सां॑ रिं॑ सां॑ नि॑ ध॑ प॑ म॑ ग॑ |  
S क॑ र॑ S म॑ | है॑ S S S S S S S S S S S S |  
२ ०

# राग परज, ताल एकताल, लय मध्य

कितक समझाऊँ समझोना  
रूप गुण जो है ध्यान रो॥  
अपरंपार रे दरस  
तस्स नित है ध्यान रो॥

## स्थायी

सां - नि | - ध्र | प ग | म प ग | - म म | ध्र नि सां म |  
कि ऽ त | ऽ क | स मु | झा ऽ ऽ ऊँ | ऽ स म | झो ऽ ऽ ना |  
० ३ ४ x ० २

सां - नि | - ध्र | प ग | म प ग | - - | म ग री सा |  
कि ऽ त | ऽ क | स मु | झा ऽ ऊँ | ऽ ऽ | स म झो ना |  
० ३ ४ x ० २

सां - नि | - ध्र | प प | ध्र नि प | ध्र प प म | प ध्र नि सां |  
रु ऽ प | ऽ गु | ण जो | है ऽ ऽ | ध्या ऽ ऽ न | रो ऽ ऽ ऽ |  
० ३ ४ x ० २

## अंतरा

म म ध्र नि | सां सां | - नि ध्र | नि - | - - | प ध्र ध्र प |  
अ प रं ऽ | ऽ पा | ऽ र ऽ | रे ऽ | ऽ ऽ | द र स ऽ |  
० ३ ४ x ० २

म म ध्र नि | सां सां | - नि ध्र | नि - | प ध्र नि | प - |  
अ प रं ऽ | ऽ पा | ऽ र ऽ | रे ऽ | द र ऽ | स ऽ |  
० ३ ४ x ० २

नि - ध्र | - प | प प ग | म प ग | ध्र प प म | प ध्र नि सां |  
त ऽ र | ऽ स | नि ऽ त | है ऽ ऽ | ध्या ऽ ऽ न | रो ऽ ऽ ऽ |  
० ३ ४ x ० २



# राग शिवभट्टियार, ताल सादरा, लय ठाय

यो जोगी का रूप ध्यान आयो रे  
 यो को काम है सब अजब  
 महा विकट अथाह अनंत अपार रे॥  
 जब वासुने बिख काढ्यो रे  
 यो डुलत डुल धायो, बिखसो खाय डायो रे॥

स्थायी

|                |              |               |
|----------------|--------------|---------------|
| - - प म प ध    | ध प - - म प  | ग - री - सा - |
| ५ ५ यो ५ जो गी | का ५ ५ ५ ५ ५ | रू ५ ५ ५ प ५  |
| ३              | X            | २             |

|                 |  |
|-----------------|--|
| री सा - - सा सा |  |
| ध्या ५ ५ ५ ५ न  |  |
| ०               |  |

|               |                |            |               |
|---------------|----------------|------------|---------------|
| म प, ध नि ध - | ध - प म, म -   | प म प ध    | ध प, - - म प  |
| आ ५, ५ ५ ५ ५  | यो ५ ५ ५, रे ५ | यो ५ जो गी | का ५, ५ ५ ५ ५ |
| ३             |                |            | X             |

|               |                 |
|---------------|-----------------|
| ग - री - सा - | री सा - - सा सा |
| रू ५ ५ ५ प ५  | ध्या ५ ५ ५ ५ न  |
| २             | ०               |

|             |                |            |               |
|-------------|----------------|------------|---------------|
| म प, ध नि ध | ध - प म, म -   | ध, म -     | सां - सां सां |
| आ ५, ५ ५ ५  | यो ५ ५ ५, रे ५ | ५ यो, को ५ | का ५ ५ म      |
| ३           |                |            | X             |

|                   |             |
|-------------------|-------------|
| सां - सां सां सां | रीं - सां - |
| है ५ ५ स ब अ      | ज ५ ब ५     |
| २                 | ०           |

|              |               |            |            |
|--------------|---------------|------------|------------|
| ध नि सां रीं | - रीं रीं सां | रीं नि ध - | रीं - नि ध |
| म हा वि क    | ५ ट ५ ५       | अ ५ ५ ५    | था ५ ५ ५   |
| ३            |               |            | X          |

१४८ : अनूपरागविलास

प, प ध नि ध ध - ध प म -, म प ध प | प - म प, ग - |  
 ह, अ ऽ ऽ ऽ नं ऽ त ऽ ऽ ऽ, अ ऽ ऽ ऽ | पा ऽ ऽ ऽ, र ऽ |  
 २ ०

सा म म प प ध प - प म प ध |  
 रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ यो ऽ जो गी |  
 ३

## अंतरा

- - - म ध म | सां - सां | सां - सां सां, सां नि | रीं - सां सां |  
 ऽ ऽ ऽ ज ऽ व | बा ऽ ऽ सु | ने ऽ ऽ बि ख, का ऽ | ऽ ऽ ङो रे |  
 ३ x २ ०

- ध -, ध नि नि सां रीं सां | नि ध, - प - |  
 ऽ यो ऽ, डु ल ऽ त डु ल | धा ऽ, ऽ यो ऽ |  
 ३ x

म - - प - - ध - नि ध - | म प, - - म - |  
 बि ऽ ऽ ख ऽ ऽ सो ऽ ऽ खा य ऽ | ला ऽ, ऽ ऽ यो ऽ |  
 २ ०

सा म म प प ध प - प म प ध |  
 रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ यो ऽ जो गी |  
 ३



# तराणा, राग शिवभट्टियार, ताल एकताल, लय द्रुत

दिर तान् दिर तान् तान्  
दे रेना दे रेना, तन तदीयन रे तार्दानी ॥  
दीम् नारे दीम् तन रे, तोम् तन रे,  
दिर दिर दिर तान्, दिर दिर दिर तान्  
दिर दिर दिर तान् ॥

## स्थायी

|     |    |   |   |     |    |   |   |    |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|-----|----|---|---|-----|----|---|---|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा  | ध  | प | प | ध   | नि | ध | ध | नि | ध | प | म | प | प | ध | ध | प | म | म |
| दिर | ता | ॐ | न | दिर | ता | ॐ | न | ता | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |
| ०   |    | ३ |   | ४   |    | ४ |   | ५  |   | ० |   | ० |   | २ |   | २ |   | २ |

|    |   |   |   |    |    |     |     |     |   |   |     |   |     |
|----|---|---|---|----|----|-----|-----|-----|---|---|-----|---|-----|
| ध  | म | - | - | ध  | नि | सां | सां | सां | - | - | सां | - | सां |
| दे | ॐ | ॐ | ॐ | रे | ॐ  | ॐ   | ना  | दे  | ॐ | ॐ | रे  | ॐ | ना  |
| ०  |   |   | ३ |    |    | ४   |     | ५   |   | ० |     | २ |     |

|   |    |     |    |     |     |     |    |   |      |   |    |
|---|----|-----|----|-----|-----|-----|----|---|------|---|----|
| ध | नि | सां | गं | रीं | सां | रीं | नि | - | ध    | - | प  |
| त | न  | त   | दी | य   | न   | रे  | ता | ॐ | र्दी | ॐ | नी |
| ० |    | ३   |    | ४   |     | ५   |    | ० |      | २ |    |

## अंतरा

|      |   |   |   |    |    |     |     |      |   |     |     |     |   |
|------|---|---|---|----|----|-----|-----|------|---|-----|-----|-----|---|
| ध    | म | - | - | ध  | नि | सां | सां | सां  | - | रीं | रीं | सां | - |
| दीम् | ॐ | ॐ | ॐ | ना | ॐ  | ॐ   | रे  | दीम् | ॐ | त   | न   | रे  | ॐ |
| ०    |   |   | ३ |    |    | ४   |     | ५    |   | ०   |     | २   |   |

|      |   |     |     |     |   |     |     |     |    |   |   |   |
|------|---|-----|-----|-----|---|-----|-----|-----|----|---|---|---|
| गं   | - | रीं | सां | सां | - | नि  | रीं | नि  | ध  | - | ध | प |
| तोम् | ॐ | त   | न   | रे  | ॐ | दिर | दिर | दिर | ता | ॐ | न | ॐ |
| ०    |   | ३   |     | ४   |   | ५   |     | ०   |    | २ |   |   |

|     |     |     |    |   |   |   |     |     |     |    |   |   |   |   |
|-----|-----|-----|----|---|---|---|-----|-----|-----|----|---|---|---|---|
| प   | ध   | नि  | ध  | ध | - | ध | प   | म   | प   | ध  | प | - | प | म |
| दिर | दिर | दिर | ता | ॐ | न | ॐ | दिर | दिर | दिर | ता | ॐ | न | ॐ |   |
| ०   |     | ३   |    | ४ |   | ५ |     | ०   |     | २  |   |   |   |   |

# तराणा, राग भटियार, ताल त्रिताल, लय मध्यद्रुत

देर देर दे तान देरेना  
तरे दानी, तन देरेना दिया॥  
दिर दिर दिर दिर दिर तानं तनरे  
तों तनन तन, तन देरेना दिया॥

स्थायी

|    |  |      |   |     |   |   |    |       |    |       |       |   |         |       |    |        |  |
|----|--|------|---|-----|---|---|----|-------|----|-------|-------|---|---------|-------|----|--------|--|
| सा |  | — सा | ध | — ध | प |   | म  | — — — |    | म     | — प म |   | प       | — — प |    |        |  |
| दे |  | ॐ    | र | दे  | ॐ | र | दे |       | ता | ॐ ॐ ॐ |       | न | ॐ दे रे |       | ना | ॐ ॐ ता |  |
|    |  | ३    |   |     |   |   |    |       | x  |       | २     |   |         |       | ०  |        |  |

|           |      |    |       |         |            |     |       |              |   |          |  |
|-----------|------|----|-------|---------|------------|-----|-------|--------------|---|----------|--|
| — ग       | — गी |    | सा    | — सा सा |            | ध ध | — प ध |              | प | — म म सा |  |
| ॐ रे ॐ दा |      | नी | ॐ त न |         | दे रे ॐ ना | ॐ   |       | ॐ ॐ दि या दे |   |          |  |
| ३         |      | x  |       |         | २          |     |       | ०            |   |          |  |

अंतरा

|     |   |     |     |     |     |   |     |       |     |       |           |     |           |         |     |         |  |
|-----|---|-----|-----|-----|-----|---|-----|-------|-----|-------|-----------|-----|-----------|---------|-----|---------|--|
| ध   | ध | ध   |     | म   | म   | ध | सां |       | सां | — — — |           | सां | — गीं गीं |         | सां | — — गीं |  |
| म   |   | म   | म   | ध   | सां |   | सां | — — — |     | सां   | — गीं गीं |     | सां       | — — गीं |     |         |  |
| दिर |   | दिर | दिर | दिर | दिर |   | ता  | ॐ ॐ ॐ |     | नं    | ॐ त न     |     | रे        | ॐ ॐ तों |     |         |  |
|     |   | ३   |     |     |     |   | x   |       | २   |       |           |     | ०         |         |     |         |  |

|         |     |     |     |      |            |            |  |              |          |  |
|---------|-----|-----|-----|------|------------|------------|--|--------------|----------|--|
| — नि    | ध प |     | ध म | — सा |            | सा ध ध प ध |  | प            | — म म सा |  |
| ॐ त न न |     | त न | ॐ त |      | न दे रे ना | ॐ          |  | ॐ ॐ दि या दे |          |  |
| ३       |     | x   |     |      | २          |            |  | ०            |          |  |



## तराणा, राग भैरवी, ताल त्रिताल, लय मध्यद्वुत

ताना ताना तानमे नादीम् दीम् दीम्  
 तन देरेना तन तदीम् दानी नीतनारे तारेदानी॥  
 तानारे ताना तनत नारे तदारे, तदारे  
 तदारे तानोम् दीम् नोम् तोम्  
 ता ध्रे तनननन तारे दानी॥

स्थाई

|    |  |            |  |              |  |                |  |               |  |
|----|--|------------|--|--------------|--|----------------|--|---------------|--|
| री |  | - सा - ध्र |  | प ग - म      |  | नि ध्र - - ध्र |  | नि सां सां री |  |
| ता |  | ० ना ० ता  |  | ३ ना ता ० ना |  | ५ मे ० ० ना    |  | २ ० ० दीम् ता |  |

|            |  |              |  |              |  |                    |  |
|------------|--|--------------|--|--------------|--|--------------------|--|
| - सा - ध्र |  | प ग - म      |  | नि ध्र - - - |  | प ध्र नि सां ध्र - |  |
| ० ना ० ता  |  | ३ ना ता ० ना |  | ५ मे ० ० ०   |  | २ ना ० ० ० दीम् ०  |  |

|                 |  |                         |  |               |  |            |  |
|-----------------|--|-------------------------|--|---------------|--|------------|--|
| नि - सां -      |  | - नि सा म ग म नि ध्र नि |  | सां - सां री  |  | गं - री नि |  |
| ० दीम् ० दीम् ० |  | ३ ० त न दे रे ना त न त  |  | ५ दीम् ० दा ० |  | २ ० ० नी ० |  |

|              |  |             |  |                   |  |                     |  |
|--------------|--|-------------|--|-------------------|--|---------------------|--|
| नि ध्र ध्र प |  | प म म -     |  | प - ध्र नि सां नि |  | ध्र प म ग री सां री |  |
| ० नी ० त ०   |  | ३ ना ० रे ० |  | ५ ता ० रे दा ० ०  |  | २ नी ० ० ० ० ० ता   |  |

अंतरा

|     |  |               |  |             |  |               |  |              |  |
|-----|--|---------------|--|-------------|--|---------------|--|--------------|--|
| ध्र |  | प ग म ध्र     |  | - नि सां नि |  | सां ध्र - ध्र |  | नि सां - ध्र |  |
| ता  |  | ० ना रे ता ना |  | ३ ० त न त   |  | ५ ना रे ० त   |  | २ दा रे ० ता |  |

|               |  |             |  |               |  |               |  |
|---------------|--|-------------|--|---------------|--|---------------|--|
| प ग म ध्र     |  | - नि सां नि |  | सां ध्र - सां |  | रीं गुं पं गं |  |
| ० ना रे ता ना |  | ३ ० त न त   |  | ५ ना रे ० त   |  | २ दा रे त दा  |  |

- मं - प | गु - री सा | सा - - म | गु - ध्र म |  
 ऽ रे ऽ त | दा ऽ रे ऽ | ता ऽ ऽ नोम् | ऽ ऽ दीम् ऽ |  
 ० ३ x २

- नि ध्र - | सां नि - - | सां - - गुं | रीं सां नि ध्र |  
 ऽ नोम् ऽ ऽ | तोम् ऽ ऽ ऽ | ता ऽ ऽ ध्रे | त न न न |  
 ० ३ x २

प - प ध्र नि सां | नि ध्रं प म गु गु - |  
 न ऽ ता ऽ ऽ ऽ | ऽ रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ० ३

सां - ध्र नि सां रीं गुं मं | गुं गुं, सां नि ध्र प म गु री सा - - री |  
 दा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ, नी ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ता |  
 x २



# राग भैरवी, ताल दीपचंदी, लय मध्य

जोगी राजा मेरा हो गुरू  
महाझाली हैगा रे॥  
गंगाधर पिनाक त्रिशुलधर  
महा दानी हैगा रे

स्थायी

- - - प ध्रु | नि सां - | - नि सां रीं गुं रीं गुं - रीं | सां - - |  
S S S जो गी | रा जा S | S S S S S S S मे | रा S S |  
३ X २ ०

ध्रु सां नि ध्रु प - प प ध्रु | नि सां - | - नि सां रीं गुं - रीं | सां - - |  
S S S S S S हो गु रू | रा जा S | S S S S S S मे | रा S S |  
३ X २ ०

-, सां नि ध्रु प म गु, - | - गु म - |  
S, म S हा S S S, S | S झा नी S |  
३ X

- प ध्रु नि सां रीं गु, - रीं - | सां गुं रीं रीं सां - नि |  
S है S S S S S, S S S | गा रे S S S S S |  
२ ०

ध्रु सां नि ध्रु प - प ध्रु |  
S S S S S S जो गी |  
३

अंतरा

प  
- - - सां | ध्रु प म गु | म म - - गु | प - ध्रु नि सां |  
S S S गं | गा S S S | ध र S S पि | ना S क त्रि शु |  
३ X २ ०

१५४ : अनूपरागविळास

नि ध प - ध ध - | प ध नि सां |  
 ल ऽ ऽ ऽ ध र ऽ | म हा दा नी |  
 ३ x

- रीं रीं सां नि ध प, ध नि सां रीं गुं - | रीं सां - - नि |  
 ऽ है ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | गा ऽ ऽ ऽ ऽ  
 २ ०

ध सां नि ध प - प ध |  
 रै ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ जो गी |  
 ३





## अनूपरागविलास

---

कुमारजी द्वारा की गई स्वर रचनाएँ



पुस्तकालय

पुस्तकालय

अजब तमासा देखा ॥

समझ समझ कर मन में रसिया

जा दिन पी पूछेंगे पूछेंगे लेखा ॥

**स्थार्ड**

— नि ध्रु प प गु री सा सा | — गु — म | प — — — | — प — प |  
 ऽ मी या ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ तु | सी ऽ ऽ ऽ | ऽ वे ऽ ख |  
 ० ३ x ३

ग - म <sup>१</sup>प धु, प | ग - गी सा | नि सा <sup>२</sup>गी सा | ग <sup>३</sup>म <sup>४</sup>म <sup>५</sup>प <sup>६</sup>प <sup>७</sup>सा - |  
ले ऽ दु नी ऽ, ऽ | यां ऽ दा ऽ | अ ज ब ऽ | त ऽ मा ऽ सा ऽ ऽ |  
० ३ x २

ॐ सा नि ध प म नि ध प प गु रि सा नि ग - म प - - - म ध  
दे खा ऽ ऽ ऽ मी या ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ तु सी ऽ ऽ ऽ ऽ बे ऽ ख  
० ३ x ३

## अंतरा

मं पं सां गुं  
सा ग - गु सा | ग म प म | ग म नि - | नि सां रीं रीं सां, सां  
स म ऽ झ स | म झ क र | म न में ऽ | र सी ऽ या ऽ, ऽ  
० ३ x ३

— सां — नि ध्र | प — प — | म प ध्र प म ग | ग म प नि सां  
 ऽ जा ऽ दि न | पी ऽ पू ऽ | छैं ऽ ऽ ऽ मे ऽ | पू छैं मे ऽ ऽ  
 ° ३ x । ३ ।

० ३ x म २ म ध्र  
 रीं सां नि ध्र प म नि ध्र प प ग री सा नि ग - म प - - - - प - प  
 ले खा ऽ ऽ ऽ ऽ मी या ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ तु सी ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ वे ऽ ख  
 ० ३ x २

**अनूपरागविलास : १५९**



# राग मधुवंती, ताल त्रिताल, लय मध्यद्रुत

बैरन बरखा रितु आई  
बोलन लागी वन विहंग पपिहा  
मोरे पिया बिन कुछ ना सुहावे ॥  
रिमझिम रिमझिम मेहा बरसे  
मोरे जिय देखन को तरसे  
गुनिनायक जो आन मिलावो  
देऊ करले हो बल्हाई ॥

स्थाई

|   |   |    |   |   |  |            |  |          |  |           |  |
|---|---|----|---|---|--|------------|--|----------|--|-----------|--|
| प | ध | नि | ध | प |  | म - गु री  |  | सा - म - |  | गु सा म - |  |
| ० | ० | ०  | ० | ० |  | खा ऽ रि तु |  | आ ऽ ई ऽ  |  | ऽ ऽ बै ऽ  |  |
|   |   |    |   |   |  | ३          |  | x        |  | २         |  |

|   |   |    |   |   |  |            |  |           |  |            |  |
|---|---|----|---|---|--|------------|--|-----------|--|------------|--|
| प | ध | नि | ध | प |  | म - गु री  |  | सा - म गु |  | सा गु सा म |  |
| ० | ० | ०  | ० | ० |  | खा ऽ रि तु |  | आ ऽ ई ऽ   |  | बो ल न ला  |  |
|   |   |    |   |   |  | ३          |  | x         |  | २          |  |

|          |  |           |  |            |  |            |  |
|----------|--|-----------|--|------------|--|------------|--|
| - गु म प |  | प म - गु  |  | री सा री - |  | सा - नि नि |  |
| ०        |  | वि हं ऽ ग |  | प पी हा ऽ  |  | ऽ ऽ मो रे  |  |
|          |  | ३         |  | x          |  | २          |  |

|          |  |          |  |              |  |              |  |
|----------|--|----------|--|--------------|--|--------------|--|
| म - म गु |  | ध - ध प  |  | सां नि ध प म |  | गु म म म -   |  |
| ०        |  | वि ऽ न ऽ |  | क छु ना सु   |  | हा बै ऽ बै ऽ |  |
|          |  | ३        |  | x            |  | २            |  |

अंतरा

|    |  |          |  |           |  |           |  |               |  |
|----|--|----------|--|-----------|--|-----------|--|---------------|--|
| सा |  | गु - म म |  | प म गु म  |  | प - नि -  |  | सां सां सां - |  |
| ०  |  | म ऽ झि म |  | रि म झि म |  | मे ऽ हा ऽ |  | ब र से ऽ      |  |
|    |  | ३        |  | x         |  | २         |  |               |  |

नि नि सां रीं | सां - ध ध | प म प ध नि | ध प म गु म |  
 मो रे जि य | दे ऽ ख न | को ऽ त ऽ ऽ | से ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ० ३ x २

म म प ध नि | ध म प - | गु - री सा | री - सा - |  
 गु नी ना ऽ ऽ | य क जो ऽ | आ ऽ न मि | ला ऽ वो ऽ |  
 ० ३ x २

सा गु - म | प नि सां रीं | सां - नि ध | प - म - |  
 दो ऊ ऽ क | र ले हो व | ल्ला ऽ ऽ ऽ | ही ऽ वै ऽ |  
 ० ३ x २



# ठुमरी, राग उतराकल्याण (मध्यमग्राम), ताल अध्या, लय मध्य

बैरन कैसा जादू डारा  
तू ने मोहा शाम हमारा॥  
कुवरी के संग आना जाना  
हमसे करत बहाना॥

## स्थायी

नि सा री ग | म ग - री | नि सा नि सा ग री - - | - - नि - - सा |  
बै र न कै | सा जा ऽ दू | डा ऽ ऽ रा ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ बै ऽ ऽ र |  
० ३ x २

- री ग - - म | - ग ग - री | ध - नि ग री - - - | - - - - |  
ऽ न कै ऽ ऽ सा | ऽ जा ऽ ऽ दू | डा ऽ रा ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |  
० ३ x २

सा - सा - | सा री ग ग - | - ग - - म प | प म ग री म ग री सा |  
तू ऽ ने ऽ | मो ऽ ऽ हा ऽ | ऽ शा ऽ ऽ म ह | मा ऽ ऽ ऽ रा ऽ ऽ ऽ |  
० ३ x २

## अंतरा

ग ग म ग | प - प प | - री - - ग री | ग म ध प, ध म ग |  
कु व री ऽ | के ऽ सं ग | ऽ आ ऽ ऽ ना ऽ | जा ऽ ऽ ऽ, ऽ ना ऽ |  
० ३ x २

- नि नि - नि सा | री री ग - प | म - ग - | री - नि - - सा |  
ऽ ह म ऽ से क | र त ऽ ऽ ब | हा ऽ ना ऽ | ऽ ऽ बै ऽ ऽ र |  
० ३ x २

- री ग - - म | - ग ग - री | ध - नि ग री - | - - - - |  
ऽ न कै ऽ ऽ सा | ऽ जा ऽ ऽ दू | डा ऽ रा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |  
० ३ x २

# होरी डुमरी, राग मिश्रकल्याण, (मध्यमग्राम) ताल अंधा, लय मध्य

बरसाना में खेलत होरी

श्री वृखभान किजोरी ॥

कोऊ चंदन, बंदन, अत्तर अरगज

अबीर गुलाल लिये भरजोरी रे ॥

स्थायी

सा | सा री ग री, सा नि | री ग - - - | - ग - म ग म | री ग री - |  
 व | र सा ऽ ऽ, ना ऽ | में ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ खे ऽ ल त ऽ | हो ऽ री ऽ |  
 ३ x २ ०

- सा नि ध, नि री | री ग - - ग | - - प - | ग - री - सा |  
 ऽ श्री ऽ ऽ, वृ ख | भा ऽ ऽ ऽ न | ऽ ऽ कि ऽ | शो ऽ री ऽ व |  
 ३ x २ ०

अंतरा

सा - ग - | ग म प प प | प म म - - | ग ग री - - |  
 को ऽ ऊ ऽ | चं ऽ ऽ द न | ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x २ ०

० ० ० ० | ग म प प प | म - - - | ग री - - - |  
 ऽ ऽ ऽ ऽ | बं ऽ ऽ द न | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x २ ०

- - री ग म | म - म ग | ग री - - | - - सा नि |  
 ऽ ऽ अ ऽ ऽ | त्त ऽ र ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ अ ऽ |  
 ३ x २ ०

री ग सा - | सा - - - | ध नि री, ध - - | सा - - - |  
 र ऽ ग ऽ | ज ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x २ ०

अनूपरागविलास : १६३



० ० ० पृ | ग - ग म | म ग री ग री | सा रा री ग सा री - |  
 ऽ ऽ ऽ अ | बी ऽ र गु | ला ऽ ऽ ऽ ल | लि ये ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ  
 ३                      x                      र                      ०

- - - म | प - - - | म - ग - | री - , सा |  
 ऽ ऽ ऽ भ | र ऽ ऽ ऽ | जो ऽ री ऽ | रे ऽ ऽ, व |  
 ३                      x                      र                      ०

# राग मारुबिहाग, ताल त्रिताल, लय मध्य

सुनो सखी सैयाँ जोगिया होई गया

हमहूँ जोगीनी होई जाब॥

जोगिया के लाले लाले कपडा

जोगीनी के लंबे है केस॥

स्थायी

— — — म॑ | ग री — सा | नि — सा ग — | म — प ग ग | री — सा म॑ |  
 ० ० ० सु | नो स ऽ खी | सै ऽ यां ऽ ऽ | ऽ ऽ जो ऽ गी | या ऽ ऽ सु |  
 ० ३ X २ ०

ग री — सा | नि — सा ग — | म — प ग ग | री — सा नि |  
 नो स ऽ खी | सै ऽ यां ऽ ऽ | ऽ ऽ जो ऽ गी | या ऽ ऽ हो |  
 ३ X २ ०

सा ग म॑ प प | ग म॑ प नि सां नि |  
 ई ग ऽ ऽ या | ह म॑ हूं जो गी ऽ |  
 ३ X

नि ध प प ध प म॑ ग | म॑ ग री सा री सा म॑ |  
 नी ऽ ऽ ऽ हो ऽ ई ऽ | जा ऽ ऽ ऽ ऽ ब सु |  
 २ ०

अंतरा

— — — ग॑ म॑ प नि सां — | सां — सां — | ध नि सां गं गं म॑ गं | रीं सां — ग॑ |  
 ० ० ० जो॑ गी या के ऽ ऽ | ल ऽ ले ऽ | ल ऽ ले ऽ क ऽ ऽ प डा ऽ जो॑ |  
 ० ३ X २ ०

म॑ प नि सां रीं सां | नि नि ध प ध ध प म॑ |  
 गी नी के ऽ ऽ ऽ | लं ऽ ऽ ऽ बे ऽ ऽ ऽ |  
 ३ X

ध प म॑ ग म॑ ग री सा | री सा ग — म॑ |  
 है ऽ ऽ ऽ के ऽ ऽ ऽ | ऽ स ऽ ऽ सु |  
 २ ०



## राग चंद्रकाँस, ताल त्रिताल, लय द्रुत

तम की करा या हूँ जानी,  
विद्रावन, विद्रावन के कुंजगलिन मो  
गोधनकी चरैया हूँ जानी॥  
मोर मुकुट सोभे रे, पीतांबर,  
मुरली की बजैया हूँ जानी॥

स्थायी

|           |            |            |                  |
|-----------|------------|------------|------------------|
| — — — सां | सां ध नि ध | म — — —    | म गु — म ध —     |
| ० ० ० त   | ३ म की ० क | ५ रा ० ० ० | २ या ० ० हूँ ० ० |

|               |              |                |           |
|---------------|--------------|----------------|-----------|
| नि — सां सां  | सां ध नि ध   | सां — सां —    | — — ध नि  |
| ० जा ० नी बिं | ३ द्रा ब ० न | ५ बिं ० द्रा ० | २ ० ० ब न |

|               |            |               |                    |
|---------------|------------|---------------|--------------------|
| सां रीं — सां | सां ध नि ध | म — — म गु    | म ध म ध नि ध       |
| ० के ० ० कुं  | ३ ज ग लि न | ५ मो ० ० गो ध | २ न की च रै या हूँ |

|                  |
|------------------|
| नि सां रीं — सां |
| ० जा नी ० ० त    |

अंतरा

|          |            |             |             |
|----------|------------|-------------|-------------|
| — — — गु | — म नि ध   | सां — सां — | — — ध नि    |
| ० ० ० मो | ३ ० र ० मु | ५ कु ० ट ०  | २ ० ० सो भे |

|                |             |              |                     |
|----------------|-------------|--------------|---------------------|
| सा रीं — — सां | — ध नि ध    | म — — म गु   | म ध म ध नि ध        |
| ० रे ० ० ० पी  | ३ ० तां ० ब | ५ र ० ० मु र | २ ली की ब जै या हूँ |

|                  |
|------------------|
| नि सां रीं — सां |
| ० जा नी ० ० त    |

# ठुमरी, राग तिलंग, ताल चाचल (१६ मात्रा), लय मध्य

करू कौन जतन अरि येरी सखी  
मोरे नैनो से बरसे बदरिया रे॥  
उठी कारी घटा घन गरजे  
अरि बस गयो परदेसा मोरा साबरिया रे॥

स्थायी

|      |  |                     |  |         |
|------|--|---------------------|--|---------|
| प ध  |  | प म म ग - ग म प, ग  |  | प प - - |
| क रू |  | कौ ऽ ऽ ऽ ऽ न ऽ ऽ, ज |  | त न ऽ ऽ |
|      |  | ३                   |  | X       |

|                  |  |             |
|------------------|--|-------------|
| ग म प नि - - नि  |  | सा प - प ध  |
| अ रि ये री ऽ ऽ स |  | खी ऽ ऽ क रू |
| २                |  | ०           |

|                      |  |         |  |           |  |              |
|----------------------|--|---------|--|-----------|--|--------------|
| म प - म ग - ग म प, म |  | प प - - |  | ग - ग -   |  | ग म म ग ग    |
| कौ ऽ ऽ ऽ ऽ न ऽ ऽ, ज  |  | त न ऽ ऽ |  | मो ऽ रे ऽ |  | नै नो से ऽ ऽ |
| ३                    |  | X       |  | २         |  | ०            |

|                 |  |          |
|-----------------|--|----------|
| री सा - - ग म ग |  | प - - -  |
| ऽ ऽ ऽ ऽ ब र ऽ   |  | से ऽ ऽ ऽ |
| ३               |  | X        |

|                             |  |             |
|-----------------------------|--|-------------|
| ग ग म प नि सां रीं नि सां - |  | नि प - प ध  |
| ब द रि या ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ       |  | रे ऽ ऽ क रू |
| २                           |  | ०           |

अंतरा

|      |  |           |  |           |
|------|--|-----------|--|-----------|
| ग म  |  | प नि - नि |  | सां - प - |
| उ ठि |  | का री ऽ घ |  | टा ऽ ऽ ऽ  |
|      |  | ३         |  | X         |

|             |  |           |  |          |  |          |
|-------------|--|-----------|--|----------|--|----------|
| सां - - सां |  | नि प - नि |  | प - नि - |  | प म ग -  |
| घ ऽ ऽ न     |  | ग ऽ ऽ ऽ   |  | र ऽ ऽ ऽ  |  | जे ऽ ऽ ऽ |
| २           |  | ०         |  |          |  |          |

अनूपरागविलास : १६७



- ग म प नि नि नि | - नि नि सां सां सां - |  
 ऽ अ रि ब स ग यो | ऽ पर दे सा मो रा ऽ |  
 ३ x

ग ग म प नि सां रीं नि सां - | नि प - प ध |  
 सा ब रि या ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | रे ऽ ऽ क रु |  
 २ ०

## टप्पा, राग भैरवी, ताल त्रिताल, लय द्रुत

जानेवाला वे सोणावे, मेरा भी साथ निभाहिये  
मैनु भी ले चल नाल सोणावे॥

तुझ जेहां मानू कोई नहीं अपना मेंडा  
सोणा किसनूं सुणावे साडे हवाल सोणावे॥

## स्थायी

— प नि ध | नि — — — | नि नि ध प म गु म | री — सा — |  
S जा ने बा | ला S S S | वे S S S S S सो | णा S वे S |  
३ X २ ०

— गु प प | — प — — ध नि | नि नि ध प म गु म | री सा — — |  
S मे रा भी | S सा S S थ नि | भा S S S S S हि | ये S S S |  
३ X २ ०

— प प ध | नि — सां — | रीं रीं सां नि ध प ध नि | नि नि ध प म गु म |  
S मै नू भी | ले S चल S | ना S S S S S ल सो | णा S S S S S वे |  
३ X २ ०

## अंतरा

नि नि सां — | रीं सां नि रीं सां — | — नि ध प | म गु — — |  
तु झ जे S | हां S S S S S | S S मा S | नू S S S |  
३ X २ ०

— म ध ध नि नि | नि सां — — — | — — — — | — ध नि नि |  
S को S ई S न | झी S S S S | S S S S | S अ प ना |  
३ X २ ०

— नि सां — | — रीं नि रीं | सां — नि ध नि ध प | प — — — |  
S में डा S | S सो णा S | S S S S S S S | वे S S S |  
३ X २ ०



|          |           |           |           |
|----------|-----------|-----------|-----------|
| - - प प  | प ध - -   | - - नि नि | सां - - - |
| ५ ५ कि स | नूं ५ ५ ५ | ५ ५ सु णा | वे ५ ५ ५  |
| ३        | x         | २         | ०         |

|             |      |               |               |               |                 |                   |
|-------------|------|---------------|---------------|---------------|-----------------|-------------------|
| - - सां रीं | नि - | रीं रीं       | सां सां       | - नि          | ध्र प - - नि    | नि नि ध्र प म ग म |
| ५ ५ सां डे  | हा ५ | ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ | ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ | ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ | ल ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ | णा ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५  |
| ३           | x    |               |               |               | २               | ०                 |

# राग भैरवी, ताल त्रिताल, लय मध्य

कछु कहे न गये समझाये  
मोरें लाल, जोवन हमसे  
विदा मांगे है॥  
कहाँ के हाथ लिखूं मै पाती  
कहाँ के हाथ संदेसवा  
एक वार मिलले मोरें प्यारे  
राखो सरम हमारी रे॥

## स्थायी

|      |            |              |          |          |
|------|------------|--------------|----------|----------|
| गु म | री सा - धु | नि सा - गु म | धु - - - | प - - -  |
| क छु | क हे ऽ न   | ग ये ऽ स मु  | झा ऽ ऽ ऽ | ये ऽ ऽ ऽ |
| ०    | ३          |              | X        | २        |

|           |               |            |            |
|-----------|---------------|------------|------------|
| प - - प   | धु धु प प - प | प धु - म म | - - धु प म |
| मो ऽ ऽ रे | ला ऽ ऽ ऽ ऽ ल  | जो ऽ ऽ व न | ऽ ऽ ह म ऽ  |
| ०         | ३             | X          | २          |

|             |             |                |           |            |
|-------------|-------------|----------------|-----------|------------|
| गु - - गु म | गु म सा - - | गु म प धु म गु | री गु म   | री सा गु म |
| से ऽ ऽ बि ऽ | दा ऽ ऽ ऽ ऽ  | मां ऽ ऽ ऽ ऽ    | ऽ ने ऽ है | ऽ क छु     |
| ०           | ३           | X              | २         |            |

## अंतरा

|            |           |                  |             |
|------------|-----------|------------------|-------------|
| - नि नि नि | सां - - - | नि सां - नि धु प | म गु - - गु |
| ऽ क हों के | हा ऽ ऽ ऽ  | ऽ ऽ ऽ ऽ थ ऽ      | ऽ ऽ ऽ ऽ लि  |
| ०          | ३         | X                | २           |

|             |              |                |         |
|-------------|--------------|----------------|---------|
| म - नि धु - | नि सां - - - | नि सां - सां - | - - - - |
| खूं ऽ मै ऽ  | पा ऽ ऽ ऽ ऽ   | ऽ ऽ ऽ ती ऽ     | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ०           | ३            | X              | २       |

|            |             |                   |           |
|------------|-------------|-------------------|-----------|
| - नि नि नि | सां - - सां | प धु नि रीं सां - | - नि - धु |
| ऽ क हों के | हा ऽ ऽ थ    | सं ऽ ऽ ऽ ऽ        | ऽ दे ऽ स  |
| ०          | ३           | X                 | २         |

अनूपरागविलस : १७१



प - - - | - - - - | - प - प | प - - प |  
 बा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ए ऽ क | बा ऽ ऽ र |  
 ० ३ x २

प ध्र प ध्र | - - - - | प ध्र - म गु | गु म प म - |  
 मि ल ले ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | मो ऽ ऽ रे ऽ | प्या ऽ ऽ रे ऽ |  
 ० ३ x २

गु - गु गु | म गु म सा सा | गु म प ध्र म गु | री गु म री सा गु म |  
 रा ऽ खो स | र म ऽ ऽ ह | मा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ री ऽ रे ऽ क कु |  
 ० ३ x २

# अनूपरागविलास

---

धुन उगम राग



महाराष्ट्र

महाराष्ट्र

## राग सहेलीतोड़ी, ताल झपताल, लय मध्य

करम जानो गुनी, करम, बहुरंग यक राग,  
बनत बन जायो, करम॥  
धुन में छिप राग सवै,  
बनावै बन जायो, करम॥

स्थायी

|          |      |            |          |
|----------|------|------------|----------|
| सा       | सा   |            |          |
| गु री सा | धु - | सा - री सा | गु री सा |
| क र म    | जा ऽ | नो ऽ गु ऽ  | नी ऽ ऽ   |
| ३        | X    | २          | ०        |

|          |       |          |      |
|----------|-------|----------|------|
| सा       |       |          |      |
| गु री सा | री गु | प - प धु | प गु |
| क र म    | ब हु  | रं ऽ ग ऽ | य क  |
| ३        | X     | २        | ०    |

|          |       |            |       |
|----------|-------|------------|-------|
| री       |       |            |       |
| गु री सा | सा धु | सा - री सा | री सा |
| रा ऽ ग   | ब न   | त ऽ ब न    | जा ऽ  |
| ३        | X     | २          | ०     |

|               |
|---------------|
| सा - गु री सा |
| यो ऽ क र म    |
| ३             |

अंतरा

|       |      |                |       |
|-------|------|----------------|-------|
| - - - | धु प | गु प धु सां धु | सां - |
| ऽ ऽ ऽ | धु न | में ऽ छि प     | रा ऽ  |
| ३     | X    | २              | ०     |

अनूपरागविलस : १७५



|              |  |        |  |            |        |       |  |          |    |
|--------------|--|--------|--|------------|--------|-------|--|----------|----|
| सां. ग्री.   |  |        |  |            |        |       |  |          |    |
| सां. ग. सां. |  | ध. गं. |  | ग्री. सां. | ध. नि. | ध. प. |  | ग. ग्री. | ग. |
| ग. स. बै.    |  | ब. ना. |  | वै. ऽ      | ऽ      | ऽ     |  | जा. ऽ    | ऽ  |
| ३            |  | x      |  | २          |        |       |  | ०        |    |

|           |   |              |  |
|-----------|---|--------------|--|
| ग्री. सा. | - | ग. ग्री. सा. |  |
| यो. ऽ     | ऽ | क. र. म.     |  |
| ३         |   |              |  |

# राग भवमतभैरव, ताल एकताल, लय द्रुत

दै बता दै री  
ये मेरो मन सो  
कां करूँ कैसो री॥  
बावरी भैरी  
पिय के बिरहनि मै  
कां करूँ कैसो री॥

## स्थायी

— ग म | म प म | प — | पम — | म म म | प म ग — |  
S दै S | S S ब | ता S | दै S | S S | री S S S |  
३ ४ X ० २ ०

— सा ग | म प म | ध — | म म — | — | म म | म म — | म ग — |  
S ये S | S S मे | रो S | S S S | S | म न | सो S S | S S S |  
३ ४ X ० २ ०

— सा री — | — सा | ग — | म — | ध — | म म — |  
S कां S S | S क | रू S | कै S | सो S | S S S |  
३ ४ X ० २ ०

म ग म | म प म |  
री दै S | S S ब |  
३ ४

## अंतरा

— म ध | नि सा नि | सा — | ध — | री — | सा — |  
S बा S | S S ब | री S | S S | मै S | री S |  
३ ४ X ० २ ०

— म | ध नि | सा गं | — री | — सां | ध म |  
S पि | य के | बि र | S ह | S नि | मै S |  
३ ४ X ० २ ०



|   |     |    |  |   |    |  |    |   |  |    |   |  |    |   |  |    |   |   |  |
|---|-----|----|--|---|----|--|----|---|--|----|---|--|----|---|--|----|---|---|--|
| म | ग   | री |  | - | सा |  | ग  | - |  | म  | - |  | ध  | - |  | मम | - | - |  |
| ऽ | कां | ऽ  |  | ऽ | क  |  | रू | ऽ |  | कै | ऽ |  | सो | ऽ |  | ऽऽ | ऽ | ऽ |  |
| ३ |     |    |  | ४ |    |  | x  |   |  | ०  |   |  | २  |   |  | ०  |   |   |  |

|    |    |   |  |   |   |   |  |
|----|----|---|--|---|---|---|--|
| म  | ग  | म |  | म | प | म |  |
| री | दै | ऽ |  | ऽ | ऽ | ब |  |
| ३  |    |   |  | ४ |   |   |  |

# राग मधसुरजा, ताल त्रिताल, लय द्रुत

ढोलिया बजाले अब तू रे  
करम करो तेरो हारो ना हारो रे॥  
माँई की जो साध है जो है  
टारे ना टारे कोई रे  
करम करो तेरो हारो ना हारो रे॥

## स्थायी

|          |    |          |           |         |                          |
|----------|----|----------|-----------|---------|--------------------------|
| — — — म  | म  | म म      | — म       | म — म — | <sup>री</sup> सा — सा री |
| ५ ५ ५ ढो | लि | या ५ ५ ब | जा ५ ले ५ | ५ ५ अ ब |                          |
| ०        | ३  |          | x         | २       |                          |

|    |                |             |            |                            |
|----|----------------|-------------|------------|----------------------------|
| सा | नि सा री सा री | सा नि सा सा | म — म म    | प नि नि सां रीं सां सां नि |
| तू | रे ५ ५ क       | र म क रो    | ते ५ रो हा | रो ५ ना ५ ५ ५ हा ५         |
| ०  |                | ३           | x          | २                          |

|                |     |          |           |         |
|----------------|-----|----------|-----------|---------|
| नि म — म       | म म | म म म    | — म       | म — म — |
| रो ५ ५ रे ५ ढो | लि  | या ५ ५ ब | जा ५ ले ५ |         |
| ०              | ३   |          | x         |         |

## अंतरा

|           |             |             |                      |
|-----------|-------------|-------------|----------------------|
| — — — म   | म प नि — नि | सां — — सां | सां — नि रीं सां रीं |
| ५ ५ ५ मां | ई की ५ ५ जो | सा ५ ५ ध    | है ५ जो ५ ५ ५        |
| ०         | ३           | x           | २                    |

|                 |                |           |                      |
|-----------------|----------------|-----------|----------------------|
| रीं सां — — सां | — रीं मं — सां | रीं — — — | सां — नि सां सां रीं |
| है ५ ५ ५ टा     | ५ रे ५ ५ ना    | टा ५ ५ ५  | रे ५ को ५ ५ ५        |
| ०               | ३              | x         | २                    |



सां नि नि म - री | सा नि सा सा | म - म म | प नि नि सां रीं सां सां नि |  
 ई ऽ रे ऽ ऽ क | र म क रो | ते ऽ रो हा | रो ऽ ना ऽ ऽ ऽ हा ऽ |  
 ० ३ x २

नि म - म म म | म म म - म | म - म - |  
 रो ऽ ऽ रे ऽ ऽ दो | लि या ऽ ऽ ब | जां ऽ ले ऽ |  
 ० ३ x

# राग अहिमोहिनी, ताल त्रिताल, लय वृत्

बीनु बजावो झ्याम  
अब तो मेरो मानले रे॥  
सुभग सुरन तान की  
लरिया सोहायो मोहे रे॥

स्थायी

|    |  |   |    |   |    |   |   |   |   |   |  |    |   |   |   |   |
|----|--|---|----|---|----|---|---|---|---|---|--|----|---|---|---|---|
| ग  |  | म | नि | - | ध  | ध | प | म | - | - |  | म  | - | - | - |   |
| बी |  | ५ | ५  | ५ | नु | ५ | ब | ५ | ५ | ५ |  | जा | ५ | ५ | ५ |   |
|    |  | ३ |    |   |    |   |   |   |   |   |  |    |   |   |   | X |

|    |   |   |      |   |   |   |  |   |   |   |   |    |  |
|----|---|---|------|---|---|---|--|---|---|---|---|----|--|
| म  | ग | ग | म    | प | ध | ध |  | प | प | म | ग | ग  |  |
| बो | ५ | ५ | झ्या | ५ | ५ | ५ |  | ५ | ५ | म | ५ | बी |  |
|    | २ |   |      |   |   |   |  |   | ० |   |   |    |  |

|   |    |   |    |   |   |   |   |   |  |    |   |   |   |   |
|---|----|---|----|---|---|---|---|---|--|----|---|---|---|---|
| म | नि | - | ध  | ध | प | म | - | - |  | म  | - | - | - |   |
| ५ | ५  | ५ | नु | ५ | ब | ५ | ५ | ५ |  | जा | ५ | ५ | ५ |   |
|   | ३  |   |    |   |   |   |   |   |  |    |   |   |   | X |

|    |   |   |      |   |   |   |  |   |   |   |   |   |  |
|----|---|---|------|---|---|---|--|---|---|---|---|---|--|
| म  | ग | ग | म    | प | ध | ध |  | प | प | म | ग | ग |  |
| बो | ५ | ५ | झ्या | ५ | ५ | ५ |  | ५ | ५ | म | ५ | अ |  |
|    | २ |   |      |   |   |   |  |   | ० |   |   |   |  |

|    |    |   |   |    |   |   |   |   |    |  |    |   |    |     |   |    |    |   |
|----|----|---|---|----|---|---|---|---|----|--|----|---|----|-----|---|----|----|---|
| री | सा | - | - | री | ग | - | - | - | म  |  | प  | ध | नि | सां | - | नि | नि |   |
| ब  | ५  | ५ | ५ | तो | ५ | ५ | ५ | ५ | मे |  | रो | ५ | ५  | ५   | ५ | मा | ५  |   |
|    | ३  |   |   |    |   |   |   |   |    |  |    |   |    |     |   |    |    | X |

|   |    |   |   |   |   |    |   |   |   |  |    |   |   |   |   |   |   |   |    |   |  |
|---|----|---|---|---|---|----|---|---|---|--|----|---|---|---|---|---|---|---|----|---|--|
| - | नि | ध | ध | - | - | प  | म | - | - |  | म  | प | - | - | म | ग | - | - | -  | ग |  |
| ५ | न  | ५ | ५ | ५ | ५ | ले | ५ | ५ | ५ |  | रे | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | बी |   |  |
|   | २  |   |   |   |   |    |   |   |   |  |    |   |   |   |   |   |   |   |    | ० |  |



## अंतरा

सां | नि ध नि ध - प ध - - प म | प ध - - - - - |  
 सु | भ ग ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ सु ऽ | र ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x

ध नि - सां नि नि सां | सां - सां - म |  
 न ऽ ऽ ता ऽ ऽ ऽ | न ऽ की ऽ ल |  
 २ ०

प ध नि सां रीं सां - - - नि | ध नि - - - |  
 री ऽ ऽ ऽ ऽ या ऽ ऽ ऽ सु | हा ऽ ऽ ऽ ऽ |  
 ३ x

नि ध ध प म म | म प - - म ग - - - ग |  
 यो ऽ ऽ मो ऽ हे | रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ बी |  
 २ ०

# अनूपरागविलास

---

नवनिर्मित राग





## राग गांधी मल्हार की पार्श्वभूमि

(गांधी-शताब्दि के) महिनों पूर्व शताब्दि समिति के कुछ वरिष्ठ कार्यकर्ता-अधिकारी मुझे मिले थे और उन्होंने मेरे सहयोग की माँग व्यक्त की थी। सारी दुनिया ने जिसे माना हो ऐसे महान भारतीय व्यक्तित्व के प्रति हर एक जागरूक मन में — विशेषतः भारतीय मन में — एक विशिष्ट एहसास हो यह स्वाभाविक ही है। फिर, वह मन चाहे शास्त्रज्ञ का हो, कलाकार का हो या दार्शनिक का क्यों न हो। अतः शताब्दि समिति ने मुझ से सहयोग चाहा यह वाजिब ही था। लेकिन, सहयोग कैसा और क्या हो, इसकी कोई स्पष्ट कल्पना समिति के सदस्यों को नहीं थी। कुछ दिनों बाद मैंने शताब्दि समिति को सूचित किया कि मैं एक नये राग की रचना के बारे में सोच रहा हूँ। समिति ने उक्त सुझाव तुरन्त स्वीकार कर लिया।

गांधी राग की रचना की कल्पना दृढ़मूल होते ही मन में न जाने कितने प्रश्न उठ खड़े हुए। जैसे, नींव किस राग की हो? क्योंकि, उस राग की मूल प्रकृति और मेरे मन में बसी हुई गांधीजी की प्रतिमा इन दोनों में मेल होना, समानता रहना अत्यावश्यक ही नहीं था, बल्कि वह मेरी पहली शर्त थी। मैं गांधीजीको मानता हूँ। बहुत मानता हूँ। उनके व्यक्तित्व में विद्यमान रहे सत्यशोध-मतलब, अभय और करुणा इन दो प्रवृत्तियों के संगम में मुझे हमेशा ही दिव्यता प्रतीत होती है।

महात्माजी को राजनीति में मिली अभूतपूर्व सफलता, उनके कृतित्व से केवल राष्ट्र-जीवन में ही नहीं, अन्तराष्ट्रीय स्तर पर भी, हुए चमत्कारोंका एहसास, मेरी पीढ़ी के प्रत्येक सामान्य समझदार नागरिक के समान मुझे भी है। परन्तु, मेरे दोनो हाथ जुड़ते हैं, उनकी अभय साधना के समक्ष, मेरा मस्तक नत होता है उनकी सर्वकष करुणा के समक्ष। यह दोनो प्रवृत्तियाँ व्यक्त करने की क्षमता जिस राग में हो उसी राग की नींव पर नए राग की रचना संभव थी। और, इसी विचार से मैंने मल्हार राग पसंद किया। मैंने शताब्दि समिति को राग का नाम लिख भेजा “गांधीमल्हार”।

राग का नाम तो निश्चित हो गया, पर रूप निश्चित होना था। मल्हार की मूल प्रकृति गंभीर है और लचीली भी। उसमें अभय साधना की शक्ति भी चाहिये तथा करुणा भरी ममता भी। इन बातों को रूप देने का प्रयास मैंने किया है। उदाहरण के लिये इस राग का शुद्ध गंधार देखें।

सारे संसार के प्रति गांधीजी के प्रेमभरी, असीम करुणा व्यक्त करने के लिये मल्हार का वह विशिष्ट कोमल निषाद तो है ही, पर उनकी शक्तिशाली तथा विशुद्ध सत्य साधना, उम्रभर जिन सपनों को अपने वक्ष से लगाकर पालापोसा उनकी अपने सामने जलाई जा रही होली को पलकें झपकाए बिना देखने का असामान्य धैर्य (और सो भी मन में किसी प्रकार की कटुता उत्पन्न न होने देते हुए), दीन दुखियारों के आँसू पोछने के लिये बड़े हुए उनके अमृतस्पर्शी करकमल — यह सब व्यक्त करनेवाले, शुद्ध गंधार की योजना मैंने इसमें की है।

राग गांधी मल्हार की पार्श्वभूमि : १८५



इस गंधार का आरोही स्वरूप तथा उसीका अवरोही दर्शन — एक ही स्वर के यह दो पहलू — इस “गांधी मल्हार” की विशिष्टता है, निःसंग अभयसाधना एवं असीम करुणा के प्रतीक है।

इस राग में जो बंदिशें मैने बांधी हैं उनके शब्द मेरी नजर में बहुत अर्थपूर्ण हैं। सरसरी निगाह से देखनेपर भी समझ में आ सकता है कि यह व्यक्तिपूजा नहीं भारत में उद्भूत महानता की अभ्यर्थना है।

कुमार गंधर्व

टीप : पार्श्वभूमि का पहला पैरा मराठी मासिक ‘सत्यकथा’ के जनवरी १९७० में प्रकाशित कुमारजी के लेखपर आधारित है।

## राग गांधी मल्हार

गांधी मल्हार राग में दोनो गंधार व दोनो निषाद लगते हैं। मध्यम स्वर कोमल है। ऋषभ और धैवत शुद्ध है। गांधी मल्हार में 'ग ध' संगती एवं 'ध ग' संगती महत्त्वपूर्ण है। इस राग का आरोह-अवरोह वक्र है। शुद्ध गंधार संपूर्ण आरोह-अवरोह में वक्र होते हुए भी अपना महत्त्वपूर्ण स्थान निर्माण करता है। गांधी मल्हार में यह शुद्ध गंधार अत्यंत सुंदर, धीरगंभीर और शांत रूप लेता है और यही इस राग का मुख है। अवरोह में कोमल गंधार है। यह पंधरावा मल्हार प्रकार अपने अनूठे रूपसे सबसे अलग, स्वतंत्र अस्तित्व रखता है।

गांधी मल्हार की रागवाचक स्वरपंक्ति इस प्रकार है -

१. ध ग - सा, री सा नि - ध, नि - सा |
२. ग - - सा - री - सा |
३. ग ग म प ध ग - -, म प म - गु म - गु म - गु म प म म - री - सा |
४. सा - ध, नि म, प ग, म प ध ग, म प म री म री म री म प म म - री - सा |

### आरोह-अवरोह स्वरूप

प नि, ध नि सा, म री प, म प नि, ध नि सा |  
 सा ध नि म प ग, म प ध ग, म प म - गु म - गु म - गु म प म म - री सा,  
 सा री नि  
 ग सा, प नि, ध ग - सा, री सा, सा, नि, ध, नि, सा, सा |

### स्वरविस्तार

१. ग सा ध  
 री - - सा - नि - - ध, नि - - सा नि - सा |
- प नि - - ध ग - - सा -, सा - री - सा - नि - - ध, नि - - सा नि - सा - |
२. म - - गु म - - गु म - - गु, म प म म - - री - - सा,  
 ग री ध  
 री - - सा, सा - - नि - - ध नि - - सा नि - सा - सा - |
- गु गु गु म म  
 म - - री म - - री म - - री प - -, प - - ग, म - म ग ग -,

राग गांधी मल्हार : १८७



- म प ध ध ग -, प - म - - गु म - - गु म - - गु  
 ग री ध  
 म प म म - - री - - सा, री - सा, सा नि - - ध, नि - सा नि - सा - |
- री सा ध  
 ३. प नि - - ध ग - - सा -, सा - - नि - - ध, नि - - सा - नि - सा - |
- म  
 म - - री प - - प - -, प नि - - ध -, नि म - प ग - -,  
 म - म ग ग -, म प ध ध ग -, प - म - गु म - गु म - गु,  
 ग री  
 म प म म - - री - - सा -, री - - सा, सा - - नि - - ध  
 ध  
 नि - - सा नि - - सा - - |
- नि  
 ४. म - - री प - -, प नि - ध, नि - - सां - - सां -, सां - - ध नि - - म,  
 प - ग, म प ध ग - -, ग म ग, री ग म प ध ग - -,  
 म  
 प - - म - री म - री म - री, म प म म - - री - सा,  
 ग री ध नि  
 री - - सा - सा नि - - ध नि - - सा नि - - सा - - सा - - |
- म नि  
 म प म म - - री प - प - -, प नि - - ध नि - - सां - - सां -,  
 सां नि गं  
 प ध नि सां रीं - - सां - नि - - ध, नि - - सां - सां -, रीं सां -,  
 रीं नि  
 सां - नि - - ध, नि - - सां सां, सां - - ध नि म प - ग,  
 म प ध ध ग - -, ग म ग, री ग म प ध ध ग - -,  
 म  
 प म - गु म - गु म - गु म प म म - - री - - सा - -,  
 री नि  
 ग - - सा -, सा - - नि - - ध नि - - सा - - सा - - - |

५. प ध नि सां - नि - सां - - सां - , रीं - - सां - , सां - नि - - ध ,  
 नि - - सां सां - , प नि - - ध नि - - सां - - सां - ,  
 प ध नि सां रीं - सां नि - - ध गं सां - , रीं सां सां नि - - - ध ,  
 नि - सां - सां - , रीं - - सां - सां नि - - ध , नि - - सां - सां - - |  
 सां - ध नि - म प - ग , म म ग , री ग म प ध ध ग - - ,  
 म  
 प - - म - गु म - गु म - गु म प म म - - री - - सा ,  
 री सा सा नि - - ध नि - - सा - - सा - - |  
 नि  
 ६. प नि - - ध , ग - - सा , म री प , नि ध नि सां - - , सां - - |  
 गं - - सां , रीं सां सां नि - - ध नि सां , सां ध नि म प ग - - , म प ध - ग ,  
 ग म ग , री ग म प - ध ग - - , म प - ,  
 म - गु म - गु म - गु म प म म - - री - - - सा - - |



## तानें

१. मपमम रीसासा, गरीसासा रीसासा निधुनिसा रीरीसासा ॥
२. पुनिधुनिसा रीरीसासा, गरीसासा रीसासा निधुनिसा रीरीसासा ॥
३. गगरीसासा निधु गगरीसासा, रीरीसासा निधुनिसा रीरीसासा ॥
४. पुनिधुनिसा रीरीसासा, निधुनिसा रीरीसासा, गगरीसासा ममरीसासा,  
गगग रीसासा निधुनिसा रीरीसासा ॥
५. मगु मगु ममरीसासा, गगरीसासा मरीपप मगु ममरीसासा ।  
पपमगु ममरीसासा, गगरीसासा रीसासा निधुनिसा रीरीसासा ॥
६. गगमपमग ममरीसासा, धपमग पममरीसासा, गगमप धपमग  
पममरीसासा, पपमगु मममरीसासा, गगगरीसासा रीसासा निधुनिसा  
रीरीसासा ॥
७. गमग गमम मपप पधप मग पमम रीसासा,  
गमपधग — मपधग — पममरीसासा, मरीपपमगु ममरीसासा, निनिपम  
पपमगु ममरीसासा ।  
ममम रीसासा गगगरीसासा रीरीसासा निधुनि रीरीसासा ॥
८. सामरीपप निनिपमप, पुनिधुनिसा रीरी सांनिसा, गरीसासा रीसासा  
निधुनिसा रीरीसासा, ।  
निसासा धनिनि मपपमग, मपधप मग पममरीसासा, रीसासा निधुनिसा  
रीरीसानिसा ॥
९. पधनिसानिनि सांरीसासा सांनिनिपम, धपपमग पमम रीसानि....धु  
नि....सा ॥
१०. निनिपम पप, पधनिसानिनि सांरीरीसासा, सांनिनिपम धपपपमग,  
पमम रीसासा, गगगरीसासा नि — धुनि....सा ॥

११. पधनिसां रीरीसांसां, रीरीसांसां, निधनिसां रीरीसांसां, ।

निसांसां धनिनि मपप मग, गमम मपप पधपमग पमम रीसासा  
नि....ध - नि....सा ॥

१२. गं री - - सां, रीसांसां निधनिसां रीरीसांसां, पधनिनिसां, रीरीसां,  
पनिधनिसां रीरीसांसां निधनिसां रीरीसांसां, पधनिसां रीरीसांसां  
रीरीसांसां निधनिसां रीरीसांसां निसांसां धनिनि मपपमग  
पममरीसासा ॥

नि - - ध, नि - - सा - - ग - - सा - - सा - - नि - - ध, नि - - सा



## राग गांधी मल्हार, ताल एकताल, लय विलंबित

तुम हो धीर हो रे,  
संजीवन भारत के विराट हो रे॥  
आहत के आरत के सखा रे,  
पावन आलोक अनोखे हो रे॥

स्थाई

$\overbrace{-, -, -, ग री} \quad \overbrace{सा, सा नि -, ध नि, सा}$  |  $\overbrace{ग, -, -, - म} \quad \overbrace{ग, -, -, -}$  |  
 ४  $\overbrace{५, ५, ५, तु ५} \quad \overbrace{म, ५ ५ ५, ५ हो, ५}$  |  $\overbrace{धी, ५, ५, ५ ५} \quad \overbrace{र, ५, ५, ५}$  |  
 x

$\overbrace{म प, म म, -, री} \quad \overbrace{सा, -, -, म}$  |  $\overbrace{प म म -, -, री} \quad \overbrace{प, -, प}$  |  
 ०  $\overbrace{हो ५, ५ ५, ५, ५} \quad \overbrace{रे, ५, ५, सं}$  |  $\overbrace{जी ५ ५ ५, ५, ५, ५} \quad \overbrace{५, ब, ५, न}$  |  
 २

$\overbrace{म प -, ग, -, म प} \quad \overbrace{प ध -, ग, -, म प -}$  |  
 ०  $\overbrace{भा ५ ५, ५, ५, र त} \quad \overbrace{के ५ ५, ५, ५, वि ५ ५}$  |

$\overbrace{म, गु, म गु - म, री सा} \quad \overbrace{ग - सा -}$  |  
 ३  $\overbrace{रा, ५, ५ ५ ५ ५, ५ ट} \quad \overbrace{हो ५ ५ ५}$  |

$\overbrace{री, -, सा, ग री} \quad \overbrace{सा, सा नि -, ध नि, सा}$  |  
 ४  $\overbrace{रे, ५, ५, तु ५} \quad \overbrace{म, ५ ५ ५, ५ हो ५}$  |

अंतरा

$\overbrace{-, -, -, म -, री, - प म, प} \quad \overbrace{प नि, -, -, ध -, नि, -, सां - नि ध}$  |  
 ४  $\overbrace{५, ५, ५, आ ५, ५, ५ ह ५, त} \quad \overbrace{कै ५, ५, ५, ५ ५, आ, ५, र ५ त ५}$  |  
 x

$\overbrace{ध नि -, -, सां, सां} \quad \overbrace{सां री, -, -, -}$  |  $\overbrace{ध गं -, -, सां, -} \quad \overbrace{रीं सां सां नि, - ध, नि, सां}$  |  
 ०  $\overbrace{कै ५ ५, ५, ५, स} \quad \overbrace{खा ५, ५, ५, ५}$  |  $\overbrace{रे ५ ५, ५, ५, ५} \quad \overbrace{पा ५ ५ ५, ५ ५, ब, न}$  |  
 २

सां ध, - नि, म -, प ग - , म म ग, री ग म प, ध ध ग -  
 आ ऽ, ऽ लो, ऽ ऽ, क ऽ ऽ, अ ऽ ऽ, ऽ ऽ ऽ ऽ, ऽ नो ऽ ऽ

- , म प -, ग म, री सा ग - सा -  
 ऽ, ऽ ऽ ऽ, ऽ ऽ, खे ऽ ह्ये ऽ ऽ ऽ

री, -, सा, ग री सा, सा नि -, ध नि, सा  
 रे, ऽ, ऽ, तु ऽ म, ऽ ऽ ऽ, ऽ हो, ऽ



# राग गांधी मल्हार, ताल एकताल, लय वृत्त

तुम में सब रूप  
एकहि पथ, एक मंत्र  
समता साकार॥  
दर्शन के अनुगामी  
अंतर एकाकी  
भीतों के आधार॥

## स्थायी

|     |     |     |     |   |     |     |    |    |    |     |     |     |     |   |   |    |   |
|-----|-----|-----|-----|---|-----|-----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|---|---|----|---|
| सां | सां | ध   | नि  | ध | नि  | प   | म  | ध  | प  | प   | ग   | -   | -   | - | म | री | प |
| तु  | म   | मे  | ५   | ५ | ५   | स   | ब  | रू | ५  | ५   | ५   | ५   | ५   | ५ | प | ५  | ५ |
| ०   |     | ३   |     |   |     | ४   |    | ५  |    |     |     |     |     | ० |   | २  |   |
| प   | सां | सां | सां | ध | नि  | प   | म  | म  | प  | -   | म   | ग   | -   | - | - | ग  | - |
| तु  | म   | मे  | ५   | ५ | ५   | स   | ब  | रू | ५  | ५   | ५   | ५   | ५   | ५ | ५ | प  | ५ |
| ०   |     | ३   |     |   |     | ४   |    | ५  |    |     |     |     |     | ० |   | २  |   |
| म   | री  | म   | री  | म | री  | प   | प  | प  | नि | ध   | नि  | सां | सां |   |   |    |   |
| ए   | ५   | क   | ५   | ५ | हि  | प   | थ  | ए  | ५  | क   | मं  | ५   | त्र |   |   |    |   |
| ०   |     | ३   |     |   |     | ४   |    | ५  |    | ०   |     | २   |     |   |   |    |   |
| सां | नि  | ध   | नि  | - | सां | रीं | मं | नि | मं | रीं | सां | सां | नि  | - | ध |    |   |
| स   | म   | ५   | ता  | ५ | सा  | ५   | ५  | का | ५  | ५   | ५   | ५   | ५   | ५ | ५ | ५  | ५ |
| ०   |     | ३   |     |   | ४   |     |    | ५  |    | ०   |     | २   |     |   |   |    |   |

## अंतरा

|     |    |     |   |    |    |    |     |     |     |     |    |   |   |
|-----|----|-----|---|----|----|----|-----|-----|-----|-----|----|---|---|
| म   | री | प   | प | नि | ध  | नि | नि  | सां | नि  | सां | -  |   |   |
| द   | र  | श   | न | के | ५  | अ  | नु  | गा  | ५   | मी  | ५  |   |   |
| ०   |    | ३   |   | ४  |    | ५  |     | ०   |     | २   |    |   |   |
| सां | -  | -   | - | नि | नि | नि | सां | रीं | सां | -   | नि | - |   |
| अं  | ५  | ५   | ५ | त  | र  | ए  | ५   | ५   | का  | ५   | की | ५ |   |
| ०   |    | ३   |   | ४  |    | ५  |     | ०   |     | २   |    |   |   |
| म   | री | प   | - | नि | ध  | ध  | नि  | सां | रीं | सां | नि | - | ध |
| भी  | ५  | तों | ५ | के | ५  | आ  | ५   | ५   | ५   | धा  | ५  | ५ | ५ |
| ०   |    | ३   |   | ४  |    | ५  |     | ०   |     | २   |    |   |   |

## परिशिष्ट

---



| राग और बंदिशें       | बंदिश बनने की तारीख | स्थान                     |
|----------------------|---------------------|---------------------------|
| <b>पारम्परिक राग</b> |                     |                           |
| तोड़ी                |                     |                           |
| ध्यान मना            | ०२-०२-६७            | देवास                     |
| आसान करो             | १४-०४-६५            | देवास                     |
| सागरा सब बन          | १७-०९-८४            | नागपूर से अमरावती कार में |
| बिलासखानी            |                     |                           |
| आ जोर घर             | २७-०१-८२            | देवास                     |
| देरना देरना देरना    | २८-०१-८२            | देवास                     |
| भैरव                 |                     |                           |
| शोमे जटा तेरो        | ३-०२-६७             | देवास                     |
| रवि के करम           | ०३-११-६८            | देवास                     |
| देम् दारा देम्       | ११-०५-६७            | देवास                     |
| रति भैरव             |                     |                           |
| अरुण आके             | ०३-१२-६३            | देवास                     |
| रामकली               |                     |                           |
| सबु मैं कै जानुरी    | १०-११-७५            | दिल्ली                    |
| कलियन सोहायोरी       | १५-०४-६५            | देवास                     |
| बिभास                |                     |                           |
| है आन मेरो           | १०-०४-६५            | देवास                     |
| ललित                 |                     |                           |
| नैना भरायोरी         | ०७-०४-६५            | देवास                     |
| अल्हैया बिलावल       |                     |                           |
| भोल रे बना           | २०-०७-७३            | देवास                     |
| बाजे रे बाजे         | २२-०६-६७            | देवास                     |
| कुकुभ बिलावल         |                     |                           |
| बुहारु अंगनुवारी     | २०-०१-८१            | देवास                     |
| मैं तो लुभाय गयोरी   | २२-०२-६७            | देवास                     |
| १९६ : अनूपराग बिलास  |                     |                           |

| राग और बंदिशें    | बंदिश बनने की तारीख                  | स्थान                          |
|-------------------|--------------------------------------|--------------------------------|
| देशकार            |                                      |                                |
| आ दिलवरा          | २०-०४-६५                             | देवास                          |
| चिडिया चूं चूहानी | १२-०६-६६                             | देवास                          |
| चैती बरवा         |                                      |                                |
| वारी जाऊं रे      | ३०-०१-७१                             | इंदौर                          |
| हिंडोल            |                                      |                                |
| सोहेना येरी       | २२-०४-६५                             | देवास                          |
| मधमाद सारंग       |                                      |                                |
| अग्नि रंग फूल     | २८-०२-७७                             | अकोला से यवत जाते समय          |
| रितु बंदना        |                                      |                                |
| शरद हेमंत         | ०४ से १०-०९-६८                       | देवास                          |
| भीमपलासी          |                                      |                                |
| उडाय दो पतंग      | २५-०९-६८                             | देवास                          |
| मुलतानी           |                                      |                                |
| दिल बेकार है      | २६-०४-६५                             | देवास                          |
| मारवा             |                                      |                                |
| सूझो ना कछु       | ०१-०५-७१                             | मुंबई                          |
| पुरिया            |                                      |                                |
| संजानी जावो       | ११-०४-६५                             | देवास                          |
| पुरिया धनाश्री    |                                      |                                |
| आजरा दिन डूबा     | १६ से २७-०५-६५                       | देवास                          |
| श्री              |                                      |                                |
| पावा मैं दूरा से  | (स्थाई) ३०-११-६७<br>(अंतरा) ०५-०१-७५ | मुंबई नागपूर ट्रेनमें<br>देवास |
| रीसई काहे         | १२-०५-६५                             | देवास                          |
| कल्याण            |                                      |                                |
| दीप की बेला       | ०६-११-८१                             | देवास                          |
| ये मुरलियार       | ०७-११-८०                             | देवास                          |
| दारा दीम् तनन     | १४-०१-७९                             | देवास                          |



| राग और बंदिशें                     | बंदिश बनने की तारीख     | स्थान        |
|------------------------------------|-------------------------|--------------|
| छाया कल्याण<br>मैं का चैन ना परेगो | ०६-१०-८७                | देवास        |
| मिश्र कल्याण<br>कोयल कूके          | ०८ और ०९-०५-५५          | देवास        |
| भूपाली<br>माई गुसैया का            | ०१-०५-६४                | देवास        |
| अबीर गुलाल                         | २३-०२-७०                | देवास        |
| छंद मय भयो है                      | ०६-१२-८४                | देवास        |
| दारा दीम् दीम् दीम्                | २४-०३-८५                | देवास        |
| शुद्ध कल्याण<br>रूप धरे रे         | ०८-०६-६५                | देवास        |
| शुद्ध शाम<br>मोय बुल के            | १३-०२-६५                | बडाळा, मुंबई |
| खुमाज<br>ओ दिलदारा                 | २३-०४-६६                | देवास        |
| सोरठ देसा<br>नयो नयो मेह           | १९-०४-६६                | देवास        |
| सावन देसा<br>दीम् तादीम् देरेना    | ०२-०७-७७                | देवास        |
| तिलक कामोद<br>मोतीया गुलबे         | ११-०७-८१                | देवास        |
| चैती मांड<br>पतिया न भेजे          | २५-०१-७१                | देवास        |
| मांड गारा<br>राम बिन सिया          | १७-०५-६८                | देवास        |
| शिव केदार<br>जोगी जाय्यो रे        | २४-०६-६३ और<br>०८-०१-६५ | देवास        |
| जो दिया सो लैरी                    | २०-०१-६५                | देवास        |
| दिर दिर तनन्                       | २९-११-६४                | देवास        |

१९८ : अनूपराग विलास

| राग और बंदिशें    | बंदिश बनने की तारीख | स्थान         |
|-------------------|---------------------|---------------|
| जलंधर देसा        |                     |               |
| मेघा को रितु      | १२ और १३-०४-६५      | देवास         |
| बिहाग             |                     |               |
| ये मोरा मन        | ०४-०५-६४            | देवास         |
| ये का मुरझायो रे  | १५-०५-६४            | गोवा          |
| देर ना देर ना     | १७-०३-७८            | देवास         |
| सावनी बिहाग       |                     |               |
| ले जा संदेसो      | १६-०४-६६            | देवास         |
| सावनी             |                     |               |
| अव न बदा          | १५-०४-६४            | देवास         |
| मालव बिहाग        |                     |               |
| ये सब खेल         | ०८-०९-६७            | देवास         |
| बिहागरी           |                     |               |
| राधा संग खेलन     | ०६-०२-६२            | देवास         |
| मालव बिहागरो      |                     |               |
| म्हारी कारी भूमरी | ०४-१२-८४            | देवास         |
| लंकेश्री          |                     |               |
| मांग भरोरी        | १३-०८-६५            | देवास         |
| खेमनाट            |                     |               |
| अँ मैं फूल        | ०५-११-७६            | गोवा गाढी में |
| दुर्गा            |                     |               |
| अमोना रे अव       | २१-०७-६४            | देवास         |
| आनन्द झारायोरी    | ०१-०२-६७            | देवास         |
| काफी              |                     |               |
| दीम तनारे तन      | १३-११-७८            | देवास         |
| छाया सिन्धुरा     |                     |               |
| ये छोरा भायेना    | ०३-०४-८२            | देवास         |
| झिंझोटी           |                     |               |
| ऊबो ना रे जाय     | १७-११-६४            | देवास         |
| मीठा बोल हाम      | २९-०९-६८            | देवास         |



| राग और बंदिशें     | बंदिश बनने की तारीख | स्थान                   |
|--------------------|---------------------|-------------------------|
| खंबावती            |                     |                         |
| मुझायोय्यो मोगेरो  | १२-१२-८४            | देवास                   |
| मियाँ मल्हार       |                     |                         |
| सावन झरियो         | ११-०६-६५            | देवास                   |
| शुद्ध मल्हार       |                     |                         |
| रितु बरखाई         | ०७-०६-७६            | देवास                   |
| रामदासी मल्हार     |                     |                         |
| ये बाजु रे लंगर    | २४-११-७५            | देवास                   |
| गौड मल्हार         |                     |                         |
| रितु बरखा आई       | ०८-०६-६५            | देवास                   |
| दीम् तानोम् तनन    | ०७-०६-७३            | देवास                   |
| सुर मल्हार         |                     |                         |
| नीको नीको लाम्योरी | २२-०७-७४            | देवास                   |
| दरबारी             |                     |                         |
| धरो रे मन धीर      | २८-१२-६५            | देवास                   |
| है दरबार में       | २१-११-६५            | देवास                   |
| अडाणा              |                     |                         |
| बाहेल आजोरे        | २२-०७-६५            | देवास                   |
| मालकौंस            |                     |                         |
| आये हो जी          | २२-११-७६            | झांसी से नागपूर गाडीमें |
| ये सब भये          | ०२-०५-६४            | देवास                   |
| बागेश्री           |                     |                         |
| सोहत हथमा बीन      | ०५-०७-६६            | देवास                   |
| बरदायनी हो री      | १७-०७-६६            | देवास                   |
| तानन की तान        | ०१-०५-७३            | देवास                   |
| कौंदी कानडा        |                     |                         |
| आ जानु रे          | ०८-०८-७८            | देवास                   |
| बादर छायो है       | ०८-०९-८४            | देवास                   |

| राग और बंदिशें           | बंदिश बनने की तारीख                  | स्थान    |
|--------------------------|--------------------------------------|----------|
| <b>बसंत</b>              |                                      |          |
| अब सन काहे               | (स्थाई) २१-०१-६५<br>(अंतरा) ०८-१२-७६ | देवास    |
| आयो बसंत रितु            | (स्थाई) २८-०२-६९<br>(अंतरा) ११-०३-६९ | देवास    |
| ये रीत है कैसोरी         | २६-११-६५                             | देवास    |
| तान्ना देना तन           | ०९-१२-८४                             | देवास    |
| जलधर बसंती               |                                      |          |
| हीरा मोती नीवजे          | १४-०४-६६                             | देवास    |
| बसंता सोनी               |                                      |          |
| बनराई बौराय लाम्यो       | ०८-१२-८४                             | देवास    |
| <b>परज</b>               |                                      |          |
| कीतक समझाऊं              | २९-११-६५                             | देवास    |
| शिव भटियार               |                                      |          |
| यो जोगी का               | ०४-०२-६४                             | देवास    |
| दिर तान् दिर तान्        | ०६-०२-६४                             | देवास    |
| देर देर दे तान           | —                                    | —        |
| <b>भैरवी</b>             |                                      |          |
| ताना ताना तान में        | ००-०५-४९                             | देवास    |
| जोगी राजा मेरा           | ११-१०-७५                             | हैदराबाद |
| <b>कुमारजी द्वारा</b>    |                                      |          |
| <b>की गई स्वर रचनाएँ</b> |                                      |          |
| <b>मूलतानी</b>           |                                      |          |
| मियाँ तुसी               | ०९-०१-४४                             | बम्बई    |
| <b>मधुवंती</b>           |                                      |          |
| बैन बरखा रितु            | ०८-११-४३                             | बम्बई    |
| <b>उत्तरा कल्याण</b>     |                                      |          |
| बैन कैसा जादू            | —                                    | —        |



| राग और बंदिशें     | बंदिश बनने की तारीख | स्थान |
|--------------------|---------------------|-------|
| मिश्र कल्याण       |                     |       |
| बरसाना में खेलत    | —                   | —     |
| मारू बिहाग         |                     |       |
| सुनो सखि सैया      | ११-०१-८४            | —     |
| चंद्रकौंस          |                     |       |
| तम की करां         | —                   | —     |
| तिलंग              |                     |       |
| कंतं कौन जतन       | —                   | —     |
| भैरवी              |                     |       |
| जानेवाला वे सोणावे | २१-०४-४४            | देवास |
| कलू कहे न गये      | —                   | —     |
| धुन उगम राग        |                     |       |
| सहेली तोडी         |                     |       |
| करम जानो गुनी      | २५-०८-५३            | देवास |
| भवमत भैरव          |                     |       |
| दे बता देरी        | २८-०५-६६            | देवास |
| मध सुरजा           |                     |       |
| ढोलिया बजाले       | २२-०१-६५            | देवास |
| अहिमोहिनी          |                     |       |
| बीनु बजाओ          | ०५-०८-७२            | देवास |
| नवनिर्मित राग      |                     |       |
| गाँधी मल्हार       |                     |       |
| तुम हो धीर         | १८-०९-६९            | देवास |
| तुम में सब रूप     | २०-०९-६९            | देवास |











आ  
भरतनि